THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 278 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष अमावस्या 2081 सोमवार, 30 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

प्रवासी मतदाताओं ने नहीं दिखाया लोकसभा चुनाव में उत्साह

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवासी भारतीय मतदाताओं ने मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने में बहुत उत्साह दिखाया, लेकिन मताधिकार का इस्तेमाल करने में उनका उत्साह फीका रहा। चुनाव आयोग ने आंकड़े जारी किए हैं, जिनके मुताबिक लगभग 1.2 लाख प्रवासी भारतीयों ने मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराया था, लेकिन इस साल लोकसभा चुनावों में बहुत कम लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करने भारत आए।

काठमांडू में पक्षी से टकराया हेलीकॉप्टर, करनी पड़ी आपात लैंडिंग

काठमांडू, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया में एक पक्षी से विमान की टक्कर के बाद नेपाल की राजधानी काठमांडू में भी एक हेलीकॉप्टर पक्षी से टकरा गया। इसके बाद उसकी आपात लैंडिंग करनी पड़ी। बता दें कि रविवार को सुबह करीब 9 बजे दक्षिण कोरिया के मुआन हवाई अड्डे पर लैंडिंग से पहले 181 यात्रियों के साथ उड़ान भर रहा विमान एक पक्षी से टकरा गया था। इसके बाद वह हवाई अड्डे पर लैंडिंग करते वक्त लैंडिंग गियर नहीं खुलने से दीवार की फेंसिंग से टकरा गया। इसके बाद विमान में विस्फोट हो गया। इस घटना में अब तक 176 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं इसके बाद कनाडा के एक हवाई अड्डे पर लैंडिंग के वक्त विमान का लेफ्ट विंग अचानक तिरछा झुककर रनवे पर रगड़ने लगा। इससे विमान के विंग में आग लग गई। बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया गया। अब काठमांडू में आज ही के दिन यह हेलीकॉप्टर हादसा होते-होते बचा है। बता दें कि अमेरिका के पांच नागरिकों को लेकर रविवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू जा रहे एक हेलीकॉप्टर को एक पक्षी से टकराने के कारण राजधानी से 50 किलोमीटर पूर्व में बनेपा में आपात स्थिति में उतरना पड़ा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निजी हेली एवरेस्ट एयरलाइन का 9एन-एकेजी हेलीकॉप्टर माउंट एवरेस्ट के प्रवेश द्वार लुक्ला से आ रहा था कि जो पूर्वाह्न 11 बजे एक पक्षी से टकरा गया।

फर्श से रगड़ते विमान के विंग में लगी भीषण आग

ओटावा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के बाद कनाडा में भी बड़ा विमान हादसा होते-होते टला है। कनाडा के हेलीफैक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विमान का विंग लैंडिंग के वक्त रनवे से रगड़ता दिख रहा है और इसके बाद उसमें भीषण आग की लपटें उठने लगती हैं। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना अभी अतक नहीं है।

बताया जा रहा है कि यह हादसा शनिवार की रात हेलीफ़ैक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुआ। यह भी वाणिज्यिक एयरलाइन का विमान था। जानकारी के अनुसार पीएएल एयरलाइंस की उड़ान 2259 जो कि एयर कनाडा के डी हैविलैंड कनाडा डैश 8-400 के साथ हवाई अड्डे पर लैंडिंग कर रहा था। इसी दौरान उसका लेफ्ट-विंग रनवे पर रगड़ने लगा। इसके बाद उसमें आग लग गई। लेफ्ट विंग के लैंडिंग गियर को नुकसान होने के बाद विमान को आपातकालीन लैंडिंग के लिए मजबूर होना पड़ा।

इस प्रकार एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया है। बताया गया है कि यात्रियों को केवल मामूली चोटें आईं। विमान के लैंडिंग गियर में लगी छोटी सी आग को

अग्निशमन सेवाओं द्वारा तुरंत बुझा दिया गया। इससे पहले दक्षिण कोरिया के मुआन में आज एक भीषण विमान हादसा हुआ, जिसमें अब तक 130 से अधिकि लोगों की मौत हो चुकी है।

साउथ कोरिया में प्लेन क्रैश, 179 की मौत

लैंडिंग गियर में दिक्कत के बाद रनवे पर धमाका

सियोल, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया में रविवार को बड़ा विमान हादसा हो गया। दक्षिण कोरिया के मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विमान रनवे से फिसल गया। इस हादसे में 179 लोगों के मारे जाने की आशंका है। वहीं लोगों को बचाया गया है और घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

बताया जा रहा है कि यह विमान थाईलैंड से लौट रहा था। दक्षिण कोरिया के मुआन जब यह विमान एयरपोर्ट पर उतर रहा था। इस दौरान रनवे पर फिसल गया और एक दीवार से जा टकराया। इसके चलते विमान में आग लग गई।

रनवे पर फिसला विमान, दीवार से टकराने से लगी आग :

सूत्रों के अनुसार, 173 कोरियाई, दो थाई यात्री और छह चालक दल के सदस्य जेजू एयर की उड़ान में सवार थे, जो थाईलैंड से सुबह 1 बजकर 30 मिनट पर रवाना हुई थी और सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर हवाई अड्डे पर उतरनी थी। जानकारी के अनुसार, विमान ने शुरू में लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं उतर सका। इसके बाद यह हवाई अड्डे के चक्कर लगाता रहा और फिर से उतरने का प्रयास किया, लेकिन रनवे पर फिसल गया। इसके बाद विमान रनवे के अंत में दीवार से टकरा गया और उसमें आग लग गई। दुर्घटना के 43 मिनट बाद आग को बुझाया गया।

दक्षिण कोरिया के स्थानीय समय सुबह 9:07 बजे हुआ हादसा :

'केबीएस वर्ल्ड' के अनुसार कोरिया एयरपोर्ट कॉर्पोरेशन और दक्षिण जिओला स्टेट के फायरब्रिगेड अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह सुबह स्थानीय समय 9:07 बजे 175 यात्रियों और छह फ्लाइट अटेंडेंट को लेकर थाईलैंड से आ रही जाजू एयर का फ्लाइट एयरपोर्ट पर लैंडिंग कर रही थी। तभी यह हादसा हुआ।

दो लोगों को विमान से जीवित निकाला :

समाचार एजेंसी के अनुसार जेजू एयरलाइंस का विमान 2216 थाईलैंड से लौट रहा था। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार अब तक दो लोगों को बचाया जा चुका है। यात्रियों को विमान के पिछले हिस्से से बाहर निकाला जा रहा है। विमान में कुल 181 लोग थे। इनमें से 175 यात्री और छह फ्लाइट के क्रू मेंबर थे।

दुर्घटना होते ही उठने लगा काले धुएं का गुबार :

दुर्घटनास्थल से काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। यह भी माना जा रहा है कि संभवत: दुर्घटना पक्षियों के टकराने की वजह से हुई, जिस कारण से लैंडिंग के वक्त गियर में तकनीकी खराबी आ गई।

राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी ने कहा कि हादसे के बाद लगी आग लगभग बुझा दी गई है। खबर लिखे जाने तक राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है। जिन दो लोगों को विमान से जीवित निकाल लिया गया, उनमें एक यात्री और एक चालक दल का मेंबर है।

'हम साउथ कोरिया के साथ खड़े हैं'

विमान हादसे पर भारत की ओर से सामने आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ कोरिया के मुआन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हवाई जहाज हादसे में अब तक 176 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना बनी हुई है। हादसे को लेकर भारत की ओर से भी बयान सामने आ गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कोरिया के मुआन शहर में हुए हादसे के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ है जिसमें अब तक कम से कम 176 लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा एयरपोर्ट पर रविवार को लैंडिंग के वक़्त हुआ है। साउथ कोरिया में भारत के राजदूत अमित कुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज मुआन हवाई अड्डे पर हुए दुखद विमान हादसे की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। हम शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। भारतीय दूतावास इस कठिन घड़ी में कोरिया गणराज्य के लोगों और सरकार के साथ एकजुटता से खड़ा है। जानकारी के मुताबिक जेजू एयर का यह विमान बैंकॉक से दक्षिण कोरिया जा रहा था। मुआन हवाई अड्डे पर हुए हादसे के कारणों को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक विमान काफी देर तक लैंडिंग की कोशिश करता रहा। एक अधिकारी ने कहा कि विमान से एक पक्षी टकरा गया था। योनहेप के मुताबिक लिखा है कि पक्षी का टकराना इसका एक कारण नजर आ रहा है। देश के परिवहन मंत्रालय ने कहा कि नियंत्रण टावर ने दुर्घटना से पहले विमान को पक्षी के टकराने की चेतावनी भेजी थी, आगे की जांच जारी है। आंकड़ों के मुताबिक यह लगभग तीन दशकों में दक्षिण कोरियाई एयरलाइन से जुड़ी सबसे भीषण हवाई दुर्घटना है और यह देश की अब तक की सबसे घातक दुर्घटना बनने की राह पर है।

बर्फीला तूफान, अटल टनल बंद

श्रीनगर एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स रद्द, ट्रेनें भी बाधित भोपाल में बारिश का 5 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। बर्फबारी, ओलावृष्टि और बारिश से पूरा देश ठिठुर गया है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों पर साल का सबसे भारी हिमपात हुआ।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 8 इंच, गांदरबल में 4 इंच, सोनमर्ग में 8 इंच बर्फ गिरी। वहीं, पहलगाम में 18 इंच बर्फ गिरी। श्रीनगर-जम्मू हाईवे भी बंद हो गया है। यहां करीब 1200 से ज्यादा गाड़ियां फंसी हुई हैं। खराब मौसम के कारण रविवार को लगातार दूसरे दिन श्रीनगर एयरपोर्ट बंद है। रेलवे यातायात भी बाधित हुआ है।

उधर, हिमाचल प्रदेश में शनिवार रात बर्फीला तूफान चला। 24 घंटे में रोहतांग के नॉर्थ और साउथ पोल पर 3 फीट से ज्यादा बर्फ जम चुकी है। अटल टनल पर आवाजाही बंद कर दी गई है। दूसरी ओर, राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश हुई। दिल्ली में शनिवार सुबह तक एक दिन में 41.2 मिमी बारिश हुई। यह दिसंबर में 101 साल में एक दिन में होने वाली सर्वाधिक बारिश है। मध्य प्रदेश के भी कई जिलों में तेज बारिश और ओले गिरे। भोपाल में शनिवार को हुई 17एमएम (पौन इंच) बारिश ने नया रिकॉर्ड बनाया। यह 5 साल बाद दिसंबर में एक दिन में हुई सबसे ज्यादा बारिश है।

कांग्रेस के 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान की नई तारीख का एलान, अमित शाह से मांगेंगे इस्तीफा

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने बताया है कि उनकी पार्टी जय बापू, जय भीम और जय संविधान अभियान 3 जनवरी के बाद शुरू करेगी। इस अभियान के तहत कांग्रेस केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करेगी। कांग्रेस का आरोप है कि बीते दिनों अमित शाह ने संसद में अपने भाषण के दौरान डॉ. आंबेडकर का अपमान किया। गौरतलब है कि इस अभियान का एलान कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के दौरान किया गया था, लेकिन पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन के चलते सात दिन के शोक के कारण इसे कुछ दिनों के लिए टाल दिया गया था।

पूरे साल चलेगा अभियान :

जयराम रमेश ने कहा कि बेलगावी में इस अभियान का एलान किया गया था, लेकिन मनमोहन सिंह के निधन के चलते सात दिन के शोक के चलते इसे 3 जनवरी 2025 तक रोक दिया गया है। अभियान के तहत पार्टी रैलियां आयोजित करेगी। 26 जनवरी 2025 को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के जन्मस्थान पर एक बड़ी रैली का आयोजन किया जाएगा। 25 जनवरी 2025 से 25 जनवरी 2026 तक देशभर में संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा निकाली जाएगी। हमारी मांग है कि गृहमंत्री अमित शाह माफी मांगे और इस्तीफा दें।

बता दें कि शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में अपने भाषण में अमित शाह ने कहा था कि कांग्रेस के लोग इन दिनों आंबेडकर का इतना नाम लेते हैं, अगर उन्होंने इतना नाम भगवान का लिया होता तो उन्हें स्वर्ग मिल जाता। कांग्रेस ने इसे डॉ. आंबेडकर का अपमान बताया और इस मुद्दे पर अमित शाह से इस्तीफा देने की मांग की है।

एकता का महाकुंभ : 'समाज से नफरत और विभाजन खत्म करने का संकल्प लेकर लौटें'

पीएम मोदी की श्रद्धालुओं से अपील

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ को लेकर भी लोगों को जानकारी दी और संकल्प दिलाया। पीएम नरेंद्र मोदी ने श्रद्धालुओं से अपील की कि जब हम कुंभ में भाग लें तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लेकर लौटें।

उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस समय संगम तट पर भव्य तैयारियां चल रही हैं। कुछ दिन पहले प्रयागराज गया था तो हेलीकॉप्टर से वहां चल रहीं तैयारियां देखकर खुश हो गया था। इतना विशाल, इतना सुंदर, इतनी भव्यता। महाकुंभ की विशेषता इसकी विशालता में ही नहीं है। कुंभ की विशेषता इसकी विविधता में है।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ों संप्रदाय, अनेकों अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है। कहीं कोई भेदभाव नहीं दिखता। कोई बड़ा नहीं होता, कोई छोटा नहीं होता। अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य, विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता है। इसलिए ये हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी होता है। इस बार का महाकुंभ भी एकता के महाकुंभ के मंत्र को सशक्त करेगा। जब हम इसमें शामिल हों तो एकता के मंत्र को साथ लेकर वापस आएं।

नया साल मनाना हराम

जो भी मुसलमान मनाएगा वो शरीयत की नजर में मुजरिम है... बरेली के मौलाना का फतवा

बरेली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली के मौलाना ने नए साल को लेकर फतवा जारी किया है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों के लिए नया साल मनाना हराम है और गुनाह है। ये इसाइयों का धार्मिक त्योहार है, जिसे मुसलमानों को नहीं मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गैर-मजहबी प्रथाओं को मानना मुसलमानों के लिए सख्त नाजायज है। ऐसे में मुसलमानों खासतौर पर नए लड़के-लड़कियों को नए साल का जश्न मनाने से बचना चाहिए। मौलाना ने कहा कि मुसलमान के लिए नए साल का जश्न मनाना फख्र की बात नहीं है।

बरेली के ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने नए साल के जश्न पर कहा, चश्मे-दरफ्ता बरेली शरीफ ने नए साल के जश्न को लेकर एक फ़तवा जारी किया गया है। नए साल पर जो नौजवान युवा और युवती जश्न मनाते हैं, इस फतवे में उन्हें हिदायत दी गई है कि नए साल का जश्न मनाना फख्र की बात नहीं है और न ही ये जश्न मनाया जाना चाहिए और इसकी मुबारकबाद दी जानी चाहिए।

नए साल के जश्न में नाच गाना और शोर शराबा करना और हुड़दंग मचाना, शराब पीना, जुआ खेलना ये तमाम काम शरीयत-ए-इस्लामिया में नाजायज और हराम करार दिए हैं। जो भी मुसलमान इस तरह के काम करता हुआ पाया जाएगा या किसी तरह से उसका इसमें अमल-दखल होगा तो गोया कि वो शरीयत की रोशनी में मुजरिम है और शरीयत के खिलाफ काम कर रहा है। ये सख्त गुनाह है और नाजायज है।

मौलाना ने कहा, क्योंकि नए साल से ईसाईयों का नया साल यानी अंग्रेजी साल शुरू होता है। यह इसाइयों को मजहबी प्रोग्राम है। ऐसे में किसी भी गैर-मजहबी प्रथाओं को मनाना मुसलमानों के लिए सख्त नाजायज है।

संगठन चुनाव को लेकर भाजपा की बैठक

फरवरी तक नया पार्टी अध्यक्ष मिलने की उम्मीद, इससे पहले 50 प्रतिशत राज्यों में आंतरिक चुनाव जरूरी

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठनात्मक चुनाव को लेकर पार्टी मुख्यालय में रविवार को समीक्षा बैठक हुई। बैठक मंडल, जिला और प्रदेश पदाधिकारियों के चुनाव पर केंद्रित रही।

इसके अलावा प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया की समीक्षा भी की गई। भाजपा का लक्ष्य 15 जनवरी तक 50 प्रतिशत राज्यों में मंडल, जिला और प्रदेश स्तर के पदों पर चुनाव पूरे कराने का है। भाजपा के संविधान के मुताबिक कम से कम आधे राज्यों में संगठनात्मक चुनाव हो जाने के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो सकता है। भाजपा के संविधान के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष का कार्यकाल 3 साल का होता है। इस लिहाज से मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल 2023 में खत्म हो चुका है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ाया गया था।

पद के लिए आयु सीमा तय की, युवाओं को अहमियत :

पार्टी संगठन में युवाओं को महत्व देने के लिए आयु सीमा तय कर चुकी है। इसके लिए जिलों के भीतर बनाए जाने वाले मंडल अध्यक्ष की आयु 35 से 45 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। इसके अलावा दो बार मंडल अध्यक्ष रहने वालों को तीसरी बार मंडल अध्यक्ष का पद नहीं दिया जाएगा। वहीं, जिलाध्यक्ष की आयु 45 से 60 वर्ष के बीच होगी। जिलाध्यक्ष के लिए संगठन में 7 से 8 साल तक काम करने का अनुभव भी जरूरी किया गया है। इसके अलावा भाजपा ने तय किया है कि मौजूदा समय में संगठन में किसी पद काम कर रहे व्यक्ति को ही जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा।

भाजपा ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के एलान के दिन (15 अक्टूबर) ही पार्टी के आंतरिक चुनावों के लिए अधिकारी नियुक्त किए थे। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना से राज्यसभा सांसद डॉ.के लक्ष्मण को राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी बनाया था।

सूरज के सबसे करीब पहुंचा नासा का स्पेसक्रॉफ्ट

982 डिग्री तापमान में भी सुरक्षित रहा, 1 जनवरी से डेटा भेजेगा

वॉशिंगटन, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के स्पेसक्राफ्ट पार्कर सोलर प्रोब ने 24 दिसंबर की शाम को सूरज के बेहद करीब पहुंचने का रिकॉर्ड बनाया है। नासा का यह यान सूरज से करीब 61 लाख किमी की दूरी से गुजरा। ये दुनिया का पहला यान है जिसने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है।

एजेंसी ने आगे कहा कि पार्कर सोलर प्रोब यान 1 जनवरी को अपनी स्थिति और खोजों का विस्तृत डेटा भेजेगा। सूरज के पास से गुजरते समय स्पेसक्राफ्ट की स्पीड 6.9 लाख किमी/घंटा से अधिक थी। उस वक्त यह यान 982 डिगी सेल्सियस गर्मी झेल रहा था। इतनी तेज गर्मी के बावजूद यान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। पार्कर सूरज के जिस बाहरी वातावरण से गुजरा उसे कोरोना कहते हैं। यह सूर्य और हमारे सौर मंडल पर इसके प्रभाव को समझने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

27 दिसंबर को सिग्नल भेजा

नासा से मिली जानकारी के अनुसार पार्कर सोलर प्रोब ने 27 दिसंबर को धरती पर नासा के जॉन्स हॉपकिन्स एप्लाइड फिजिक्स लेबोरेटरी टीम को सिग्नल भेजा जिससे वैज्ञानिकों को उसके सुरक्षित होने और सही से काम करने के बारे में पता चला। नासा के इस मिशन का मकसद पृथ्वी के सबसे करीबी तारे सूरज के बारे में ज्यादा जानकारी इकट्ठा करना है। यान के सूरज के बाहरी वातावरण में पहुंचने से वैज्ञानिकों को सूरज के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

नासा बोला- सही तरीके से काम कर रहा है पार्कर यान :

नासा ने जानकारी देते हुए कहा, सूर्य के सबसे करीब पहुंचने के बाद पार्कर सोलर प्रोब ने एक बीकन टोन भेजा है जो यह दर्शाता है कि यह अच्छी स्थिति में है और सामान्य रूप से काम कर रहा है। यह हमारे लिए अच्छी खबर है क्योंकि यान खराब स्थिति में सूर्य के चारों ओर चक्कर लगा रहा था।

अगर पार्कर यान 27 दिसंबर तक धरती पर सिग्नल नहीं भेजता तो नासा के लिए ये बुरी खबर मानी जाती। इस मिशन से जुड़े वैज्ञानिक नूर रवाफी ने कहा कि पार्कर ने 24 दिसंबर को जो तस्वीरें ली हैं, वो अगले साल जनवरी में नासा को मिलेंगी। इसके बाद बाकी के डेटा तब मिलेंगे जब वो सूरज से और दूर चला जाएगा।

6 साल पहले लॉन्च हुआ था पार्कर :

पार्कर सोलर प्रोब को नासा ने 12 अगस्त 2018 को लॉन्च किया था। इसे सूरज के बाहरी वातावरण कोराना के नजदीक से अध्ययन करने के मकसद से लॉन्च किया गया था। इसके जरिए सोलर विन्ड्स यानी सौर हवा के सिस्टम को समझने की कोशिश की जा रही है।

इसका नाम भी सोलर साइंटिस्ट यूजीन पार्कर के नाम रखा गया है। पार्कर ने ही सबसे पहले सोलर विन्ड्स के बारे में जानकारी दी थी। 2022 में यूजीन पार्कर का निधन हो गया है। पहली बार किसी वैज्ञानिक के जीवित रहते हुए उनके नाम पर अंतरिक्षयान का नाम रखा गया था।

पार्कर सोलर प्रोब ने 2021 में पहली बार सूरज के नजदीक से उड़ान भरी थी। इतिहास में पहली बार कोई यान ने सूरज के इतने नजदीक से गुजरा था। इसे कुल 24 बार सूरज के नजदीक से गुजरने के लिए बनाया गया था।

टीएमसी सांसद ने फिल्म और खेल जगत की हस्तियों को घेरा

कहा- पूर्व पीएम के निधन पर चुप्पी निराशाजनक

कोलकाता, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद खेल और फिल्म जगत की हस्तियों की चुप्पी को तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देने में फिल्म और खेल जगत की हस्तियां चुप्पी साधे रहीं। जबकि अन्य मुद्दों पर वे लोग खुलकर बोलते हैं।

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भारत ने अपने सबसे महान राजनेताओं में से एक डॉ. मनमोहन सिंह को खो दिया है। उन्होंने अपने अपार ज्ञान और दूरदर्शी नेतृत्व के जरिये देश की अर्थव्यवस्था को नया आकार दिया। 1991 के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में उनका योगदान भारत को विकास और वैश्विक मान्यता के मार्ग पर ले जाने में अद्वितीय है। उनको राजनीति क्षेत्र से जुड़े हर व्यक्ति ने श्रद्धांजलि दी।

अभिषेक बनर्जी ने एक्स पर लिखा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर खेल और फिल्म उद्योग की प्रमुख हस्तियों की चुप्पी बेहद चौंकाने वाली और निराशाजनक है।

रोल मॉडल माने जाने वाली हस्तियों की डॉ. सिंह के निधन पर चुप्पी उनकी अनिच्छा, उनकी प्राथमिकताओं, जिम्मेदारी और ईमानदारी पर सवाल उठाती है। ऐसा लगता है कि यह चुप्पी सरकार की प्रतिक्रिया के डर के चलते हैं। क्योंकि राष्ट्रीय मुद्दों पर चुप रहना इन तथाकथित आइकन में से कई के लिए आदर्श बन गया है।

गुजरात के कच्छ में 3.2 तीव्रता का भूकंप

अहमदाबाद, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 3.2 मापी गई। गांधीनगर स्थित आईएसआर ने बताया कि भूकंप सुबह 10.06 बजे आया और इसका केंद्र भचाऊ से 18 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पूर्व में स्थित था। जिला प्रशासन ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। इस महीने जिले में तीन से अधिक तीव्रता वाला यह तीसरा भूकंप है। 23 दिसंबर को कच्छ में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था। आईएसआर के मुताबिक, सात दिसंबर को जिले में 3.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

थाने के अंदर गई युवक की जान, पुलिस स्टेशन का घेराव कर परिजनों का हंगामा

देवास, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के देवास जिले में एक युवक की थाने के अंदर मौत हो गई। सतवास थाने में कस्टडियल डेथ का मामला सामने आया है। सतवास थाने में पुलिस हिरासत में 35 वर्षीय युवक मुकेश की संदिग्ध हालात में मौत से परिजनों में गुस्सा है। मौत से गुस्साए परिजनों नें थाने का घेराव किया है। परिजनों का आरोप है कि धारा कम करने के एवज में पुलिस की ओर से रिश्वत की मांग की गई थी। परिजनों ने कहा कि हम जैसे ही पैसों का इंतजाम करके थाने आए, तब तक मुकेश की मौत हो गई। मुकेश की मौत पर परिजनों नें पुलिस विभाग से कई सवाल उठाए हैं। मामला बढ़ता देख देवास पुलिस अधीक्षक भी सातवास थाने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को समझा कर मामला शांत कराया। एसपी नें इस पुरे घटना क्रम की न्यायिक जांच कराने के आदेश दिए हैं।

समंदर में एक और हादसा मछुआरों की बोट और कार्गो शिप की हुई टक्कर

मुंबई, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के पास समंदर में एक और बोट हादसा हो गया। इस हादसे में मछुआरों की बोट एक कार्गो शिप से जा टकराई। हालांकि इस हादसे में फिलहाल किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। बताया जाता है कि चीन कीकॉल साइन बीटीएस फ्लैग चा कार्गो शिप से देर रात मछुआरों की एक बोट जा टकराई।

यह हादसा रात लगभग12 बजे के आसपास हुआ। कार्गों शिप से टक्कर के बाद मछुआरों की बोट समंदर में डूबने लगी। मछुआरों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। आसपास मौजूद मछुआरों की बोट डूबते नाव को बचाने के लिए पहुंचीं। वहीं इस घटना की जानकारी मिलते ही नेवी और कोस्ट गार्ड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद तेजी से राहत और बचाव का काम शुरू किया गया। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मछुआरों के डूबते बोट पर सहायता के लिए नवी और कोस्ट गार्ड की टीम कल रात से ही काम कर रही है। अभी तक इस पूरे घटनाक्रम में किसी के भी हताहत या घायल होने की कोई जानकारी नहीं है।

हाईकोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई के नियम बदले

3 राज्यों में होंगे लागू

मुंबई, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने केस की सुनवाई के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के नियम और कानून बदल गए हैं। आज 29 दिसंबर से महाराष्ट्र, गोवा, दादरा एंड नगर हवेली, दमन एंड दीव में प्रभावी हो गए हैं। नए नियमों को 'हाईकोर्ट ऑफ बॉम्बे रूल फ़ॉर वीसी फ़ॉर कोर्ट 2022' नाम से जाना जाएगा। यह नए नियम हाईकोर्ट की कार्यवाही तक आम लोगों की पहुंच को संभव बनाएंगे, यानि अब आम लोग भी कार्यवाही में हिस्सा ले सकेंगे।

नए नियम के तहत खुली अदालती कार्यवाही होगी। आम लोगों को भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालती कार्यवाही देखने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन उन कार्यवाहियों को लोग नहीं देख पाएंगे, जिन्हें किन्हीं कारणों से बंद कमरे में करने के आदेश होंगे। इसलिए यह नियम उन सभी न्यायिक कार्यवाहियों पर लागू होंगे, जिन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किया जाना आवश्यक है। इस दौरान कार्यवाही के समय कोर्ट में शारीरिक रूप से उपस्थित होना जरूरी नहीं।

सभी कोर्ट, ट्रिब्यूनल में लागू होंगे नए नियम

रिपोर्ट के अनुसार, नए नियमों के तहत प्रावधान किया गया है कि अगर कोई व्यक्ति भारत में है तो वह किसी नजदीकी जिला न्यायाधीश के सामने हाईकोर्ट की कार्यवाही में शामिल हो सकता है। अगर कोई व्यक्ति जेल, रिमांड होम, ऑब्जर्वेशन रूम, महिला बचाव केंद्र या सरकारी अस्पताल में है तो वह पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में जाकर कार्यवाही में शामिल हो सकता है। इसके अलावा लोग कोर्ट की परमिशन से किसी अन्य जगह से भी कार्यवाही में शामिल हो सकता है। इस नए नियम से हाईकोर्ट की सुनवाई की सुरक्षा और गोपनीयता भी सुनिश्चित होगी। इस नए नियम के तहत होने वाली सभी ऑनलाइन सुनवाई आधिकारिक मानी जाएंगी। फैमिली कोर्ट, लेबर कोर्ट, इंडसट्रियल कोर्ट, को-ऑपरेटिव कोर्ट, मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल और स्कूल ट्रिब्यूनल जैसी अदालतों में भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई के यह नियम लागू होंगे। नियम लागू करते समय नोटिफिकेशन में एक और बात स्पष्ट की गई है कि इस दौरान रिकॉर्डिंग करने पर प्रतिबंध रहेगा।

कार्यवाही की गोपनीयता के लिए तय शर्तें

रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कार्यवाही में हिस्सा लेने के इच्छुक लोगों को कोर्ट से सरकारी प्रमाण-पत्र लेना होगा। अगर यह सर्टिफिकेट नहीं मिला तो एफिडेविट देना होगा। को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए जाएंगे, जो टेक्निकल सिस्टम के लिए जिम्मेदार होंगे। सुनवाई में हिस्सा लेन के लिए इंटरनेट कनेक्शन वाला डेस्कटॉप या लैपटॉप चाहिए। सुनवाई के लिए इच्छुक कैंडिडेट सुनवाई से 30 मिनट पहले तैयार रहे। उसके पास कोई रिकॉर्डिंग डिवाइस नहीं होना चाहिए। विदेश में बैठे लोग भारतीय दूतावास के जरिए कार्यवाही में हिस्सा लेकर गवाही दे सकते हैं। खर्च इच्छुक कैंडिडेट खुद उठाएगा।

कटड़ा हड़ताल में शामिल होने जा रहे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने फिर रोका

जम्मू, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला सहित अन्य नेताओं ने भी कटड़ा में जारी हड़ताल में शामिल होने के लिए कूच किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें दोमेल में रोक दिया। पार्टी नेता कटड़ा रोपवे के खिलाफ मुखर हुए लोगों से मिलने जा रहे थे। पिछले तीन दिन में यह दूसरी बार है कि पार्टी नेताओं को कटड़ा जाने से अनुमति नहीं दी गई। भल्ला ने आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण ढंग से कटड़ा में लोगों की बात सुनने के लिए जा रहे हैं, लेकिन प्रशासन दबंग रवैया अपनाकर उन्हें अनुमति नहीं दे रहा है, जबकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी को अपनी बात रखने और सुनने का अधिकार है। रोपवे आंदोलन में प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करना गलत है। ये मुद्दा हजारों स्थानीय लोगों की आजीविका से जुड़ा हुआ है। भाजपा ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधी हुई है, जिससे साफ है कि ये उसके स्वार्थ से जुड़ा हुआ है। इससे पहले पार्टी नेताओं को टोल प्लाजा पर रोक दिया गया था। सरकार को प्रदर्शनकारियों से मिलकर उनकी बात सुननी चाहिए। एक राष्ट्रीय पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में लोगों से मिलना और उनकी शिकायतों को समझना मेरा अधिकार है।

दिल्ली के वसंत कुंज में रह रहे बांग्लादेशियों पर पुलिस का एक्शन, 8 को किया डिपोर्ट

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एलजी विनय कुमार सक्सेना के आदेश पर पुलिस की ओर से राष्ट्रीय राजधानी में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ ऑपरेशन जारी है। इस ऑपरेशन के तहत सभी थाना इलाकों में घर-घर जाकर पुलिस वेरिफिकेशन कर रही है। अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों को पकड़ पुलिस एफआरआरओ की मदद से उन्हें डिपोर्ट भी कर रही है। उसी कड़ी में वसंत कुंज थाना इलाके से दिल्ली पुलिस ने 8 बांग्लादेशियों को पड़कर डिपोर्ट किया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक हिरासत में लिए गए सभी आरोपी बांग्लादेश के मदारीपुर जिला के रहने वाले थे। ये सभी बांग्लादेशी एक ही परिवार के थे। इनमें माता-पिता और उनके 6 बच्चे शामिल हैं। दरअसल, दिल्ली पुलिस इन अवैध बांग्लादेशीयों के खिलाफ डोर टू डोर वेरिफिकेशन कैंपेन चलाए हुए है। इस वेरिफिकेशन कैंपेन में हर घर में जाकर पुलिस पड़ताल करती है। जो लोग पश्चिम बंगाल या दूसरे राज्यों से आकर यहां रह रहे हैं, उन्हें वेरीफिकेशन फॉर्म 12 भरवाकर वापस बांग्लादेश भेजा जा रहा है।

ओडिशा से भटक कर बंगाल पहुंची बाघिन 'जीनत', ठिकाने की तलाश में

बांकुरा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के सिमलीपाल जंगल से भटक कर पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में पहुंची बाघिन 'जीनत' को रविवार सुबह बेहोश करने की कोशिश नाकाम रही। अधिकारियों ने बताया कि बाघिन को बेहोश करने के लिए उसे दवा दी गई, लेकिन बार-बार प्रयास करने के बावजूद वह बेहोश नहीं हो पाई। एक अधिकारी ने बताया कि पशु चिकित्सकों की मंजूरी मिलने के बाद उसे पकड़ने का अभियान फिर से शुरू किया जाएगा। पश्चिम बंगाल के मुख्य वन्यजीव वार्डन, देबल रॉय ने कहा कि बाघिन को बांकुरा जिले के गोपालपुर जंगल में उसी स्थान पर ट्रैप किया गया था, जहां वह शनिवार की रात को देखी गई थी। बाघिन को पकड़ने के लिए दोहरे जाल से उसे घेर दिया गया है और जाल की परिधि को

छोटा कर दिया गया है, ताकि उसे काबू किया जा सके। रॉय ने बताया, बाघिन को रविवार तड़के 1:20 बजे बेहोशी की दवा दी गई थी, लेकिन दवा का असर नहीं हुआ। इसके बाद सुबह 4:30 बजे तक दवा देने का अभियान रोकना पड़ा, क्योंकि दवा की अधिकतम सीमा तय होती है। बाघिन अत्यधिक उत्तेजित अवस्था में है, जिससे उसे बेहोश करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। रॉय ने बताया कि 'जीनत' को फिलहाल कुछ आराम दिया गया है। घटनास्थल पर तीन पशु चिकित्सक मौजूद हैं और वे स्थिति का आकलन कर रहे हैं। जैसे ही चिकित्सकों से मंजूरी मिलती है, बाघिन को बेहोश करने के प्रयास फिर से शुरू किए जाएंगे। बाघिन 'जीनत' को पिछले महीने महाराष्ट्र के ताडोबा-अंधारी बाघ अभ्यारण्य से ओडिशा के सिमलीपाल में भेजा गया था, जहां उसे बाघों की जनसंख्या में नए जीन जोड़ने के उद्देश्य से लाया गया था। हालांकि, वह ओडिशा के सिमलीपाल से भटककर 27 दिसंबर को बंदवान से लगभग 15 किलोमीटर का सफर तय कर मनबाजार ब्लॉक के जंगल में शरण ली थी, जहां वह 24 से 26 दिसंबर के बीच छिपी हुई थी। झारखंड से आने के बाद वह लगभग एक सप्ताह से पश्चिम बंगाल में हैं।

शौक के लिए पिता बना हैवान! 60 हजार रुपये में बच्चे को बेच मोटरसाइकिल खरीदी, पुलिस ने पकड़ा तो कहा- दान में दिया बेटा

बालासोर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में बालासोर जिले के हदामौद गांव में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने अपने नवजात बेटे को एक निःसंतान दंपति को सिर्फ इसलिए बेच दिया ताकि वह नई बाइक खरीद सके। नवजात शिशु की मां शांति पात्रा ने मयूरभंज जिले के पोड़ापोडा गांव के धर्मू बेहरा से शादी की थी और दोनों बालासोर के हदामौद गांव में रह रहे थे। शादी के बाद शांति ने दो बेटों को जन्म दिया। धर्मू की पहली शादी से पहले ही एक बेटा था। 19 दिसंबर, 2024 को धर्मू ने शांति को बारिपदा के पंडित रघुनाथ मुर्मू मेडिकल कॉलेज में डिलीवरी के लिए भर्ती कराया। धर्मू पर आरोप है कि 22 दिसंबर को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसने अपने नवजात बेटे को मयूरभंज जिले के सैंकुला गांव के एक निःसंतान दंपति को 60,000 रुपये में बेच दिया।

अल्मोड़ा में पाला बदलने का खेल हुआ शुरू, बीजेपी में कितनी एकजुटता; भैरव ने पार्टी छोड़ किया साबित

अल्मोड़ा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। निकाय चुनाव की राजनीतिक गतिविधियों के बीच भाजपा के कार्यकर्ता भैरव गोस्वामी ने अचानक पाला बदलकर भाजपा और कांग्रेस दोनों की मजबूती की पोल खोल दी है। बीजेपी में कितनी एकजुटता, भैरव ने पार्टी छोड़ इसे साबित कर दिया है। वहीं, कांग्रेस को खुद को मजबूत करने के लिए गोस्वामी को पार्टी में शामिल किया है। कई दिन से चर्चा थी कि कांग्रेस मेयर पद का कोई मजबूत प्रत्याशी तलाश पाने में इतनी सक्षम नहीं दिख रही जितना कि प्रचार किया जा रहा है। ऐसे में उसे एक मजबूत प्रत्याशी की जरूरत थी। चर्चा यह भी थी कि भैरव जल्द ही कांग्रेस की सदस्यता ले सकते हैं। शनिवार को यह चर्चा हकीकत बन गई। कांग्रेस का दावा है कि भैरव गोस्वामी ने अपने करीब 150 कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस की सदस्यता ली है जबकि भाजपा कह रही है कि भैरव गोस्वामी भाजपा में थे ही नहीं। बहरहाल राजनीतिक घटनाक्रम हुआ और भैरव गोस्वामी कांग्रेस में शामिल हो गए।

हिमाचल हाईकोर्ट के 30वें चीफ जस्टिस बने गुरमीत संधावालिया, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

शिमला, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। रविवार को न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधवालिया ने हिमाचल हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। वे हिमाचल हाईकोर्ट के 30वें मुख्य न्यायाधीश होंगे। राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह की संधावालिया को शपथ दिलाई है। कोशिश करेंगे कि लोगों को तारीख की बजाय न्याय मिले- गुरमीत सिंह संधावालिया मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह मीडिया ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में आना उनके लिए घर आने जैसा है। वे पहले भी हिमाचल प्रदेश आते रहे हैं। पहले तो हिमाचल प्रदेश पंजाब का ही हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि यह तुलनात्मक तौर पर छोटा राज्य है और यहां अपराध के मामले भी कम हैं। यहां ज्यादातर मामले सर्विस और सिविल से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह कोशिश करेंगे कि सभी का सहयोग लेकर जल्द से जल्द मामलों का निपटारा करें। उन्होंने कहा कि वह खुद एक वकील भी रहे हैं। ऐसे में लोगों को आने वाली परेशानियों को भी बेहतर तरीके से समझते हैं। वे कोशिश करेंगे कि लोगों को तारीख की बजाय न्याय मिले।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दिया बधाई संदेश

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि "न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया को हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई। हमें पूरा विश्वास है कि आपके गहन अनुभव एवं दूरदर्शिता से प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था सुदृढ़ होगी। आपके मार्गदर्शन में न्याय की मूल भावना को नया आयाम प्राप्त होगा।"

'मेरी पत्नी का भी कटवा रहे वोट क्या वह भी रोहिंग्या हैं', संजय सिंह का बीजेपी पर हमला

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने वोटर लिस्ट के मुद्दे पर एकबार फिर बीजेपी पर हमला बोला। संजय सिंह ने रविवार (29 दिसंबर) को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मैंने संसद में सवाल उठाया था कि बीजेपी दिल्ली में पूर्वांचलियों का वोट कटवा रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संसद में कहा कि हम बांग्लादेशी, रोहिंग्या और पूर्वांचलियों का वोट कटवा रहे हैं। इन्होंने सोचा कि संजय सिंह बहुत बोलता है पहले इसको सबक़ सिखाओ। संजय सिंह ने कहा, "उन्होंने नई दिल्ली विधानसभा में मेरी पत्नी अनीता सिंह की दो बार वोटर लिस्ट से नाम कटवाने की अर्ज़ी दे दी। मेरी पत्नी जौनपुर की रहने वाली है, पूर्वांचली है। उनका भी वोट कटवाया जा रहा है। ये लोग सांसद की पत्नी का जो पूर्वांचल की रहने वाली है उनका भी वोट कटवा रहे हैं।" आप सांसद ने कहा कि जो इन लोगों ने हरियाणा और महाराष्ट्र में किया उसी तरह से चोर दरवाज़े से चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के संबंधों पर भी सवाल किए गए तो संजय सिंह ने टाल दिया।

क्या मेरी पत्नी रोहिंग्या है? - संजय सिंह

संजय सिंह ने मनोज तिवारी वाला ऑडियो सुनाया जिसमें मनोज तिवारी कह रहे हैं कि "जिसका एप्लिकेशन डिलीशन के लिए दे रहे है वो सिर्फ रोहिग्या और बांग्लादेशी है।" संजय सिंह ने कहा कि मैं बोल रहा हूं कि हिंदू और पूर्वांचलियों का वोट कटवाया जा रहा है। क्या मेरी पत्नी बांग्लादेशी या रोहिंग्या है। चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। संजय सिंह ने वो एप्लिकेशन भी दिखाई जिसमें संजय सिंह की पत्नी अनीता सिंह की डिटेल दी गई है। जिसमें ये लिखा है कि अनीता सिंह वहां से शिफ़्ट हो चुकी हैं इसलिए इनका नाम वोटर लिस्ट से काटा जाए।

10 साल के सुमित की मौत, बोरवेल से गंभीर हालत में बाहर निकाला फिर हार गया जिंदगी की जंग

गुना, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। गुना जिले के राघौगढ़ के पिपल्या गांव में खुले बोरवेल में गिरे 10 वर्षीय सुमित मीणा को 16 घंटे के रेस्क्यू अभियान के बाद बाहर निकाल लिया गया। सुमित को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शाम को सुमित मीणा अपने खेत में पतंग उड़ा रहा था। पतंग उड़ाते-उड़ाते वह खेत में बने एक 45 फीट गहरे खुले बोरवेल में गिर गया। सुमित काफी देर तक नजर नहीं आया, तो परिजनों ने उसे ढूंढना शुरू किया। बोरवेल में झांकने पर सुमित की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद तुरंत प्रशासन को सूचना दी गई। सुमित 39 फीट पर जाकर फंस गया था। सुमित के बचाने के प्रयास लगातार जारी था। सुमित जिस गहराई में वहां ऑक्सीजन की कमी के कारण सांस लेने में दिक्कत न हो इसके लिए पाइप के माध्य में से गड्ढे में ऑक्सीजन पहुंचाई जा रही थी। वहीं मौके पर पहुंचा बचाव दल जेसीबी के माध्यम से बोरवेल के पास ही रात भर से गड्ढा खोदने का कार्य कर रहा था। इसके बाद बोरवेल के पास ही गड्ढा खोदकर सुमित तक पहुंचने के लिए हाथों से टनल बनाने का कार्य किया गया।

दीवार पर हरे रंग को लेकर विवाद, बीजेपी नेता ने कर दिया केसरिया पेंट, कहा- 'हमें सतर्क रहना होगा'

पुणे, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पुणे में एक दीवार को हरे रंग से रंग कर उसे फूलों से सजाया गया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। सोशल मीडिया पर ही एक विशेष धर्म पर आरोप लगने लगा कि ऐसा जानबूझकर किया गया है। इस पर बीजेपी नेता मेधा कुलकर्णी आक्रोशित हो गईं और जाकर हरे रंग पर भगवा रंग चढ़ाकर वहां एक मंदिर बना दिया। साथ ही, भगवान की तस्वीर भी रख दी। दरअसल, पुणे शहर के सदाशिव पेठ में ऐसा मामला सामने आया है।

इस घटना पर बीजेपी सांसद मेधा कुलकर्णी ने आरोप लगाया है कि सिर्फ पुणे शहर में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र समेत कई अन्य जगहों पर इस तरह का मामला बढ़ा है। इसके बाद खुद मेधा कुलकर्णी जाकर दीवार को भगवा रंग दिया और सोशल मीडिया पोस्ट किया। बीजेपी नेता ने पोस्ट कर लिखा, कल एक व्हाट्सएप संदेश वायरल हुआ कि सदाशिव पेठे में ज्ञानप्रबोधिनी स्कूल से सटी सड़क को हरे रंग से रंग दिया गया। वहां माला, फूल और अगरबत्ती से पूजा की गई। मैं इसकी जांच करने के लिए आज उस स्थान पर गया था। पहले सुनिश्चित किया और फिर संग्राम ढोले पाटिल, संकेत मेहंदले, यशपाल जाधव और दातेरे के साथ हरे पर केसरिया रंग चढ़ाने का मजा ही कुछ और था। उन्होंने आगे लिखा, सिर्फ पुणे शहर में ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र समेत कई अन्य जगहों पर भी इस समय इस तरह के मामले बढ़ गए हैं। ये जगहें, जो पहले छोटी-छोटी थीं, बाद में अचानक उन पर कब्ज़ा हो रहा है। आइए हम सतर्क रहें। मेधा कुलकर्णी ने पोस्ट में लिखा, हम भगवा धारी हैं। हम श्रीराम पुजारी हैं। साथ ही, उन्होंने लोगों के साथ एक फोन नंबर शेयर करते हुए लिखा, मेरा आप सभी से एकमात्र अनुरोध यह है कि जागरूक हिंदू होने के नाते, आइए हमारे आसपास क्या हो रहा है उस पर ध्यान दें और कार्रवाई करें।

किसानों का आज पंजाब बंद का आह्वान

चंडीगढ, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किसानों की मांगों और आंदोलन को गंभीरता से न लेने की नीति से नाराज किसान संगठनों ने सोवमार (30 दिसंबर) को पंजाब बंद का आह्वान किया है। किसान संगठनों के नेताओं की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सोमवार को सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक सड़क और रेलों का आवागमन ठप रहेगा। इसका ऐलान तीन दिन पहले खनौरी सीमा पर किसान संगठनों की हुई बैठक के बाद किया गया था। किसान संगठनों के संयोजक सरवन सिंह पंढ़ेर ने कहा, किसान यूनियन के नेता सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक सड़कों और रेल लाइनों पर चक्का जाम रहेगा। उन्होंने सरकारी और निजी संगठनों से भी किसानों के समर्थन में

अपने संस्थानों को बंद रखने का अनुरोध किया है। बंद के दौरान सिर्फ इमरजेंसी सेवाओं जैसे एम्बुलेंस, शादी के वाहन या आपात स्थिति में किसी को भी गुजरने की इजाजत होगी। उन्होंने कहा, बंद के बारे में गुरुद्वारों में लाउडस्पीकर के माध्यम से घोषणा की जाएगी। हमने धार्मिक संगठनों से संदेश फैलाने में मदद करने की अपील की है।

बंद के दौरान इन सेवाओं पर रोक

इस बीच पंजाब बंद का केएमएम और एसकेएम-एनपी नेताओं के साथ व्यापार, सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने बंद के लिए अपना समर्थन घोषित किया। 30 दिसंबर की सुबह दूध की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी और सब्जी मंडियां शाम 4 बजे के बाद ही खुलेंगी। इसका मतलब है कि 30 दिसंबर को शाम 4 बजे तक दूध, फल और सब्जियों की आपूर्ति नहीं होगी।

डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ी

इस बीच खबर यह है कि किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन का आज 34वां दिन है। डॉक्टरों के मुताबिक उनका ब्लड प्रेशर बेहद कम होकर 88/59 हो गया है। बुधवार शाम से डल्लेवाल तेज उल्टी के कारण पानी नहीं पी पा रहे हैं, जिससे उनकी हालत और बिगड़ती जा रही है। उनकी नब्ज और रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो गई है। बुधवार शाम को पंजाब के मंत्रियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने खनौरी सीमा का दौरा किया और डल्लेवाल से चिकित्सा सहायता लेने का आग्रह किया। डल्लेवाल और एसकेएम-एनपी के अन्य सदस्यों ने किसी भी तरह के चिकित्सकीय हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि उनकी हालत गंभीर है। उनके स्वास्थ्य के संबंध में अगली अदालती सुनवाई 2 जनवरी को निर्धारित है।

एसकेएम ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

साल 2020-21 में अब निरस्त कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के पीछे प्रमुख संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने तीन दिन पहले भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस बाबत पत्र लिखा था। पत्र में किसानों की लंबित मांगों और जगजीत सिंह डल्लेवाल के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है।

नई दिल्ली विधानसभा में चुनाव जीतने के लिए लोगों के वोट कटवा रही बीजेपी, केजरीवाल का बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा में चुनाव जीतने के लिए बीजेपी लोगों के वोट कटवा रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी चुनाव से डरी हुई है। इसलिए वह ऐसे काम कर रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली मे बीजेपी हार मान चुकी है, ना उनके पास सीएम फेस है, ना कैंडिडेट है, ना ही उनके पास कोई वीजन है। बीजेपी किसी भी तरीके से चुनाव जीतना चाहती है। केजरीवाल ने कहा कि बीजेपी ने पहले शहदरा में 11 हजार वोट काटने की कोशिश की। अब नई दिल्ली विधानसभा सीट पर वोट काटे गए हैं। केजरीवाल ने कहा, 'आज मैं आपको डाटा बता रहा हूं। नई दिल्ली मे 15 दिसंबर से इनका ऑपरेशन लोटस शुरू हुआ है। 5 हजार वोट डिलीट कराने के लिए डाले गए हैं, 7 हजार ऐड करवा रहे हैं। 12 प्रतिशत वोट ये इधर-उधर कर रहे हैं। यदि ऐसा ही रहता फिर तो चुनाव पानी में गया।' केजरीवाल ने कहा, 'हमने कुछ नाम को वेरीफाई करवाया तो 400 से ज्यादा लोग अपनी जगह पर रह रहे हैं। अब जो वेरिफिकेशन होगा, सभी पार्टियों के लोगों की मौजूदगी में होगा। 10,000 नए वोटर की रिक्वेस्ट आई है। ये (बीजेपी) हरियाणा से लोगों को ला रहे हैं। ये इतने नएं वोटर कहां से आ गए।

डीएसपी ने फिशिंग लिंक के बारे में दी चेतावनी

संगारेड्डी, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर क्राइम डीएसपी एन वेणुगोपाल रेड्डी ने नागरिकों से नए साल से पहले सतर्क रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साइबर जालसाज इस अवसर का लाभ उठाकर लोगों को फोन और लैपटॉप पर मैलवेयर वाले लिंक भेजकर लुभाने का प्रयास करेंगे। रविवार को एक प्रेस बयान में डीएसपी ने नागरिकों को जागरूक करते हुए कहा कि जालसाज नए साल की शुभकामनाओं के नाम पर व्हाट्सएप और अन्य माध्यमों से दुर्भावनापूर्ण लिंक भेजेंगे। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी फोन हैक करके बैंक खातों और भुगतान ऐप को निशाना बनाएंगे।

वित्तीय चुनौतियों के बावजूद सरकार रैतु भरोसा लागू करेगी : भट्टी

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने फिर से पुष्टि की है कि वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, राज्य सरकार रैतु भरोसा योजना के कार्यान्वयन के लिए समर्पित है और लोगों से की गई प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया जाएगा। रविवार को रैतु बंधु योजना के क्रियान्वयन की देखरेख के लिए राज्य सरकार द्वारा स्थापित कैबिनेट उप-समिति ने सचिवालय में एक बैठक बुलाई, जिसकी अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने की। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी सहित समिति के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया, जहां रैतु भरोसा योजना को क्रियान्वित करने की प्रक्रियाओं को अंतिम रूप देने के लिए दो घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई। बैठक के दौरान, कैबिनेट उप-समिति ने किसानों से प्राप्त फीडबैक और अधिकारियों द्वारा अपने राज्यव्यापी दौरे के दौरान एकत्र किए गए आंकड़ों का मूल्यांकन किया। ऐसा प्रतीत होता है कि कैबिनेट उप-समिति अभी तक रैतु भरोसा के कार्यान्वयन के लिए एकड़ की संख्या के बारे में किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि करदाताओं और सरकारी कर्मचारियों को रैतु भरोसा कार्यक्रम के लिए पात्रता से बाहर करने का प्रारंभिक निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, रैतु भरोसा पर आगे चर्चा करने के लिए फिर से बैठक करने का निर्णय लिया गया है। उप-समिति की बैठक के बाद, भट्टी विक्रमार्क ने व्यक्त किया कि पिछले एक साल में लगातार प्रयासों के बावजूद, किसान इस चिंता से ग्रस्त हैं कि अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदाएं उनकी फसल की पैदावार को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी विकट परिस्थितियों में किसानों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है। इस उद्देश्य के लिए, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार फसल बीमा योजना के तहत किसानों के लिए प्रीमियम लागत को कवर करती है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि सरकार रैतु बीमा योजना के माध्यम से किसानों की ओर से प्रीमियम का भुगतान भी करेगी, जिससे न केवल फसलों बल्कि किसान के परिवार की भी सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 2024-25 में तेलंगाना में एक लाख एकड़ में तेल की खेती करने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2023-24 के लिए तेल की खेती योजना के तहत 80.10 करोड़ रुपये जारी किए हैं, जबकि राज्य का हिस्सा शामिल करते हुए कुल 133.5 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

दुर्घटना में 4 घायल

खम्मम, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में रविवार को एक तेज रफ्तार कार के सड़क के मध्य भाग से टकराने, नियंत्रण खोने, एक अन्य कार से टकराने और पलट जाने से चार लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। यह घटना कुसुमंची मंडल के जीला चेरुवु गांव के पास खम्मम-सूर्यापेट राष्ट्रीय राजमार्ग 365 पर हुई। कार हैदराबाद से खम्मम की ओर आ रही थी। कुसुमांची पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों कारों में सवार घायलों को इलाज के लिए राजकीय सामान्य अस्पताल पहुंचाया।

पूर्व आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल का निधन

हार्ट अटैक बना मौत की वजह

पटना, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया। किशोर कुणाल को रविवार की सुबह हार्ट अटैक आया था। उन्हें तुरंत महावीर वात्सल्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। उन्होंने 74 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। आचार्य किशोर कुणाल सेवानिवृत भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी थे। वे बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष भी रहे हैं। वे पटना के महावीर मन्दिर न्यास के सचिव थे और पटना के ज्ञान निकेतन नामक विद्यालय के संस्थापक भी थे। महावीर मंदिर ट्रस्ट के सचिव के रूप में उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े मंदिर के निर्माण का बीड़ा उठाया था । बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में मंदिर बनाने का काम अभी चल रहा है। महावीर आरोग्य संस्थान, महावीर कैंसर संस्थान, महावीर नेत्रालय की नींव भी इन्होंने ही डाली थी। गरीबों के लिए ये अस्पताल वरदान साबित हुए। किशोर कुणाल ने पटना में महावीर मंदिर, महावीर कैंसर अस्पताल और महावीर वात्सल्य अस्पताल की स्थापना की थी।

वह अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य भी रहे। किशोर कुणाल भारतीय पुलिस सेवा के चर्चित अधिकारी रहे हैं। 1972 में किशोर कुणाल गुजरात कैडर में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बने थे। उनकी पहली पोस्टिंग आनंद में पुलिस अधीक्षक के रूप में हुई थी। 1978 तक वे अहमदाबाद के पुलिस उपायुक्त बन गए थे। 1983 में बिहार आने पर किशोर कुणाल को पटना का एसएसपी नियुक्त किया गया था। 2001 में किशोर कुणाल ने स्वेच्छा से भारतीय पुलिस सेवा से इस्तीफा दे दिया। सेवानिवृत्ति के बाद, उन्होंने बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर सीएम योगी ने जताया दुख, क्या बोले मुख्यमंत्री?

लखनऊ, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) के पूर्व प्रमुख और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का रविवार को पटना में हृदयाघात से निधन हो गया। उनके परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। वहीं उनके निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दुख जताया है। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा- श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य, महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल का निधन अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि !प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिन्तकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।ॐ शांति! कुणाल के परिवार के सदस्यों ने बताया कि उन्हें सुबह हृदयाघात हुआ जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। 1972 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी कुणाल पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर ट्रस्ट के सचिव थे, यह ट्रस्ट राज्य में कई अस्पताल भी चलाता है।

ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ फिरोजाबाद पुलिस की मुहिम, धार्मिक स्थलों से हटवाए लाउड स्पीकर

फिरोजाबाद, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने शहर में ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रण करने के लिए मुहीम छेड़ दी है। पुलिस ने शहर के धार्मिक स्थलों से तेज आवाज में बजाए जा रहे लाउडस्पीकर्स को मौके पर पहुंचकर उतरवाया। फिरोजाबाद के एसपी सिटी रवि शंकर ने सीओ सिटी ने नगर क्षेत्र के थाना उत्तर दक्षिण रसूलपुर थाना रामगढ़ इलाकों में बनी लगभग 15 मस्जिदों में जाकर लाउडस्पीकर उतरवाने का अभियान चलाया गया। गौरतलब है कि, शासन द्वारा 65 डेसीबल ध्वनि का मनक निर्धारित किया है इससे ज्यादा तेज आवाज में किसी भी धार्मिक स्थल से कोई भी वाद्य यंत्र नहीं बजाया जा सकता। फिरोजाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने बताया कि, शासन की ओर से दिशा निर्देश मिले हैं कि आमजन की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए घनी आबादी वाले क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रित किया जाए। इसी क्रम में फिरोजाबाद नगर क्षेत्र तथा जनपद के अन्य नगरीय क्षेत्रों मे धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरवाने का काम शुरू किया गया है

पति सद्दाम से बात करने लगी थी महिला

तो फुटबॉल प्लेयर प्रेमी मोहित ने दोस्त के साथ मिल किया बड़ा कांड

मुरादाबाद, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक फुटबॉल प्लेयर ने अपनी शादीशुदा प्रेमिका को ही मौत के घाट उतार दिया। उसने अपने दोस्त के साथ इस हत्याकांड को अंजाम दिया और फिर दोनों फरार हो गए। इस हत्याकांड को अंजाम देने के लिए दोनों ने मिर्जापुर वेब सीरीज देखी और पूरी योजना के तहत वारदात को अंजाम दिया। मगर अब पुलिस ने दोनों को अरेस्ट कर लिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी मोहित सैनी और उसके दोस्त ओमकार शर्मा को अरेस्ट में लेकर इस पूरे मामले का सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। मोहित ने अपने दोस्त के साथ मिलकर पहले अपनी प्रेमिका का गला रेता और फिर उसे मारकर वहां से भाग गया था। दरअसल ये पूरा मामला जनपद मुरादाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर गांव से सामने आया है। यहां 25 दिसंबर को महिला का शव मिला था। महिला की गला काटकर हत्या की गई थी। जांच में सामने आया कि महिला की हत्या उसके ही प्रेमी के द्वारा दोस्त के साथ मिलकर की गई। महिला पिछले दो सालों से आरोपी मोहित सैनी के साथ लिविंग में रह रही थी। मगर महिला अपने पति सद्दाम से भी बात करती रहती थी। मोहित ने महिला को काफी समझाने की कोशिश की। मगर वह नहीं मानी। ऐसे में मोहित ने दोस्त को साथ लिया और हत्याकांड को अंजाम दे दिया।

'हनुमान जी राजभर जाति में पैदा हुए थे'

योगी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर का अजीबोगरीब दावा

बलिया, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की राजनीति में नेता अक्सर ऐसे बयान देते रहते हैं जिससे विवाद खड़ा हो जाता है। इन विवादों के चलते उन्हें बार-बार सफाई भी देनी पड़ती है। इस बीच उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने अजीबोगरीब दावा किया है। उन्होंने कहा हनुमान जी राजभर जाति में पैदा हुए थे। राजभर ने बलिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। ओपी राजभर ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी जमकर निशाना साधा। राजभर ने कांग्रेस और सपा के 'अंबेडकर प्रेम' को लेकर पलटवार करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी को वर्ष 2012 से पहले अंबेडकर के नाम से इतनी चिढ़ थी कि मंचों से कहा करती थी कि लखनऊ में बने अंबेडकर पार्क को सत्ता में आने पर गिरा कर शौचालय का निर्माण करेगी। राजभर ने बलिया जिले के चितबड़ागांव क्षेत्र के वासुदेवा गांव के मुख्य द्वार पर महाराजा सुहेलदेव की प्रतिमा निर्माण के लिए आयोजित भूमि पूजन और जनसभा को संबोधित करते हुए हनुमान जी को लेकर एक अजीबोगरीब दावा किया है। उन्होंने कहा कि हनुमान जी राजभर जाति में पैदा हुए थे। राजभर ने कहा, "जब राम लक्ष्मण जी को अहिरावण पाताल पुरी में ले गया था, तब पाताल पुरी से उन्हें निकालने की किसी की हिम्मत नहीं पड़ी। अगर निकालने की हिम्मत पड़ी तो राजभर जाति में पैदा हुए हनुमान जी की ही पड़ी।" उन्होंने कहा, "गांव में बुजुर्ग आज भी छोटे बच्चों के झगड़ा करते समय बोलते हैं कि भर बानर हैं। हनुमान जी का रहलन बानर।" राजभर ने कार्यक्रम के बाद संवाददाताओं से कहा, " कांग्रेस जिसने लाखों नेताओं और पत्रकारों को आपातकाल लगाकर जेल में डाला, संविधान की बात करती है।"

पहले भी हो चुका है विवाद

ऐसा नहीं है कि हनुमान जी को लेकर यह कोई नया विवाद खड़ा हुआ है। इससे पहले वर्ष 2018 में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने हनुमान जी को दलित, वनवासी, गिरवासी और वंचित बताया था। उस वक्त हनुमान जी की जाति को लेकर खूब विवाद हुआ। छत्तीसगढ़ के नेता नंद कुमार साय ने हनुमान जी को अनुसूचित जानजाति का बताया। बीजेपी नेता सत्यापाल सिंह ने हनुमान जी का आर्य बताया था।

कानपुर का ये मौलाना तो गजब निकला, मदरसे के नाम पर चला रहा था फ्रॉड का खेल लोगों से लूटे लाखों रुपये

कानपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में ऑनलाइन ठगी के गैंग का भंडाफोड़ हुआ है। कानपुर के थाना कर्नलगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट और नेट बैंकिंग के नाम पर धोखाधड़ी कर लोगों के साथ लाखों रुपए का फ्रॉड करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। डीसीपी सेंटर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एक मदरसे के नाम पर आरोपी ठगी का गैंग चला रहे थे। इसमें दिल्ली के हैकर भी शामिल हैं। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने अब तक उत्तर प्रदेश के अलग - अलग जिलों से कई लोगों को अपना निशाना बनाया है। ठगों ने उनके अकाउंट से लाखों रुपए अपने खातों में ट्रांसफर किए हैं। हाल ही में आरोपियों द्वारा 32 लाख रुपए के फ्रॉड के मामले की पुलिस को जानकारी हुई थी।

हवा में चक्कर लगाते रहे विमान

घंटे भर बाद हो सकी लैंडिंग, विजिबिलिटी 300 मीटर रही; हैदराबाद और बेंगलुरु से आए यात्री परेशान

वाराणसी, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। वाराणसी एयरपोर्ट पर खराब मौसम के चलते रविवार सुबह 2 फ्लाइट घंटेभर हवा में चक्कर लगाती रही। विजिबिलिटी करीब 300 मीटर होने से फ्लाइट की लैंडिंग नहीं हो सकी। हैदराबाद और बेंगलुरु की फ्लाइट देरी से लैंड होने से यात्री परेशान रहे। अकासा एयर फ्लाइट संख्या क्यूपी1633 रविवार सुबह 8.51 बजे हैदराबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरी। सुबह 10 बजे वाराणसी हवाई क्षेत्र में फ्लाइट ने प्रवेश किया। इसके बाद विजिबिलिटी कम होने के चलते विमान वाराणसी हवाई क्षेत्र में करीब 1 घंटे तक हवा में 7 चक्कर लगाता रहा। फिर 11 बजे विमान की लैंडिंग हुई। वहीं, अकासा एयर फ्लाइट संख्या यूपी 1421 रविवार सुबह 8.40 बजे बेंगलुरु एयरपोर्ट से वाराणसी के लिए उड़ान भरी थी। विमान सुबह 10:20 बजे वाराणसी हवाई क्षेत्र में पहुंचा। यह विमान भी विजिबिलिटी कम होने के चलते हवा में चक्कर लगाता रहा। वाराणसी एयरपोर्ट पर 11.10 बजे विमान की लैंडिंग हुई।

आज सुबह से छाया घना कोहरा

वाराणसी में आज रविवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। सप्ताह की शुरुआत में असरदार धूप होने के साथ ही तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था तो न्यूनतम तापमान 13 रिकॉर्ड किया गया था। इस बीच शनिवार दोपहर मौसम बदल गया। दोपहर करीब 12 बजे शहर से लेकर गांव तक पहले बूंदाबांदी शुरू हुई, फिर हल्की बारिश हुई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

कानपुर में फिर बंद मंदिर खुलवाने पहुंचीं मेयर

2 कंपनी पीएसी और 5 थानों की फोर्स साथ; घर के अंदर मिला मंदिर

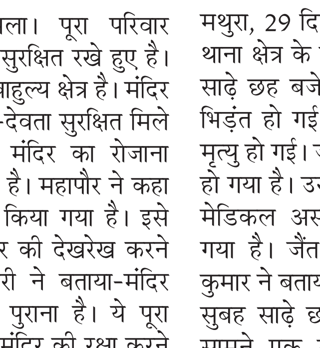

कानपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर में बंद मंदिरों को खुलवाने का बीजेपी मेयर प्रमिला पांडेय का अभियान जारी है। रविवार सुबह मेयर डिप्टी पड़ाव स्थित बंद मंदिरों को खुलवाने पहुंची। 2 कंपनी पीएसी और 5 थानों की फोर्स इस दौरान उनके साथ रही। मेयर करीब 100 मीटर तंग गलियों से होते हुए मंदिर के बाहर तक पहुंचीं। वहां देखा कि मंदिर के आसपास कब्जा किया गया था। इसके बाद मंदिर के अंदर गईं और पूजा अर्चना की। यहां मंदिर को बचाने के लिए हिंदू परिवार ने ही चारों तरफ घर बनाकर मंदिर को कवर कर लिया। मेयर ने कहा कि बंद मंदिरों को खोला जाएगा और इनमें पूजन भी किया जाएगा। बता दें मेयर का यह तीसरा अभियान है। इससे पहले 19 दिसंबर, 23 दिसंबर को भी मंदिरों से कब्जा हटवाया था। भारी पुलिस फोर्स के साथ महापौर अंदर दाखिल हुई तो मंदिर पूरी तरह सुरक्षित मिला। पूरा परिवार मिलकर मंदिर को सुरक्षित रखे हुए है। आसपास मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है। मंदिर के अंदर सभी देवी-देवता सुरक्षित मिले और हिंदू परिवार मंदिर का रोजाना पूजन-अर्चन करता है। महापौर ने कहा कि अवैध निर्माण किया गया है। इसे तोड़ा जाएगा। मंदिर की देखरेख करने वाले आदर्श तिवारी ने बताया-मंदिर करीब 100 साल पुराना है। ये पूरा मुस्लिम एरिया है। मंदिर की रक्षा करने के लिए आसपास दुकान और मकान बनाया है। ये नहीं बनाते तो मंदिर भी न बचता। मंदिर का गुंबद भी पूरी तरह सुरक्षित है। मंदिर का स्थान पूरी तरह बचाकर रखा गया है।

दिल्ली हाईवे पर भीषण हादसा ट्रैक्टर और कैंटर की भिड़ंत में तीन की मौत; एक घायल

मथुरा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। जैंत थाना क्षेत्र के हाईवे पर रविवार सुबह साढ़े छह बजे ट्रैक्टर और कैंटर की भिड़ंत हो गई। इसमें तीन लोगों की मृत्यु हो गई। जबकि एक गंभीर घायल हो गया है। उसे उपचार के लिए केडी मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जैंत थाना प्रभारी अश्वनी कुमार ने बताया, कि हाईवे पर रविवार सुबह साढ़े छह बजे शुगर मिल के सामने एक ट्रैक्टर और कैंटर की भिड़ंत हो गई। ट्रैक्टर पर बैठे पूरन सिंह निवासी बुलवाना होडल हरियाणा को उपचार के लिए ले जाते वक्त मृत्यु हो गई। उमेश निवासी सहार बरसाना मथुरा की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

पुलिस और लुटेरों के बीच मुठभेड़, 4 बदमाश घायल

नोएडा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुलिस के साथ एनकाउंटर में चार बदमाश घायल हुए हैं। पुलिस ने सभी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है और घटनास्थल से चार अवैध तमंचे भी बरामद किए हैं। गौतमबुद्धनगर सीआरटी टीम ने बदमाशों के कब्जे से ई- रिक्शा, ज्यूपिटर स्कूटी, चोरी की स्प्लेंडर प्लस मोटर साइकिल भी बरामद की है। मोटर साइकिल की नंबर प्लेट गायब है। इसके अलावा 315 बोर के चार तमंचे, उनमें इस्तेमाल होने वाले पांच जिंदा कारतूस और छह खोखे बरामद किए गए हैं। पुलिस को बदमाशों के पास से 2 लाख 5 हजार रुपये और लूट का अन्य सामान मिला है। नोएडा पुलिस के अनुसार रविवार (29 दिसंबर) को थाना सेक्टर-20 नोएडा पुलिस और स्वाट/सीआरटी टीम गौतमबुद्धनगर को सूचना मिली कि बी 11 सेक्टर 30 में घटना को अंजाम देने वाले बदमाश स्पलैंडर मोटर साइकिल और स्कूटी पर सवार होकर डीएनडी की तरफ से सेक्टर 18 नोएडा की ओर आने वाले हैं। इस सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डीएलएफ तिराहे पर पहुंच कर चेकिंग शुरू की। बदमाशों ने डीएलएफ तिराहे पर पुलिस को देखा तो अंधेरे में नाले की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा किया तो बदमाशों ने पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में सभी बदमाश घायल हो गए।

पान मसाला की गाड़ियां छोड़ने पर 4 जीएसटी अधिकारी सस्पेंड

कानपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पान मसाला कारोबारियों द्वारा बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी की जा रही है। जीएसटी अधिकारियों की मिलीभगत से ही पूरा खेल किया जा रहा था। इसका मामला लखनऊ तक पहुंचा तो सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मामले में दोषी पाए गए 4 जीएसटी अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया। कानपुर से लखनऊ जा रहीं चारों गाड़ियों में करोड़ों रुपये का पान मसाला था। जिसका करोड़ों का जीएसटी बनता था, लेकिन अफसरों ने ई-वे बिल जांचे बिना इन्हें कानपुर से जाने दिया मगर लखनऊ में पकड़ ली गईं। राज्य कर आयुक्त ने कानपुर जोन दो के अंकुर द्विवेदी, सचल दल के संदीप कुमार, जगत प्रकाश, जगदीश प्रसाद को निलंबित किया है।

'जहां गांधी जी पहुंचे हैं, वहां पहुंचा देंगे'

सोशल मीडिया पर सिंगर देवी को मिल रही धमकी बोलीं- पागलों के झुंड के लिए मांगी थी माफी

पटना, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना में 25 दिसंबर को अटल जयंती समारोह में महात्मा गांधी के 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम' भजन के दौरान हुए हंगामे और सिंगर के माफी मांगने के बाद भोजपुरी गायिका देवी को अब धमकी मिल रही है। सोशल मीडिया पर उनसे कहा जा रहा है कि 'सुधर जाओ वरना जहां महात्मा गांधी जी पहुंचे हैं, वहीं पहुंचा देंगे।' वहीं गायिका देवी ने कहा कि 'मैंने प्रोग्राम के दौरान 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम' गाने के लिए नहीं, बल्कि पागलों के झुंड के लिए सॉरी बोला था।' गायिका देवी ने कहा कि 'मैं बहुत ही ज्यादा शॉक्ड हूं, क्योंकि मैं एक ऐसा भजन गा रही थी जो महात्मा गांधी जी का बहुत ही प्रिय भजन है। उस समय मंच पर बीजेपी के तमाम बड़े नेता मौजूद थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कार्यक्रम को ऑर्गेनाइज किया था। इनके अलावा डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, संजय पासवान, शाहनवाज हुसैन भी कार्यक्रम में मौजूद थे।' 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम' को जैसे ही गुनगुनाना शुरू किया तो कार्यक्रम में मौजूद कुछ लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया और जय श्री राम के नारे लगाने लगे। उस टाइम मुझे नहीं पता था कि ये कौन लोग हैं। लेकिन अभी पता चल गया है, वो लोग हिंदू पुत्र संगठन से जुड़े हैं, जिसके अध्यक्ष नागेश सम्राट हैं। इन लोगों का ही ग्रुप था। इसी संगठन ने शोर मचाया था। गायिका देवी ने कहा कि 'जब यह लाइन आई 'ईश्वर अल्लाह तेरे नाम' तो लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद मंच पर बैठे सभी नेता हरकत में आए। उन लोगों को भी समझ में नहीं आया कि किस तरह से पब्लिक को हैंडल किया जाए। कुछ लोग मेरे पास आए और कहा- आप सॉरी बोलिए, थोड़ा काम हो जाएगा। हंगामा देख कर मुझे इस बात का भय हुआ कि अब ऐसा ना हो कि इस प्रोग्राम में मारपीट हो जाए। इसलिए मैंने सॉरी कह दिया।' 'लेकिन, मैं अब इस बात को कहना चाहती हूं कि इतने बड़े दिग्गज नेता उपस्थित थे।

मुख्तार-अफजाल के नाम पर दी धमकी, लोकसभा प्रत्याशी रहे बीजेपी नेता की बहू ने लगाया आरोप; तीन के खिलाफ एफआईआर

वाराणसी, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजीपुर से 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे पारस नाथ राय की बहू अनुराधा राय को मुख्तार अंसारी और अफजाल अंसारी के नाम पर धमकी दी जा रही है। प्रकरण को लेकर महमूरगंज स्थित बेबीलोन हाइड्स (डिडवानिया बिल्डिंग) में रहने वाली अनुराधा राय की तहरीर पर सिगरा थाने में उनके ही अपार्टमेंट में रहने वाले हेमंत चंडोक, उसके बेटे पार्थ चंडोक और पत्नी गुंजन चंडोक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अनुराधा ने पुलिस को बताया कि उनके ससुर पारस नाथ राय लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र गाजीपुर से 2024 के चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी रह चुके हैं। अनुराधा ने कहा कि वह प्रकृति प्रेमी होने के कारण अपने फ्लैट के आसपास फूल, पत्तियां और पौधे लगा रखी हैं। उनके अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 703 में रहने वाले हेमंत चंडोक, उनका बेटा पार्थ चंडोक और पत्नी गुंजन चंडोक आए दिन उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों के साथ गाली-गलौज करते हैं। इसके अलावा माफिया मुख्तार अंसारी और अफजाल अंसारी के नाम से जान से मारने की धमकी देना तीनों की आदत में शुमार है। पहले तो उन्होंने नजरअंदाज किया, लेकिन अब यह आए दिन की घटना हो गई है। गत 22 दिसंबर की रात लगभाग 1:50 बजे पति, पत्नी और बेटा शराब के नशे में धुत होकर आए। तीनों ने उनके फ्लैट के बाहर रखे गमले को उठाकर फेंक दिया। इसके बाद उनके फ्लैट के बाहर खड़े होकर गाली-गलौज की। इसके साथ ही उनके फ्लैट के दरवाजे को काफी देर तक पीटते रहे। पूरी घटना सीसी कैमरे में कैद है।

यूपी के हमीरपुर में जयपुर जैसा हादसा, पेट्रोल पंप के सामने हुई दो ट्रकों में भीषण टक्कर

हमीरपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में एक बड़ा हादसा हुआ। यहां पेट्रोल पंप पर दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हुई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ट्रकों में भीषण आग लग गई। मामला सुमेरपुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 34 पर स्थित पेट्रोल पंप का है। बताया जा रहा है कि सुमेरपुर मंडी के पास दो ट्रकों में जोरदार टक्कर हुई। इस दौरान दोनों ट्रकों में अचानक आग लग गई। दोनों ट्रकों के चालक व परिचालक ट्रक के अंदर फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। इस बीच, घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को दे दी गई है। सर्किल ऑफिसर राजेश कमल ने कहा, सुमेरपुर मंडी के निकट दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद उसमें आग लग गई। दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं और आग पर काबू पा लिया गया है। एक ट्रक चालक के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है, इसके लिए बचाव अभियान जारी है। फिलहाल इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है। बता दें कि इससे पहले राजस्थान की राजधानी जयपुर में एलपीजी टैंकर ब्लास्ट की घटना हुई थी। इस घटना में 20 लोगों की मौत हुई थी। इस हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए था,

नक्सलियों के गढ़ में एसटीएफ ने की बड़ी कार्रवाई भारी मात्रा में कारतूस और लेवी रसीद बरामद

गया, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले में बिहार पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है। गया पुलिस ने नक्सलियों के ठिकानों से भारी मात्रा में कारतूस और नक्सली लेवी चंदा रसीद बरामद किया है। नक्सलियों के ठिकानों से लेवी रसीद मिलने की खबर से कई सफेदपोश के होश उड़ गए हैं। बिहार पुलिस हर पहलुओं पर छानबीन कर रही है। यह पूरा मामला शनिवार के देर शाम गया जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र लुटुआ थाना क्षेत्र के करिया पहाड़ी की है।

'मुझे भूख लगी है' रेलवे स्टेशन पर पत्नी के लिए खाना लाने गया पति, महिला बॉयफ्रेंड के साथ फरार

भागलपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर में सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन है। यहां एक परिवार ट्रेन पकड़ने के लिए पहुंचा था। इस बीच, पत्नी ने पति से कहा कि मुझे भूख लगी है, थोड़ा नाश्ता लेकर आइए। फिर पति नाश्ता लाने चला गया। जब वापस पति लौटा तो पत्नी गायब थी। बच्चों ने बताया कि मम्मी अंकल के साथ भाग गई। फिर पति ने स्टेशन परिसर में पत्नी को इधर-उधर खोजना शुरू किया, लेकिन वह कहीं नहीं मिली। इस घटना के बाद पति अपने तीनों बच्चों को लेकर थाने पहुंचा और पुलिस से पत्नी को खोजने की गुहार लगाई। उसने पुलिस को बताया कि 12 साल पहले बाथ थाना क्षेत्र के एक गांव में हिंदू रीति रिवाज के साथ दोनों का विवाह हुआ था। उन दोनों को तीन बच्चे भी हैं। पति ने बताया कि शादी के बाद वह गुजरात में एक निजी कंपनी में काम करने लगा, तो पत्नी ने भी काम करने की इच्छा जाहिर की। फिर उसे भी कंपनी में काम मिल गया, कंपनी में ही काम के दौरान उसे एक लड़के से प्रेम हो गया था और वह उससे अक्सर बातें भी करती थी। एक महीने पहले पत्नी का भाई गुजरात पहुंचा था तो मैंने उसे सारी कहानी बताई थी, तो वह अपनी बहन को लेकर वापस गांव चला गया था। पिछले दिनों 22 दिसंबर को मैं भी वापस गांव आया था। शुक्रवार को अपनी पत्नी व बच्चों को लेकर अपने घर सबौर जा रहा था तभी यह घटना घट गई। आगे पति ने बताया कि जब हम लोग सुल्तानगंज स्टेशन पर पहुंचे तो पत्नी ने मुझसे कहा कि मुझे भूख लगी है। कुछ नाश्ता लेकर आइये, लेकिन जब मैं नाश्ता लाने गया तो मेरी पत्नी प्रेमी संग फरार हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

रासायनिक संयंत्र में लीक हुई जहरीली गैस, चार श्रमिकों की मौत

अहमदाबाद, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के भरूच जिले के दाहेज इलाके में स्थित एक रासायनिक संयंत्र (केमिकल प्लांट) में गैस रिसाव की चपेट में आकर चार श्रमिकों की मौत हो गई है। प्लांट में गैस का रिसाव शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ था, जिसकी चपेट में आए चार कर्मचारियों की रविवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। दाहेज पुलिस थाने के निरीक्षक बीएम पाटीदार ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएफएल) की एक उत्पादन इकाई में पाइप से जहरीली गैस लीक हो गई। इस गैस की चपेट में आकर चार श्रमिक बेहोश हो गए। श्रमिकों को तुरंत भरूच के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि उनमें से तीन की रविवार सुबह करीब 3 बजे मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने सुबह 6 बजे दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना की आगे की जांच जारी है।

लद्दाख में चीन सीमा पर वीरों को प्रोत्साहित करते रहेंगे छत्रपति शिवाजी

स्थापित की 14300 फीट की ऊंचाई पर प्रतिमा

जम्मू, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। लद्दाख के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी भारतीय सेना के वीर जवानों को निरंतर प्रोत्साहित करते रहेंगे। मराठा लाइट इन्फैंट्री ने पैंगोंग झील के किनारे वीर शिवाजी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। लेह स्थित सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 14,300 फीट की ऊंचाई पर स्थापित यह प्रतिमा न केवल छत्रपति शिवाजी को श्रद्धांजलि है, बल्कि भारतीय सीमा की सुरक्षा के प्रति सेना के मजबूत इरादों का संदेश देती है। खास बात यह है कि यह अनावरण हाल में भारत और चीन के बीच हालिया बातचीत के बाद डेमचोक और देपसांग क्षेत्रों में सेना हटाने के समझौते के बाद हुआ है। इसे दोनों देशों में तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सेना की 14वीं कोर ने एक्स पर लिखा कि यह प्रतिमा वीरता, दूरदर्शिता और अटल न्याय की प्रतीक है। यह भारतीय शासक अपने साहस और हौसले से पीढ़ियों की प्रेरणा का स्रोत रहे हैं। गुरुवार को प्रतिमा का अनावरण सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला और मराठा लाइट इन्फैंट्री के कर्नल ने किया।

सेना ने बताया कि छत्रपति शिवाजी की विरासत उनकी अद्वितीय रणनीतियों और साहस में निहित है। पैंगोंग झील पर उनकी प्रतिमा न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती है, बल्कि यह भारत की ऐतिहासिक और वर्तमान सैन्य शक्ति का प्रतीक भी है। यह प्रतिमा स्पष्ट संदेश देती है कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा अडिग और अटल है। यह भी पढें- भाईचारे की मिसाल। बर्फ में फंसे सैलानियों के लिए फरिश्ता बने स्थानीय लोग, पनाह के लिए खोल दिए मस्जिद के दरवाजे लद्दाख की खून जमाने वाली ठंड, बर्फीले तूफान, हिमस्खन के खतरे और चीन व पाकिस्तान के षड्यंत्रों के बावजूद भारतीय सैनिक दृढ़ता से सीमाओं पर डटे हैं। लेह के ऊपरी इलाकों में माइनस 20 डिग्री तापमान से नीचे के तापमान में सेना के कांबेट इंजीनियर्स आपरेशनल तैयारियों को धार दे रहे हैं। कांबेट इंजीनियर्स अभ्यास के दौरान सेना के काफिलों को सीमा तक पहुंचाने के लिए कम समय में पुल बनाने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। दूसरी ओर सियाचिन ग्लेशियर व पूर्वी लद्दाख के उच्चतम इलाकों में सैनिक इस समय नियंत्रण रेखा पर विशेष पेट्रोलिंग कर सर्तकता के उच्चतम स्तर का प्रदर्शन कर रहे हैं। युद्ध के मैदान में कांबेट इंजीनियर्स अहम भूमिका निभाते हुए। उनकी जिम्मेदारी होती है कि सेना के सीमा की तरफ बढ़ते कदम में कोई बाधा न आए।

पत्नियों से परेशान पतियों ने किया प्रदर्शन बोले- एटीएम नहीं है आदमी

सूरत, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में पतियों ने विरोध प्रदर्शन किया। ये सभी अपनी-अपनी पत्नियों से पीड़ित हैं। प्रदर्शनकारियों ने बेंगलुरु के अतुल सुभाष सुसाइड केस को लेकर इंसाफ की मांग की। साथ ही प्रदर्शनकारी पतियों ने हाथों में तख्तियां लेकर महिलाओं को मिले अधिकारों के दुरूपयोग किए जाने और पुरुष आयोग बनाए जाने की मांग की। उनका कहना है कि अधिकतर महिलाएं अपने पतियों पर फर्जी केस लगाती हैं। उन्होंने कहा कि यही हाल रेप केस में भी देखा गया है। पत्नियों से पीड़ित पतियों ने विरोध प्रदर्शन सूरत के अठवां लाइंस सर्किल पर किया। उनकी मांग थी कि पत्नी के उत्पीड़न से तंग आकर अतुल सुभाष ने आत्महत्या की थी। उन्होंने इस मामले पर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही पुरुषों के लिए एक आयोग की मांग की गई। प्रदर्शनकारी तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के हनन का मुद्दा भी उठाया।प्रदर्शनकारी जिन तख्तियों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, उनपर लिखा था 'आदमी नहीं एटीएम', 'मेन राइट्स आर ह्यूमन राइट्स', 'सेफ फैमिली सेव नेशन'। एक तख्ती पर साल 2014 से 2022 तक पुरुषों के सुसाइड केस के आंकड़े लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारी पुरुष 'वी वांट जस्टिस' के नारे लगा रहे थे। कई प्रदर्शनकारियों के हाथों में इंजीनियर अतुल सुभाष के बैनर भी थे। वह इस केस में इंसाफ की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी लोगों का कहना है कि अगर कोर्ट में यह साबित हो जाए कि केस गलत दर्ज कराया गया है। फिर भी न्याय में महिलाओं के लिए सजा का कोई प्रावधान नहीं है। एक प्रदर्शनकारी चिराग भाटिया ने कहा कि वह यहां इंजीनियर अतुल सुभाष को न्याय दिलाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उनका कहना है कि अधिकतर महिलाएं झूठे केसों में पुरुषों को फंसा देती हैं। इनमें घरेलू हिंसा से लेकर रेप के झूठे आरोप होते हैं। वह लोग इन्हीं मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह परुषों के लिए आयोग बनाने की मांग कर रहे हैं।

'मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर राजनीति की कोशिश निराशाजनक', सीएम सरमा की कांग्रेस को खरी-खरी

गुवाहाटी, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्मारक को लेकर कांग्रेस की ओर से लगाए गए आरोपों पर असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने पलटवार किया है। सरमा ने कहा कि कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार पर विवाद खड़ा कर रही है। यह बेहद निराशाजनक है। जबकि केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने का एलान किया है। असम के सीएम सरमा ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि कांग्रेस ने अपनी विरासत की उपेक्षा की है। पूर्व पीएम नरसिम्हा राव हों या पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी। कांग्रेस ने अपनी ही विरासत के साथ उदासीनता बरती है। सरमा ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि डॉ। मनमोहन सिंह अद्वितीय गरिमा और बुद्धि के धनी राजनेता थे। यह बेहद निराशाजनक है कि कांग्रेस उनके अंतिम संस्कार को लेकर विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। इससे डॉ। सिंह की अंतिम यात्रा की गरिमा कम हो रही है। सरमा ने कहा कि भारत के लोगों ने राष्ट्र के लिए उनके अमूल्य योगदान को मान्यता देते हुए डॉ। सिंह को सम्मानपूर्वक और हार्दिक विदाई दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही उनकी विरासत को सम्मानित करने के लिए एक उपयुक्त स्मारक की घोषणा की है, जो राष्ट्र की कृतज्ञता को दर्शाता है। फिर भी कुछ लोग शोक के इस क्षण को राजनीतिक लाभ के अवसर में बदलना चाहते हैं, बहुत दर्दनाक है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि जनता को अभी भी डॉ। सिंह के प्रति उनके कार्यकाल के दौरान किए गए अपमान याद हैं। इसमें राहुल गांधी के इशारे भी शामिल हैं, जिन्होंने उनके कद को कमतर आंका। इस तरह की हरकतें राष्ट्र की यादों में हैं। डॉ। मनमोहन सिंह के निधन के बाद तो कम से कम उनकी विरासत राजनीतिक अवसरवाद से कलंकित नहीं होनी चाहिए। हम उनकी स्मृति को उस गरिमा और सम्मान के साथ सम्मानित करें जिसके वे हकदार हैं।

दरअसल, कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर देश के पहले सिख प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए उचित और सम्मानजनक स्थान नहीं देने का आरोप लगाया। कांग्रेस की मांग थी कि अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर किया जाना चाहिए था, जहां बाद में उनका स्मारक बनाया जा सके। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा और केंद्र की एनडीए सरकार ने मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री का सरासर अपमान किया है।

सीसीटीवी पर चिपकाया टेप फिर गैस कटर से काट डाला एटीएम, 15 लाख उड़ाए

ग्वालियर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर इलाके में रात एसबीआई के एटीएम को काटकर 15 लाख रुपए चोरी किये थे। एटीएम को काटकर जिस तरह से बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है, ऐसे में अब जांच की सुई, इस तरह की लूट की वारदात को अंजाम देने वाले शातिर बदमाशों के मेवाती गैंग की ओर घूम गई है। इस वारदात के पीछे भी हरियाणा की मेवाती गैंग हो सकती है। गुरुवार की रात करीब 3:00 बजे सफेद कलर की गाड़ी में सवार होकर आए चार से पांच बदमाशों ने स्टेट बैंक आफ इंडिया के एटीएम को निशाना बनाया था। सबसे पहले बदमाशों ने एटीएम के सीसीटीवी पर काला टेप चिपकाया और फिर गैस कटर से एटीएम को काटकर उसमें रखा हुए 15 लाख रुपए कैश ले गए थे। वारदात की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जब जांच पड़ताल शुरू की तो बदमाशों की करतूत की वीडियो फुटेज भी सामने आई है।

बिजली-पानी से लेकर महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री, आप का दावा- बीजेपी का मकसद सभी सुविधाएं बंद करना है

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने दिल्ली विधासभा चुनावों को लेकर कहा कि सत्ता में आने पर बीजेपी दिल्ली में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी बंद कर देगी। वहीं आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पहले से ही ये सभी सेवाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कहा है कि वो आगे भी ऐसा करते रहेंगे तो वो ऐसा जरूर करके दिखाएंगे। वह दिल्ली के लोगों को रुपये भी देंगे। उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए दिल्ली में बांटे जा रहे हैं। प्रवेश वर्मा के खुलेआम पैसे बांटने के खिलाफ बीजेपी क्यों नहीं है? वो पैसा कहां से आया, किसका है, कितना उनके घर में पड़ा है बीजेपी को इनमें से किसी बात पर भी आपत्ति नहीं है क्यों नहीं है? इसको लेकर किसी भी तरह के जांच आदेश नहीं दिए गए हैं। लेकिन अरविंद केजरीवाल की सभी स्कीम से उन्हें दिक्कत है और उसे रोकने की कोशिश करते रहते हैं, लेकिन दिल्ली के लोग उनकी इस कोशिश को कामयाब नहीं होने देंगे। दिल्ली में अवैध वोटरों के आरोपों पर उन्होंने कहा कि अगर देश में कहीं भी अवैध घुसपैठिए हैं तो वो अमित शाह की वजह से आए हैं। दिल्ली में उन्हें हरदीप सिंह पुरी ने सक्षम किया है। दिल्ली में बीजेपी पूरी कोशिश कर रही है वास्तविक मतदाताओं का नाम मतदान सूची से काट दिया जाए। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि बीजेपी का मकसद दिल्ली में सभी योजनाओं को बंद करना है। जब अरविंद केजरीवाल महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त कर रहे थे, तो उन्होंने उसका भी विरोध किया। उन्होंने बिजली और पानी मुफ्त करने का भी विरोध किया। बीजेपी का मकसद हर काम का विरोध करना है। यहां स्कूल, अस्पताल और मोहल्ला क्लिनिक नहीं बन सके, लेकिन केजरीवाल जी ने संघर्ष किया और सभी काम कराए। हम बीजेपी को उनके मंसूबों में कामयाब नहीं होने देंगे।

टारगेट पर जिम करने वाले युवा, बेच रही थी इंजेक्शन दिल्ली की 'हसीना' के जाल में कैसे फंसे लड़के?

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। आज के समय में हर किसी को फिट दिखने की ख्वाहिश होती है। इसके लिए लोग बहुत कुछ करते हैं। ज्यादातर लड़कों को बॉडी बनाने का शौक होता है। वह इसके लिए जिम जॉइन करते हैं लेकिन दिल्ली से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे जानकार आप हैरान रह जाएंगे। यहां पर एक 35 साल की महिला जिम आने वाले लड़कों को अपने जाल में फंसा कर लाखों रुपये की कमाई कर रही थी। पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दिल्ली के कोटला मुबारकपुर इलाके से एक महिला को गैरकानूनी काम करने को लेकर गिरफ्तार किया है। ये महिला जिम में आने वाले युवाओं को मेफेनटेरमाइन के साइकोट्रोपिक इंजेक्शन जिम में बेच रही थी। ये एक ऐसा इंजेक्शन है, जिसके बिना डॉक्टर की सलाह और इजाजत के घर में रखना और देना मना है। महिला जिम मेफेनटेरमाइन के साइकोट्रोपिक इंजेक्शन को अवैध रूप से बिना किसी लाइसेंस और सलाह के बेच रही थी। इससे वह लाखों रुपये कमा रही थी। मामला सामने आने के बाद मेफेनटेरमाइन के साइकोट्रोपिक इंजेक्शन बेचने वाली महिला निधि के घर पर भी पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान उसके घर से भी इसके 60 इंजेक्शन बरामद हुए। क्राइम ब्रांच ने निधि पर ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 की धारा 22/23 के तहत एक्शन लिया है। निधि पर जिन धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इसमें कम से कम तीन साल की सजा और ज्यादा से ज्यादा उम्रकैद की सजा होती है।

मेफेनटेरमाइन इंजेक्शन

हालांकि निधि पर इस मामले के अलावा कोई और केस दर्ज नहीं है। उसकी कोई क्राइम हिस्ट्री नहीं है लेकिन उसे अब मेफेनटेरमाइन के साइकोट्रोपिक इंजेक्शन को अवैध रूप से रखने को लेकर गिरफ्तार किया गया है। इस इंजेक्शन का असर युवाओं के स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा पड़ता है और खतरा पैदा करता है। पुलिस ने कहा कि वह युवाओं को बैन इंजेक्शन की सप्लाई कर रही थी। इस इंजेक्शन को डॉक्टर के लिखे बिना कोई भी न बेच सकता है और न ही अपने घर में रख सकता है।

12.51 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई; निजी बैंक के प्रबंधक समेत चार गिरफ्तार

बंगलूरू, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बंगलूरू की एक कंपनी से संवेदनशील डेटा चुराकर उसके खाते से कथित तौर पर 12.51 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के मामले में एक निजी बैंक के प्रबंधक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह मामला तब सामने आया, जब ड्रीम प्लग पे टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (सीआरईडी) के निदेशक ने नवंबर में पुलिस से संपर्क किया। इसमें कंपनी के खातों से 12.51 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप लगाया गया। पुलिस के मुताबिक, सीआरईडी के निदेशक ने आरोप लगाया कि कंपनी के नोडल और चालू बैंक खाते बेंगलुरु में एक्सिस बैंक की इंदिरानगर शाखा में थे। इस दौरान कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने बैंक के खिलाफ साजिश रची और साइबर हमलों की योजना बनाई। इन खातों से जुड़ी ईमेल आईडी और फोन नंबर तक पहुंच हासिल कर ली थी। पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच से पता चला कि आरोपियों ने गुजरात और राजस्थान में 17 अलग-अलग बैंक खातों में 12.51 करोड़ रुपये का हस्तांतरण करने के लिए कंपनी का डेटा चुराया।

'मुझे बदनाम किया, माफी मांगें'

बीजेपी विधायक पर क्यों भड़कीं एक्ट्रेस प्राजक्ता माली? आयोग को शिकायत

बीड, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड जिले में सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड पर छिड़ी सियासत गरमा गई है। विवाद में अब एक्ट्रेस प्राजक्ता माली की एंट्री हो गई है। उन्होंने भाजपा विधायक सुरेश धास के खिलाफ महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग (एमएसडब्ल्यूसी) में शिकायत देकर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही विधायक से माफी मंगवाने की अपील की है। अगर ऐसा नहीं होता है तो उन्होंने विधायक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। एक्ट्रेस विधायक पर इसलिए भड़कीं, क्योंकि हत्याकांड में भाजपा विधायक सुरेश धास और राकांपा मंत्री धनंजय मुंडे एक दूसरे पर हमलावर हैं, लेकिन मामले में उनका नाम घसीटते हुए गलत टिप्पणियां की जा रही हैं।

बदनाम करने का आरोप

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस प्राजक्ता माली ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर मामले की जानकारी मीडिया को दी। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि विधायक सुरेश धास की टिप्पणियां गलत हैं और महिलाओं को बदनाम कर रही हैं, जबकि महिलाओं को किसी भी मामले में बदनाम नहीं किया जाना चाहिए। खासकर अभिनेत्रियों को बदनाम नहीं करना चाहिए। सुरेश धास उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं और यह कई दिन से चल रहा है। विधायक ने अपने स्वार्थ के लिए उनका और अन्य एक्ट्रेस का नाम ले रहे हैं। विधायक उन्हें बदनाम करने की कोशिश न करें। वे अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगें, नहीं तो वे लीगल एक्शन लेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र के आष्टी से भाजपा विधायक सुरेश धास ने कहा था कि रश्मिका मंदाना, सपना चौधरी और प्राजक्ता माली को इवेंट मैनेजमेंट की राजनीति सीखनी चाहिए। इस बयान से प्राजक्ता माली भड़क गईं और उन्होंने कहा कि सिर्फ महिलाओं का नाम क्यों लिया गया? क्या राजनेताओं के इवेंट में एक्टर नहीं आते? विधायक सार्वजनिक माफी मांगें, नहीं तो वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलकर कार्रवाई की मांग करेंगी। धास के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करेंगी। प्राजक्ता ने कहा कि जब से बीड जिले के परली में धनंजय मुंडे के कार्यक्रम में परफॉर्म किया है, तब से उनके खिलाफ टिप्पणियां की जा रही हैं।

गैंगस्टर छोटा राजन को मुंबई की विशेष अदालत से मिली राहत, बिल्डर पर गोली चलवाने के मामले में बरी

मुंबई, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर छोटा राजन को मुंबई की विशेष अदालत ने 16 साल पुराने मामले में बरी कर दिया है। साल 2008 में एक बिल्डर पर गोली चलाई गई थी। इस मामले में छोटा राजन को आरोपी बनाया गया था, लेकिन विशेष आदालत ने उसे बरी कर दिया है। मुंबई की विशेष अदालत ने 67 वर्षीय गैंगस्टर राजेंद्र सदाशिव निकलजे उर्फ छोटा राजन को बरी कर दिया। छोटा राजन पर व्यवसायी और डेवलपर धर्मराज सिंह उर्फ बच्ची सिंह की हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। कथित तौर पर राजन के गिरोह के सदस्यों ने धर्मराज पर गोलीबारी की थी। इस गोलीबारी में डेवलपर गंभीर रूप से घायल हो गया था। छोटा राजन फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है और कल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उसे पेश किया गया था। यह पूरा मामला साल 2008 का है और मुंबई के डीएन नगर पुलिस स्टेशन में केस रजिस्टर किया गया था। छोटा राजन पर आरोप था कि उसके गैंग से जुड़े हुए चार लोगों ने इस गोलीबारी को अंजाम दिया, जिसमें छोटा राजन की मुख्य भूमिका थी।

पत्रकार और व्यवसायी की हत्या मामले में सजा काट रहा छोटा राजन

छोटा राजन फिलहाल साल 2011 में पत्रकार जे डे और 2001 में होटल व्यावसायिक जय शेट्टी की हत्या के मामले में सजा काट रहा है। छोटा राजन पर और भी कई मामले दर्ज हैं। साल 2008 में व्यापारी द्वारा दिए गए बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया था, जिसमें छोटा राजन के चार कथित सहयोगियों, कमर रशीद उर्फ मोनू उर्फ मुन्ना अब्दुल रशीद सिद्दीकी, 22, परवेज अख्तर तजम्मुल हुसैन सिद्दीकी, 34, अनीस अनवर उल हक खान, 34, और असगर राजाबली खान, 30, पर पहले ही मुकदमा चल रहा था। 2010 में इनमें से तीन को 10 साल के कारावास की सजा सुनाई गई थी, जबकि चौथे, असगर खान को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया था।

लड़कियों की शादी की उम्र 21 करने का विधेयक अटका, कानूनी पेच पर राय ले रही है राज्य सरकार

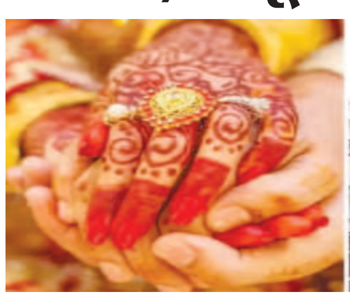

शिमला, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश बाल विवाह प्रतिषेध विधेयक-2024 का विभागीय पेच फंस गया है। लड़कियों के विवाह की उम्र 21 साल करने का विधेयक तीन महीने से दफ्तरों में ही चक्कर काट रहा है। मानसून सत्र में इस विधेयक को पारित किया गया था। यह मामला संविधान की समवर्ती सूची से संबंधित होने के चलते केंद्र और राज्य सरकार दोनों से ही संबंधित है, इसलिए इस पर गहन चिंतन किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि राज्यपाल को भेजने से पहले इसमें एक बार फिर कानूनी राय ली जानी है। राजभवन से इसे राष्ट्रपति को मंजूरी के लिए भेजा सकता है। प्रदेश सरकार ने बीते विधानसभा सत्र में इस विधेयक में संशोधन को मंजूरी दी है। मानसून सत्र के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कर्नल डॉ। धनीराम शांडिल ने बाल विवाह प्रतिषेध (हिमाचल प्रदेश संशोधन विधेयक 2024 प्रस्तुत किया था। विधानसभा में बिना चर्चा के बाद इसे पास कर दिया गया था। बता दें कि प्रदेश में अभी लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल है। राज्य सरकार ने इसमें तीन साल की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है। सरकार का मानना है कि इस संशोधित विधेयक को मंजूरी मिलने पर लड़कियों को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। हिमाचल में अभी भी कुछ लोग छोटी उम्र में लड़कियों की शादी करते हैं। इससे कई लड़कियां पढ़ाई से वंचित रह जाती हैं। ऐसे में वह जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता आशीष सिंहमार ने कहा कि जल्द ही इस विधेयक को मंजूरी के लिए राजभवन भेजा जा रहा है।

18 से बढ़ाकर 21 वर्ष की जानी है शादी की आयु

केंद्र सरकार के कानून के अनुसार लड़कियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित है। प्रदेश सरकार ने लड़कियों की विवाह की न्यूनतम आयु को 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करने का कानून बनाने का फैसला लिया है। हिमाचल सरकार चाहती है कि शादी की उम्र बढ़ाई जाए। जल्दी मां बनने से कई बार उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। विधानसभा से संशोधित विधेयक पारित होने के बाद इसे वापस विभाग को भेजा गया है। विभाग कानूनी राय ले रहा है। इसके बाद ही इसे राज्यपाल को भेजा जाना है।

दो बदमाशों का एनकाउंटर पुलिस की टीम पर किया फायर कार्रवाई में कई राउंड चली गोलियां

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में एनकाउंटर किया गया है। दो बदमाशों पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई की है। दोनों बदमाशों का नाम रिंकू और रोहित है, जिन पर पहले से कई मुकदमें दर्ज हैं। दोनों बदमाशों ने दिल्ली के हरिनगर इलाके में एक आर्म्ड रॉबरी को अंजाम दिया था। दोनो बदमाश दिल्ली समेत कई राज्यों में बड़ी वारदातों को अंजाम दे चुके है। हाल ही में दोनो बदमाशों ने हथियार के दम पर मध्य प्रदेश के इंदौर में डकैती की थी। दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ और एएटीएस यूनिट को एक इनपुट मिला की दो वांटेड बदमाश दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके से जाने वाले हैं। पुलिस टीम ने आज सुबह लगभग 4:30 बजे के आसपास इलाके में ट्रैप लगाया। दोनों बदमाशों को सरेंडर करने को कहा गया, लेकिन बदमाशों ने पिस्टल निकाल पुलिस टीम पर फायर कर दिया। दूसरी तरफ से जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी कई राउंड फायर की, जिसमें दो गोली दोनों बदमाशों के टांगों में लगी है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 30 दिसंबर- 2024

साइबर फ्राड का नेटवर्क

2024 में विभिन्न साइबर प्लेटफ़ॉर्म और ऐप के माध्यम से लोग ठगी के शिकार बन रहे हैं, जिसमें उच्च रिटर्न के झूठे वादे प्रमुख हैं। 2024 को एक वीडियो गेम मानें तो पहला राउंड घोटालेबाजों का ही रहा है। डिजिटल गिरफ्तारियां, ड्रग्स से भरे कूरियर पैकेज, नकली चालान, शेयर ट्रेडिंग ऐप पर 100% रिटर्न के दावे के साथ पैसे लूटने के तरीके बिल्कुल नए हैं। धोखेबाज अब हरियाणा के नूह या झारखंड के जामताड़ा में बैठे बेरोज़गार लड़के नहीं हैं जो ओटीपी लेकर बैंक खाते उडा लिया करते थे। अब यह एक अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क बन चुका है जिसके कॉल सेंटर कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में हैं। इनके संचालक ऐसे टेक्निकल एक्सपर्ट हैं जो खुद साइबर गुलाम हो सकते हैं। ये लोग डॉक्टरों, वकीलों, यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों और यहां तक कि आईआईटी इंजीनियरों से भी ठगी करने में माहिर हैं। घोटाले का औसत कुछ हजारों से बढ़कर लाखों और करोड़ों तक पहुंच गया है। एक सरकारी अनुमान के अनुसार भारतीय हर मिनट अपराधियों के हाथों 1.5 लाख रुपये गंवा रहे हैं। शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे हर दिन धोखाधड़ी वाले दो-चार कॉल न आते हों। वे कहते हैं कि लोगों में डिजिटल समझदारी या डीक्यू की कमी है, आईक्यू की नहीं। वे ऐसे वादों में फंस जाते हैं जैसे कि आपको निवेश पर 100% रिटर्न मिलेगा, या फिर ऐसी धमकियां कि कोई पुलिसवाला आपको वीडियो कॉल पर गिरफ्तार कर रहा है या फिर आपका चालान या बिल किसी दूसरे शहर में लंबित है। वर्धमान समूह के प्रमुख और पद्म पुरस्कार विजेता एसपी ओसवाल को सीबीआई अधिकारी होने का दिखावा करने वाले घोटालेबाजों ने 7 करोड़ रुपये ठग लिए। जबकि दिल्ली की एक फर्म के मुख्य वित्तीय अधिकारी को कंपनी के एमडी होने का दिखावा करने वाले एक व्यक्ति ने 4.96 करोड़ रुपये ठग लिए। उसे सरकारी ठेकों के लिए तुरंत पैसे की जरूरत थी। कुछ फाइनेंस ऐप ने अपने प्रोडक्ट को बढ़ावा देने के लिए मशहूर हस्तियों और फिनफ्लुएंसर को भी शामिल किया है। अक्टूबर में, पुलिस ने एल्विश यादव और भारती सिंह जैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को एक नकली मोबाइल ऐप को बढ़ावा देने के मामले में तलब किया था। इसमें एक महीने में 90% तक के अवास्तविक हाई रिटर्न का वादा किया गया था। पिछले कुछ महीनों में, अधिकारियों ने डिजिटल धोखाधड़ी से जुड़े 1,700 से अधिक स्काइप आईडी और 59,000 व्हाट्सएप अकाउंट ब्लॉक किए हैं। इस महीने, कार्रवाई में 6.7 लाख सिम कार्ड और 1.32 लाख आईएमईआई ब्लॉक किए गए। लेकिन खोए हुए पैसे नहीं मिले हैं। ज्यादातर मामलों में, चुराए गए पैसे को कई म्यूल अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इससे पहले कि इसे क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया जाए या देश से बाहर ले जाया जाए, कोई निशान नहीं छोड़ा जाता। एआई से उम्मीद की किरण मिल सकती है। यू.के. की एक कंपनी ने डेजी नामक एआई चैटबॉट तैयार किया है। यह एक दादी के मॉडल पर आधारित है, जो अपनी बिल्ली और नाती-नातिनों के बारे में बात करना पसंद करती है और तकनीकी रूप से अयोग्य लगती है। लेकिन वह ऐसी नहीं है। डेजी समय बर्बाद करने में मदद करती है, जो धोखेबाजों के लिए कीमती है, बुनाई और उसके जीवन की अन्य सार्थक चीजों के बारे में कहानियां सुनाती है। कंपनी O2 ने डेजी का नाम घोटालेबाजों की सूची में शामिल करने की योजना बनाई है, ताकि बढ़ते घोटाले के परिदृश्य में मामूली सी भी कमी आए। पिछले साल, टेलीकम्यूनिकेश ग्रुप ने संदिग्ध धोखाधड़ी वाले लेनदेन में 25 करोड़ रुपये से अधिक को रोका। इससे बचने के लिए संदेहशील और सतर्क रहें।

दूरगामी लाभ का निर्णय है नए जिलों की समाप्ति

डॉ. राजेन्द शर्मा

राजनीतिक लाभ हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय करने में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणाभाग देखा जाता है और यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढ़ोये जाती है। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। निश्चित रुप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा भी दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर सबेर जनता उसे स्वीकार्य भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेषता का ठप्पा लगता वह अलग होता। आज भले ही विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हो पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रषासनिक अधिकारी डा. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रीमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रीमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई। इसलिए एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया निर्णय है। ना ही इसे जल्दबाजी में लिया निर्णय कहा जा सकता है। हांलाकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले ही प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह सब अच्छी तरह से साफ हो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय के रुप में ही देखा गया। भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चें अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है।

देश में दो ही नदियां हैं बाढ़ और सुखाड़

रघु ठाकुर

पिछले दिनों जयपुर में प्रधानमंत्री की मौजूदगी में पार्वती, कालीसिंध और चम्बल जोड़ो परियोजना के अनुबंध की सहमति पर मध्यप्रदेश, राजस्थान व केन्द्र के बीच हस्ताक्षर हुए हैं। निस्संदेह यह योजना एक महत्वपूर्ण योजना है जो मध्यप्रदेश, राजस्थान दोनों के लिए उपयोगी होगी। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि 25 दिसम्बर को केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की आधारशिला रखी जायेगी। बुंदेलखंड अंचल को नदियों के पानी की उपलब्धता के बारे में उपाय करेंगे। मैं प्रधानमंत्री को इन दोनों योजनाओं की शुरुआत के लिए धन्यवाद देता हूं। हालांकि इस अच्छी योजना के इतिहास के बारे में उन्होंने तथ्यों को सिकोड़ने का प्रयास किया है। एक तो मुझे यह भी आश्चर्यजनक व दुखद लगा कि उन्होंने पार्वती-कालीसिंध व चंबल के लिए पीकेसी शब्द का इस्तेमाल किया। यह अंग्रेजी के साम्राज्यवादी मानसिक दास्तां जैसी है। हम लोग भारत में संक्षिप्त नामों के इस्तेमाल के लिए हिन्दी या भारतीय भाषाओं के शब्दों का इस्तेमाल नहीं करते। दिल्ली में कस्तूरबा गांधी मार्ग को केजी मार्ग, लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल को एलएनजेपी, राममनोहर लोहिया अस्पताल को आरएमएल जैसे शब्दों का इस्तेमाल आज आजादी के सतहत्तर साल बाद किया जाना हमारी भारतीयता पर क्या प्रश्नचिन्ह नहीं है? मेरी जानकारी में ऐसा कोई उदाहरण अमेरीका या यूरोप में नहीं है जहां पर नाम के संक्षिप्तीकरण के लिए किसी विदेशी भाषा के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता हो। वैसे तो प्रधानमंत्री, उनकी पार्टी, उनकी मातृसंस्था राष्ट्रभाषा-राष्ट्रीयता और भारतीयता के शाब्दिक गौरव को न केवल बयान करते हैं बल्कि दूसरों को नीचा दिखाने के लिए उसे हथियार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। प्रधानमंत्री से मैं जानना चाहूंगा कि पीकेसी के बजाय पार्वती-कालीसिंध-चम्बल नदी इस्तेमाल करते तो क्या बिगड़ जाता? इन नदियों के नाम के पीछे इतिहास-संस्द्धति भी है। परंतु प्रधानमंत्री और उनकी जमात का राष्ट्रभाषा और संस्द्धति का दावा कितना खोखला है इससे सिद्ध होता है। दूसरे, उन्होंने नदी-जोड़ योजनाओं का जनक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को बताया। यह सही है कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदी जोड़ो परियोजना का कुछ काम शुरू किया था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रति पूरे सम्मान के बावजूद मैं यह तथ्य बताना चाहूँगा कि यद्यपि वह बहुत आगे नहीं बढ़ पाया। यह भी जानना चाहिए कि नदी जोड़ योजना की वैचारिक शुरुआत अटल बिहारी वाजपेई ने नहीं, बल्कि इसकी वैचारिक शुरुआत डॉ राममनोहर लोहिया ने की थी। उन्होंने संसद में कहा था कि देश की दो बड़ी बीमारियां हैं, बाढ़ और सुखाड़। प्रतिवर्ष देश के बड़े इलाके में सूखा पड़ता है और देश के दूसरे बड़े इलाके में बाढ़ आती है। बाढ़ और सूखा लाखों लोगों को तबाह करता है। डॉ लोहिया ने संसद में तत्कालीन सरकार से अपील की थी कि नदियों का पानी जो बाढ़ में बर्बाद होता है। उसे सूखे खेतों तक ले जाया जाये जिससे बाढ़-सुखाड़ से मुक्ति मिले। तब के सिंचाई मंत्री श्री राव थे जिन्होंने इस योजना का अध्ययन कराया था। 1964-65 के साल में इस राष्ट्रीय परियोजना पर मात्र तीन सौ करोड़ रुपए की अनुमानित लागत थी। अब कोई भी योजना हजारों लाख करोड़ से कम की नहीं होती। कितना अच्छा होता कि यदि स्व. वाजपेई ने नदी-जोड़ परियोजना की चर्चा करते हुए संसद में डा. लोहिया के मौलिक योगदान का उल्लेख किया होता। परंतु इतिहास के पन्नों से वे भी बचना चाहते थे। उनसे भी शिकायत क्या करें, बड़े नामधारी समाजवादी साथी उस संसद में थे बड़े ओहदों पर, स्व. जार्ज फनार्ंडीज उस सरकार में मंत्री थे, मुलायम सिंह संसद में थे, कितने ही समाजवादी पृष्ठभूमि के लोहिया के आन्दोलन से निकले हुए लोग संसद में थे, परंतु किसी ने अपने वैचारिक पिता डॉ लोहिया की याद नहीं की। अटलजी की सरकार में जल-संसाधन मंत्री श्री सुरेश प्रभु थे जो बाल ठाकरे की शिवसेना कोटे के मंत्री थे। जब अखबारों में इस योजना का विरोध हुआ जो कि वैश्विक स्तर से प्रायोजित था और वैश्विक आर्थिक समर्थन से चलता था, जिन एनजीओ को इसलिए भारत में आर्थिक मदद दी जाती थी कि वे इन बुनियादी योजनाओं का विरोध करें ताकि भारत की खाद्यान्न आत्मनिर्भरता और पैदावार की वृद्धि दूर खिसक जाये, तब श्री सुरेश प्रभु मुझसे मिले थे। उन्होंने इस पर चर्चा की थी। मैंने उन्हें बताया था यह योजना मूलतरू लोहिया जी की कल्पना थी तब मैंने इस पर काफी कुछ लिखा था, जिसे सुरेश प्रभु ने योजना के संदर्भ में इस्तेमाल किया। हालांकि पिछले तीस-पैंतीस वर्ष में काफी पानी बह चुका है, शायद अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण के अभाव में जिन एनजीओ की आवाज मीडिया में जोर से सुनाई देती थी, अब कुछ कम हुई है। वैश्विक परिदृश्य बदला है। विश्व बैंक के अंतर-समीकरण भी बदले। मुझे याद है उस समय श्री प्रभु ने यह कहा था कि इस योजना पर बहुत पैसा खर्च होगा, भारत सरकार पर इतना पैसा नहीं होगा। मैंने उन्हें कुछ सुझाव लिख कर दिये थे यथा-1) इस योजना को राष्ट्रीय लक्ष्य घोषित किया जाये। नदियों को जोड़ने के लिए नहरों का जो जाल बिछाना है उसके लिये दो माह राष्ट्रीय जलयज्ञ माह घोषित हो। नेता, कर्मचारी, छात्र, किसान, मजदूर व सारा देश श्रमदान करें और इस योजना में सहभागी बनें। 2) कुल परियोजना पर जितना खर्च होगा उसे न्यायसंगत ढंग से बांटा जाये।

यदि साठ फीसदी खर्च भारत सरकार उठाये तो चालीस फीसदी राज्य सरकार।3) स्थानीय संस्थाओं, नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, ग्राम पंचायत को भी इसमें हिस्सेदार बनाया जाये। यह संस्थायें पैसा तो नहीं, परंतु श्रमिक अन्य संसाधन उपलब्ध करा सकती हैं। 4) जिन किसानों की जमीन पर नहर निकाली जायेगी, जो सिंचाई के पानी से लाभान्वित होंगे उन्हें भी हिस्सेदार बनाया जायेगा। अगर वे अपनी जमीन पर नहर खोदते हैं तो उस राशि को मय ब्याज के आगामी जलकर में समाहित किया जायेगा, यह नीति बने। अगर यह निर्णय सरकार ने किया होता तो लाखों किसान अपनी जमीन पर नहर खोदते, योजना के क्रियान्वयन में सहयोगी बनते।श्री सुरेश प्रभु बहुत उत्साहित थे परंतु स्वर्गीय बाल ठाकरे की नजरों में वे संदिग्ध हो चुके थे इसलिए उनके राजनीतिक भविष्य का असमय अंत हो गया।मैं प्रधानमंत्री से अपील करूंगा कि अभी भी वक्त है वे सार्वजनिक रूप से लोहिया जी के वैचारिक योगदान को स्वीकार करें और इतिहास के इस पक्ष को भी प्रदर्शित करें। इससे उनका सम्मान ही बढ़ेगा।आज भी यह उपयुक्त होगा कि मात्र दो योजनाओं पार्वती-कालीसिंध-चम्बल तथा केन-बेतवा तक ही सीमित न किया जाये बल्कि इसे देश में बाढ़-सूखे से स्थायी मुक्ति के हल के रूप में देखा जाये और देशभर में लागू किया जाये। प्रतिवर्ष उत्तर बिहार की नदियों गंडक, कोसी आदि में बाढ़ आती है और लाखों करोड़ की क्षति होती है, तथा झारखंड से लेकर छत्तीसगढ़ तक सूखे से लाखों किसान तबाह होते हैं और फिर सूखा राहत पर भी लाखों करोड़ खर्च होता है। आजादी के बाद अभी तक अगर बाढ़ व सूखा राहत पर खर्च हुई राशि का आंकड़ा निकलवाया जाये तो शायद भारत के केंद्रीय बजट 30 लाख करोड़ रुपये से कम नहीं होगा और इसके बावजूद भी बाढ़ व सूखा यथावत है।देश के आमजन, किसान को इस जलयज्ञ में सहभागी बनाया जाये। हालांकि यह कठिन होगा क्योंकि सूखा-बाढ़ देश के भ्रष्टाचार के स्थायी स्रोत हैं। सूखा राहत व बाढ़ राहत पर कई लाख करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं क्योंकि इसका कोई हिसाब किताब नहीं। बाढ़ राहत का पैसा आया वह भ्रष्ट तंत्र, नौकरशाह व नेताओं के पेट में चला गया। यहीं स्थिति सूखे की है। हम लोग तो लगातार यह मांग कर रहे हैं कि बाढ़ और सूखे से राहत नहीं, मुक्ति चाहिए। यह मुक्ति ही डॉ लोहिया को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पार्वती, कालीसिंध, चंबल, केन, बेतवा आदि नदियों का अंचल मालवा, राजस्थान व बुन्देलखण्ड में जाल फैला है। जयंत तोमर के अनुसार महाकवि कालिदास ने जिस दशार्ण क्षेत्र का उल्लेख किया है वह इसी अंचल से संबंधित है।

हॉस्पिटलों के फ्री मेडिकल कैम्प से सावधान रहें

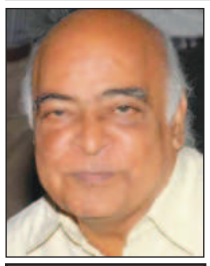

अशोक भाटिया

बताया जाता है कि गुजरात के कई ख्याति हॉस्पिटल ने कई हेल्थ चेकअप कैंप लगाए थे, जिनमें से कुछ मेहसाणा के बोरीसाणा गांव में आयोजित किए गए थे। इन कैंपों में डॉक्टरों ने लोगों को यह बता दिया कि उनके दिल में समस्याएं हैं और उन्हें एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता है। इसके बाद, सात मरीजों को ऑपरेशन किया गया और उनमें से दो की ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। जब मरीजों के परिजनों ने इस घटना पर हंगामा किया, तो यह मामला सामने आया। चूँकि प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना जिसे आमतौर पर आयुष्मान भारत योजना के नाम से जाना जाता है, का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा देना है। लेकिन अब यह योजना इन हॉस्पिटलों के घोटाले का शिकार हो गई है, जिसमें कई लोगों के जीवन से खेला गया। अहमदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक गिरोह के 8 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो 1500 रुपये लेकर 15 मिनट में किसी का भी आयुष्मान कार्ड बना देते थे। इस गिरोह में अस्पताल मालिक, डॉक्टर और आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अधिकृत वेंडर शामिल थे। यह गिरोह लोगों का स्वास्थ्य चेकअप कैंप लगाकर, उन्हें फर्जी बीमारियों का शिकार बताकर अस्पताल में भर्ती कर देता था। इसके बाद, अगर मरीज के पास आयुष्मान कार्ड था, तो उसे तुरंत आईसीयू में भर्ती किया जाता था और ऑपरेशन कर दिया जाता था। यदि मरीज के पास कार्ड नहीं था, तो उसे इमरजेंसी के नाम पर कार्ड बनवाया जाता था, और फिर ऑपरेशन कर दिया जाता था। इसके बाद, सारे बिल सरकार को भेजकर पैसा निकाल लिया जाता था। अब तक इस गिरोह ने लगभग 3000 आयुष्मान कार्ड बनाए हैं और इसके जरिए प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना के तहत 16 करोड़ रुपये निकाल चुका है। जांच में यह भी सामने आया कि ख्याति हॉस्पिटल का मालिक, अस्पताल के डॉक्टर, और कुछ एजेंसी के कर्मचारी इस गिरोह में शामिल थे। इस मामले के पर्दाफाश के बाद, पुलिस ने ख्याति अस्पताल को ब्लैकलिस्ट कर दिया है और इस घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। आयुष्मान योजना के तहत, सरकार गरीबों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने का वादा करती है। यह योजना उन लोगों के लिए है जो खाद्य सुरक्षा योजना या किसी अन्य सरकारी योजना में रजिस्टर्ड होते हैं।

आमतौर पर आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया काफी सरल होती है। अगर किसी का नाम सरकारी योजना में दर्ज होता है, तो केवल आधार कार्ड की कॉपी अपलोड करने से कार्ड बन जाता है। लेकिन इस घोटाले में, एजेंसी और अस्पताल के मालिक ने इस प्रक्रिया का गलत तरीके से फायदा उठाया। दरअसल गरीबों को आयुष्मान कार्ड बनाने में दिक्कत न हो, इसलिए आवेदन करने की प्रक्रिया बेहद साधारण है। अगर किसी का नाम खाद्य सुरक्षा योजना या गरीबों के लिए चलने वाली किसी भी योजना के तहत दर्ज है, तो आयुष्मान पोर्टल पर जाकर सिर्फ आधार कार्ड की कॉपी अपलोड करनी पड़ती है। अगर डेटा मैच हो गया तो तुरंत आयुष्मान कार्ड बन जाता है। लेकिन अगर किसी का डेटा मैच न हो या फिर उसका नाम किसी योजना में रजिस्टर न हो तो ऐसे लोगों को अपने डॉक्यूमेंट के वेरिफिकेशन के लिए आयुष्मान कार्ड सेंटर जाना होता है। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का काम सरकार ने प्राइवेट एजेंसीस को दे रखा है। गुजरात में ये काम इंसर कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के पास है।

ख्याति हॉस्पिटल के मालिक ने इस एजेंसी के साथ सांठगांठ कर रखी थी। जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं होता था, उन्हें भर्ती करने के बाद सबसे पहले इस एजेंसी के पास उनके दस्तावेज भेजे जाते थे। इसके बाद 15 मिनट में आयुष्मान कार्ड बनकर आ जाता था। बात इतनी ही नहीं जिन लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाता वे शारीरिक रूप से स्वस्थ होते। इसके बाद आयुष्मान योजना के तहत ऑपरेशन किया जाता था।

क्राइम ब्रांच के ज्वाइंट कमिश्नर शरद सिंघला बताते है कि उन्होंने आरोपियों की कहानी का सच जानने के लिए अपना आयुष्मान कार्ड बनाने को कहा तो आरोपियों ने 15 मिनट में ज्वाइंट कमिश्नर का आयुष्मान कार्ड बनाकर दे दिया।

गुजरात पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह मामला सामने आया। अहमदाबाद के ज्वाइंट कमिश्नर शरद सिंघला ने अपने आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आरोपियों से संपर्क किया और उन्हें 15 मिनट में कार्ड तैयार कर दिया गया। इस घटना के बाद, पुलिस ने इस गिरोह के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी। इसके अलावा, आयुष्मान कार्ड बनाने वाली कंपनी के कर्मचारियों ने भी भ्रष्टाचार के तहत कार्ड बनाने का काम किया था। इस घोटाले के खुलासे के बाद, केंद्र सरकार को आयुष्मान योजना के पोर्टल को अपडेट करने की जरुरत है सुनिश्चित किया जाए भविष्य में ऐसे मामलों को रोका जा सके। इसके अलावा, गुजरात के सभी अस्पतालों का ऑडिट करना जरुरी है इस घोटाले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भ्रष्टाचार करने वाले लोग किसी भी योजना का फायदा उठा सकते हैं और इसके जरिए आम लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर सकते हैं। मरीजों के परिजनों ने बताया कि अस्पताल ने बिना किसी अनुमति के ऑपरेशन किया और इसके लिए उनसे अतिरिक्त पैसे भी वसूले। एक मरीज के बेटे ने बताया कि उनके पिता का ऑपरेशन बिना उनकी सहमति के किया गया और 14 हजार रुपये अलग से वसूले गए। इस पूरे मामले के दौरान, अस्पताल के मेडिकल प्रशासन से संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने जवाब देने से इंकार कर दिया और कहा कि वे जांच के दौरान पुलिस से ही बात करेंगे।

यह घोटाला यह साबित करता है कि आयुष्मान योजना का उद्देश्य नेक था, लेकिन भ्रष्टाचार और लालच ने इसे बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया। सरकार को इस प्रकार के मामलों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए, ताकि गरीबों को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाएं सही मायने में उन्हें मिल सकें। अगर किसी को इस योजना में गड़बड़ी का सामना हो या कोई भी योजना का दुरुपयोग देखे, तो उन्हें इसकी सूचना सरकार को देनी चाहिए।

भारतीय शिक्षा के लिए परिवर्तनकारी वर्ष 2024

विजय गर्ग

वर्ष 2024 भारत की शिक्षा प्रणाली के विकास में एक मील का पत्थर था, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 द्वारा संचालित परिवर्तनकारी परिवर्तन, अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति और समावेशिता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता देखी गई। नीति, नवाचार और दूरदर्शिता के इस संगम ने एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की ओर एक निर्णायक छलांग लगाई जो वास्तव में भविष्य के लिए तैयार और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी है। हालाँकि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह सकारात्मक गति हमारी प्राथमिकताओं को सही दिशा में ले जाने में मदद करेगी। एनईपी 2020 ने सभी स्तरों पर शिक्षा को नया आकार देते हुए व्यापक सुधार की गति निर्धारित की। जैसा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, बहु-विषयक दृष्टिकोण, लचीले पाठ्यक्रम और अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट ने लोकप्रियता हासिल की है, 70% से अधिक विश्वविद्यालयों ने क्रेडिट ट्रांसफर तंत्र को अपनाया है। क्षेत्रीय भाषा शिक्षण पर नीति के फोकस में वृद्धि देखी गई, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों ने मूलभूत शिक्षार्थियों के लिए बहुभाषी पाठ्यपुस्तकें शुरू कीं, जो भाषिनी जैसे एआई-सक्षम अनुवाद टूल द्वारा समर्थित हैं। एनईपी ने व्यावसायिक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया, इसे उद्योग मानकों के साथ जोड़ा। स्किल इंडिया कार्यक्रम जैसी पहल ने बताया कि 1.5 मिलियन छात्रों को एआई और नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर कृषि-तकनीक तक के क्षेत्रों में प्रमाणपत्र प्राप्त हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। इन विकासों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता को रोजगारपरक कौशल के साथ मिश्रित करने के भारत के दृढ़ संकल्प को रेखांकित किया। प्रौद्योगिकी ने शैक्षिक असमानताओं को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरकारी प्लेटफ़ॉर्म, बहुभाषी ई-संसाधनों के भंडार के साथ, 35 मिलियन से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करते हैं, मुख्य रूप से वंचित क्षेत्रों में। देश के दूर-दराज के इलाकों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ी है। एआई-संचालित वैयक्तिकृत शिक्षण उपकरणों ने लोकप्रियता हासिल की। शिक्षा मंत्रालय ने एआर और वीआर प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित वर्चुअल लैब को बढ़ावा दिया, जो परिवर्तनकारी उपकरण के रूप में उभरे, जो भौतिक प्रयोगशाला पहुंच के बिना छात्रों को गहन विज्ञान प्रयोग और तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। शिक्षा मंत्रालय ने इंटेल के सहयोग से एआई फॉर ऑल प्रोग्राम भी लॉन्च किया। कर्नाटक ने माइक्रोसॉफ्ट रिसर्च इंडिया के सहयोग से शिक्षक प्रशिक्षण के लिए एआई-संचालित डिजिटल सहायक, शिक्षा सह-पायलट लॉन्च किया। परियोजना का उद्देश्य सीखने के परिणामों में सुधार करना और शिक्षकों को स्थानीय पाठ्यक्रम, भाषा और संदर्भ पर आधारित व्यापक, व्यक्तिगत शिक्षण संसाधन और सीखने के अनुभव बनाने के लिए सशक्त बनाना है। युवा मन में जुनून जगाने के प्रयास के अलावा ऐसी और पहलों का स्वागत किया जाएगा। उभरते उद्योगों की मांगों को पूरा करने के लिए प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) जैसे कार्यक्रमों के विस्तार के साथ, 2024 में व्यावसायिक प्रशिक्षण पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया। कॉरपोरेट्स के साथ सहयोग ने सुनिश्चित किया कि छात्रों को एआई-आधारित डायग्नोस्टिक्स और टिकाऊ विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। शैक्षणिक संस्थानों और टाटा, इंफोसिस, विप्रो, रिलायंस आदि जैसे कॉर्पोरेट दिग्गजों के बीच साझेदारी ने सुनिश्चित किया कि छात्रों को वास्तविक दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त हो। नीति आयोग के अनुसार, 2024 में 1.2 मिलियन से अधिक छात्रों ने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया, जो कौशल-आधारित शिक्षा की बढ़ती अपील को दर्शाता है। यह दुनिया भर में सफल पारंपरिक रुझानों के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है, खासकर जर्मनी जैसे देशों मेंव्यावसायिक शिक्षा पसंद की एक धारा है। भारतीय शिक्षा ने अग्रणी विश्वविद्यालयों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ साझेदारी के माध्यम से विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण प्रगति की है। मेलबर्न विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी उपस्थिति को और गहरा करते हुए दिल्ली में अपने पहले वैश्विक केंद्र का उद्घाटन किया। आईआईटी बॉम्बे ने हाल ही में तोहुकु विश्वविद्यालय, जापान के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है जो छात्रों को एमटेक और पीएचडी दोहरे डिग्री कार्यक्रम प्रदान करेगा। सिस्टर निवेदिता यूनिवर्सिटी (एसएनयू) ने फेडरेशन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों के साथ भी अपना सहयोग तेज कर दिया है।

स्मार्ट बनने के चक्कर में

चाय की टपरी पर ठहाके गूंज रहे थे। उसी वक्त, एक युवक चाय के लिए आया और पूछा, "अरे भाई, क्या चल रहा है?" वहीं बैठे पंडित जी ने जवाब दिया, "भाई, हम नमस्ते के बजाय 'कौन है?' बोलने की योजना बना रहे हैं।" युवक ने भी अपने स्मार्टफोन को दिखाते हुए कहा, "अरे, ये तो नया ट्रेंड है। मैं भी आज से इसी से शुरू करूंगा। फोन उठाकर कहूंगा, 'कौन है?'""शानदार!" चंदर भैया बोले, "अब हमें किसी से भी बात करने के लिए इंट्रोडक्शन की जरूरत नहीं। सीधे काम की बात, नो बकवास। जैसे, 'क्या खा रहे हो?' 'कौन सा जूता पहना है?' ये सब सबसे जरूरी हैं, ना?"सभी ठहाके लगाए जा रहे थे। रामु चायवाला ने फिर से आवाज उठाई, "भाई, क्या आपको याद है कि जब हम छोटे थे, तो 'नमस्ते' के साथ हंसते हुए या बिना वजह के ही मिलते थे। अब तो सब कुछ प्रोफेशनल हो गया है। लोग एक-दूसरे से ऐसे मिलते हैं जैसे कोई टेंडर खोल रहा हो।"तभी एक और गांववाला, जो खैनी चबाते हुए आया, बोला, "भाई, अब तो लोग हाथ मिलाने की जगह डिजिटल ग्रीटिंग्स करते हैं। सीधे 'हैलो' के बजाय 'सुप्रभात' करने में समय बर्बाद क्यों करें? हम तो अब सब कुछ ऐप्स से कर सकते हैं। अगर आपसे बात करनी है, तो व्हाट्सएप पर मैसेज कर देते हैं, फिर आप देखते रहिए कि कौन जवाब देता है।"पंडित जी ने मुस्कुराते हुए कहा, "तो इसका मतलब, अब हमें 'नमस्ते' की कोई जरूरत नहीं।

जैसे-जैसे हम आधुनिक होते जा रहे हैं, वैसै-वैसे हमारी संवाद की शैली भी बेतुकी होती जा रही है। पहले लोग एक-दूसरे से सीधे मिलते थे, अब तो एक-दूसरे को पहचानने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लेना पड़ता है।"गोलू ने एक और गप्प हाँकी, "भाई, अगर 'नमस्ते' की जगह 'कौन है?' चलता है, तो सोचिए, अगली पीढ़ी क्या करेगी? वे 'क्या हो रहा है?' से शुरू करेंगे। फिर हमसे कोई यह भी नहीं पूछेगा कि चाय में चीनी कितनी है। अब तो सबकुछ स्मार्ट और शार्प हो गया है। मोबाइल स्मार्ट, लोग स्मार्ट, और सवाल भी स्मार्ट।"सबकी हंसी फिर से गूंजने लगी। उसी वक्त, चायवाले रामु ने कहा, "क्यों ना हम आज से 'नमस्ते' को बाय-बाय कह दें और 'कौन है?' के साथ नई शुरुआत करें?"अंत में, पंडित जी ने कहा, "भाई, इस डिजिटल युग में अगर हमारी पहचान ही 'कौन है?' से शुरू होती है, तो फिर हमें अपनी आत्मा की खोज 'क्या है?' से शुरू करनी होगी। अब इसी नई पहचान में हमारे गांव की संस्कृति का अंश भी खो गया है। यह अजीब है कि पहले हम बिना नाम के मिले, और अब नाम के बिना मिलने का कोई मतलब नहीं।

"इस सब बातों के बीच, चाय का आनंद लेते हुए, गांव वालों ने ठान लिया कि वे 'नमस्ते' को अलविदा कहकर 'कौन है?' से नई दोस्ती की शुरुआत करेंगे। ऐसे ही, गांव के लोग मोबाइल की दुनिया में अपनी जगह बना रहे थे, और उनके संवाद की परंपरा बदलती जा रही थी।

अनोखा होगा कल्कि अवतार

सुरेश गांधी

पौराणिक कथाओं के अनुसार मथुरा भगवान कृष्ण का जन्मस्थान है। जैसे भगवान राम त्रेता युग में विष्णु के सातवे अवतार थे, वैसे ही कल्कि दसवें और अंतिम अवतार होंगे। जो कलियुग के अंत में घोड़े पर सवार होकर आएंगे। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार कल्कि का अवतरण अंधकारमय, पतित और अराजक कलियुग को समाप्त कर देगा और अगले, सत्य युग की शुरुआत करेगा। इतिहासकारों का मानना है कि पृथ्वीराज चौहान ने 12वीं शताब्दी में संभल में भगवान विष्णु के प्रसिद्ध मंदिर की स्थापना की होगी। संभल वह भूमि है जहां 'पुनर्जन्म लेने वाले भगवान।।के मंदिर का निर्माण हुआ और फिर उसे नष्ट कर दिया गया। बाद में जिस तरह अहिल्याबाई होल्कर ने देश के कई तीर्थ स्थलों का निर्माण करवाया उसी क्रम में कल्कि को समर्पित एक मंदिर 18वीं शताब्दी में संभल में भी बनवाया था। रिपोर्टों के अनुसार, 'कल्कि मंदिर' के नाम से प्रसिद्ध इस मंदिर का निर्माण मूल मंदिर के नष्ट होने के लगभग 300 वर्ष बाद, संभल में बाबर की शाही जामा मस्जिद के ठीक बगल में, किया गया था। कल्कि मंदिर संभल के कोट पूर्वी मोहल्ले में है और शाही जामा मस्जिद के पास है।

कल्कि पुराण के अनुसार भगवान परशुराम भगवान कल्कि के गुरु बनेंगे। भगवान कल्कि गुरुकुल में जाकर शिक्षा ग्रहण करेंगे। भगवान कल्कि को महेन्द्र पर्वत निवासी परशुराम अपने आश्रम में ले जाएंगे। वहां जाकर परशुराम भगवान कल्कि को अपना परिचय देते हुए कहेंगे- " मैं भृगु वंश मे उत्पन्न, महर्षि जमदग्नि का पुत्र, वेद-वेदाग के तत्व को जानने वाला, धनुर्वेद-विद्या- विशारद परशुराम हूं। मैं इस महेन्द्र पर्वत पर तपस्या करने के लिए आया हूं, आप यहां अपना वेदाध्ययन करो। इसके साथ ही कई शास्त्रों का अध्ययन करो।" बालक रूप में भगवान कल्कि ने परशुराम जी को प्रणाम किया और वेद और पुराणों के अध्ययन में लग गए। भगवान कल्कि केवल वेद और शास्त्रों के ज्ञाता ही नहीं होंगे बल्कि उन्हें तलवारबाजी सहित 64 युद्ध और अन्य कलाएं आती होंगी। भगवान कल्कि शिव जी के उपासक होंगे और तपस्या करके उन्हें प्रसन्न करेंगे। विल्वोदकेश्वर महादेव की पूजा और अर्चना करने पर देवी पार्वती सहित भगवान शिव प्रकट होंगे। महादेव से भगवान कल्कि को उनकी तलवार और और कई दिव्य शक्तियां मिलेंगी, जिससे वे इस संसार से अधर्म का नाश करेंगे। भगवान को उच्चैश्रवा के समान देवदत्त नामक सफेद अश्व शिवजी से ही प्राप्त होगा। संभल डीएम ने कूप, मंदिर खोज को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि देखिए कल्कि धाम संभल का प्राचीन नक्शा है जिसके मुताबिक हम लोग काम कर रहे हैं। इस दौरान मिल रहे प्राचीन निर्माणों का एएसआई से परीक्षण भी कराया जा रहा है।

संभल का कल्कि धाम दुनिया का पहला ऐसा धर्म स्थल होगा, जहां भगवान के जन्म से पहले ही उनकी मूर्ति स्थापित होगी। इस मंदिर का निर्माण श्री कल्कि धाम निर्माण ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है, जिसके अध्यक्ष आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं। संभल में बनने जा रहे श्री कल्कि धाम को विश्व का सबसे अनोखा मंदिर कहा जा रहा है। इस मंदिर में भगवान विष्णु के 10 अवतारों के लिए 10 अलग-अलग गर्भगृह होंगे। श्री कल्कि धाम मंदिर परिसर पांच एकड़ में बनकर तैयार होगा, जिसमें 5 वर्ष का समय लगेगा। इस मंदिर का निर्माण भी राजस्थान के भरतपुर जिले में स्थित बंशी पहाड़पुर के गुलाबी पत्थरों से होगा। गुजरात के सोमनाथ मंदिर और अयोध्या राम मंदिर का निर्माण भी यहीं के पत्थरों से हुआ है। मंदिर का निर्माण 11 फीट ऊंचे चबूतरे पर होगा, इसके शिखर की ऊंचाई 108 फीट होगा। मंदिर में 68 तीर्थों की स्थापना होगी, जबकि कहीं भी स्टील या लोहे का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। कल्कि धाम में भगवान कल्कि के नए विग्रह की स्थापना होगी, जबकि पुराना कल्कि पीठ यथावत बना रहेगा। **(समाप्त)**

सोमवती अमावस्या पर स्नान-दान का मुहूर्त

सोमवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या को सोमवती अमावस्या कहा जाता है। हिंदू धर्म में अमावस्या बहुत ही महत्वपूर्ण दिन माना जाता है और यह दिन पूर्वजों और पितरों को समर्पित होता है। इस बार सोमवती अमावस्या 30 दिसंबर, सोमवार को मनाई जाएगी। सोमवती अमावस्या साल में दो बार पड़ती है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान व दान करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है और कालसर्प दोष, पितृ दोष से भी मुक्ति मिलती है। सोमवती अमावस्या के दिन माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा का विधान है और पीपल के वृक्ष की भी पूजा की जाती है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, सोमवती अमावस्या की तिथि 30 दिसंबर को सुबह 4 बजकर 01 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 31 दिसंबर को सुबह 3 बजकर 56 मिनट पर होगा। इस दिन स्नान-दान का मुहूर्त सुबह 5 बजकर 24 मिनट से लेकर सुबह 6 बजकर 19 मिनट तक रहेगा।

साल की आखिरी अमावस्या । यानी सोमवती अमावस्या बहुत ही खास मानी जा रही है। सोमवती अमावस्या पर इस बार वृद्धि योग, ध्रुव योग, शिववास योग, नक्षत्र योग इन सभी योगों का संयोग बनने जा रहा है।

सोमवती अमावस्या पूजन विधि

सोमवती अमावस्या के दिन पूजा करने के लिए सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान कर लें। इस दिन गंगा स्नान का अधिक महत्व है इसलिए गंगा स्नान जरूर करें और इसके बाद सूर्यदेव को अर्घ्य दें। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से विशेष कृपा प्राप्त होती है और पूजन के बाद योग्यतानुसार दान-पुण्य करें।

सोमवती अमावस्या की व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक राज्य में एक गरीब ब्राह्मण रहता था। पैसों की कमी के कारण उसकी पुत्री का विवाह नहीं हो पा रहा था। अपनी गरीबी से परेशान होकर एक दिन ब्राह्मण दंपत्ति ने एक साधु से इसका उपाय पूछा, तो साधु ने बताया कि पास के गांव में एक धोबिन है, जो अपने बेटे और बहू के साथ रहती है। यदि आपकी बेटी उस धोबिन की सेवा करें तो धोबिन खुश होकर उसे अपनी मांग का सिंदूर दे देगी, जिससे कन्या का विवाह तय हो जाएगा। यह सुनकर कन्या धोबिन के घर जाकर सारा काम करने लगी और इसका पता धोबिन व उसकी बहू को नहीं चल पाया। एक दिन धोबी ने अपनी बहू से पूछा कि तुम इतना सारा काम इतनी जल्दी कैसे कर लेती हो तो बहू बोली मुझे लगा कि आप यह सारा काम करती हैं। धोबिन चौंक गई और उसने नजर रखना शुरू किया। धोबिन ने जब सुबह उठकर देखा तो एक कन्या चुपचाप उसके घर का सारा काम कर रही थी। कई दिनों तक ऐसा चलता रहा। एक दिन धोबिन ने उस कन्या से कारण पूछा।

कन्या ने साधु द्वारा कही सारी बात धोबिन को बता दी। उसकी बात सुनकर धोबिन ने अपनी मांग का सिंदूर उसे दिया और उसी समय धोबिन के पति की मृत्यु हो गई। उससे दुखी होकर कन्या घर से निकल पड़ी और एक पीपल के पेड़ के पास पहुंचकर 108 ईटों के टुकड़े लिये और उन टुकड़ों को 108 बार परिक्रमा करके एक-एक बार फेंकने लगी। कन्या के ऐसा करने से धोबिन का पति जीवित हो गया। पीपल के पेड़ की परिक्रमा के कारण कन्या को शुभ फल की प्राप्ति है।

दिल्ली में चाणक्यपुरी में भीम ने की थी भैरोनाथ की स्थापना

भैरव मंदिर की स्थापना और मान्यता दिल्ली के नेहरू पार्क चाणक्यपुरी में स्थित बटुक भैरव मंदिर की स्थापना पांच पांडवों में से एक भीमसेन ने की थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाभारत के युद्ध के दौरान भीमसेन काशी से भैरव बाबा को सुरक्षा और विजय की कामना के लिए दिल्ली लेकर आए थे। भीम बाबा को यह वचन लेकर चले थे कि वो उन्हें रास्ते में कंधे से नहीं उतरेंगे।

लेकिन दिल्ली आते-आते बाबा ने भीम को भ्रमित कर दिया और उनका वचन टूट गया।

भीम ने जब दोबारा उठने का प्रयास किया तो वो उठ नहीं पाए। तब बाबा भैरव ने अपनी शक्ति का परिचय देते हुए कुएं की मुंडेर पर विराजने का निश्चय किया। भीमसेन के प्रार्थना करने पर भी बाबा ने अपनी स्थिति नहीं बदली और तभी से वो यहीं स्थायी रूप से विराजमान हैं।

भैरव बाबा को संकटमोचक और दसों दिशाओं के रक्षक माना जाता है। भैरव जयंती के दिन भक्त बड़ी संख्या में मंदिरों में आते हैं और विशेष अनुष्ठान करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन बाबा भैरव की पूजा करने से सभी संकटों से मुक्ति मिलती है और सुख-शांति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह पर्व दिल्ली में विशेष श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है।

मान्यताओं के अनुसार, दिल्ली स्थित बटुक भैरो का यह मंदिर हजारों साल पुराना है। हालांकि इसकी बनावट बहुत पुरानी नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि समय-समय पर मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य होता रहा है। इस मंदिर में भैरोनाथ की बड़ी-बड़ी आंखें नजर आती हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत है कि यहां बाबा भैरो नाथ को प्रसाद के रूप में मदिरा चढ़ाई जाती है।

चमत्कारों से भरा है प्रयागराज का यह मंदिर

इसका दर्शन करने के बाद ही मिलता है महाकुंभ स्नान का पूर्ण फल

महाकुंभ का शुभारंभ जनवरी की 13 तारीख से होने जा रहा है। नागा साधुओं के अखाड़े धीरे-धीरे प्रयागराज के संगम स्थल पर पहुंच रहे हैं। साथ ही कई श्रद्धालु भी महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए प्रयागराज पहुंचेंगे। महाकुंभ के दौरान पवित्र स्नान करने के साथ ही यहां स्थिति मंदिरों के दर्शन भी भक्त करते हैं। साथ ही प्रयागराज में एक ऐसा मंदिर भी है, जिसको लेकर मान्यता है कि, संगम में डुबकी लगाने का पुण्य फल भक्तों को तभी प्राप्त होता है जब इस मंदिर के दर्शन किए जाते हैं। आइए विस्तार से जानते हैं प्रयागराज के इस मंदिर के बारे में।

प्रयागराज का चमत्कारी मंदिर

जिस मंदिर के विषय में आज हम आपको बताने वाले हैं उसका नाम है नागवासुकी मंदिर। माना जाता है कि वासुकी नाग ने सृष्टि की रचना और संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। साथ ही इस मंदिर को नागों की कुंडलिनी शक्ति का प्रतीक भी माना जाता है। इस मंदिर में पूजा करने से आध्यात्मिक उन्नति व्यक्ति को प्राप्त होती है। यहां पर की गई पूजा से कालसर्प दोष से भी मुक्ति मिलती है।

समुद्र मंथन में निभाई थी महत्वपूर्ण भूमिका

सर्पराज नागवासुकी ने समुद्रमंथन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। देवताओं और असुरों ने रस्सी के रूप में समुद्र मंथन में भाग लिया था। माना जाता है कि, मंथन के दौरान शरीर के छिल जाने पर नागवासुकी ने प्रयागराज के त्रिवेश संगम में स्नान करके ही घावों की पीड़ा से मुक्ति पायी थी। फिर यहीं पर वासुकी नाग ने विश्राम किया था। बाद में देवताओं के आग्रह पर यहीं पर वासुकी नाग ने निवास करने का निर्णय लिया।

इसलिए महाकुंभ स्नान के बाद दर्शन जरूरी

जब देवताओं के कहने पर वासुकी यहां रुके तो उन्होंने इसके लिए एक शर्त भी रखी। उन्होंने कहा कि संगम में स्नान के बाद भक्तों द्वारा मेरे दर्शन करना अनिवार्य होगा। इसलिए माना जाता है कि, महाकुंभ के दौरान भी स्नान करने के बाद नागवासुकी के दर्शन अवश्य करने चाहिए, इसके बाद ही आपको पवित्र स्नान का शुभ फल प्राप्त होता है।

नागवासुकी मंदिर में वासुकी जी के भव्य मूर्ति स्थित है। गंगा नदी के किनारे बसा यह मंदिर आध्यात्मिकता का भी प्रमुख केंद्र है। यहां कालसर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए पूजा अर्चना भी की जाती है। महाकुंभ के साथ ही नाग पंचमी, सावन आदि प्रमुख मौकों पर भी यहां भक्तों का तांता लगा रहता है।

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान ये 5 घाट रहेंगे आकर्षण का केंद्र

धर्म नगरी प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 से महाकुंभ का मेला लगेगा। महाकुंभ का पावन पर्व लगभग 45 दिनों तक रहेगा और 26 फरवरी को अंतिम शाही स्नान किया जाएगा। महाकुंभ के दौरान भारी संख्या में भक्त प्रयागराज आते हैं। इस दौरान संगम घाट के साथ ही अन्य घाटों पर भी श्रद्धालुओं के द्वारा स्नान-दान किया जाता है। महाकुंभ के दौरान नदियों का जल अमृत में बदल जाता है, इसलिए श्रद्धालु इस अवसर का लाभ उठाने के लिए पवित्र नदियों में डुबकी लगाते हैं। ऐसे में आज हम आपको प्रयागराज के प्रमुख घाटों के बारे में अपने इस लेख में जानकारी देने वाले हैं।

संगम घाट

यह प्रयागराज का सबसे प्रसिद्ध और पवित्र घाट है। इसी जगह पर गंगा, यमुना और प्राचीन सरस्वती नदियों का संगम स्थल है। इसीलिए इस जगह को त्रिवेणी घाट के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि, इस स्थान पर डुबकी लगाने से भक्तों के सभी पापों का नाश होता है। इस घाट पर नहाने से आपको मानसिक रूप से अलौकिक अनुभवों की प्राप्ति हो सकती है। हालांकि, ऐसा तभी संभव होता है जब आप भक्तिभाव और पूरी श्रद्धा से यहां डुबकी लगाते हैं।

अरैल घाट

इस घाट को योग-ध्यान और आध्यात्मिक उन्नति के लिए बेहद खास माना जाता है। इस घाट पर बहुत कम श्रद्धालु होते हैं, इसलिए आध्यात्मिक पथ पर अग्रसर लोग ध्यान योग के लिए यहां आते हैं। साथ ही इस घाट पर डुबकी लगाने से भी आपको शुभ फलों की प्राप्ति होती है। जिन लोगों को भीड़भाड़ से दूर रहना पसंद है, उनके लिए यह जगह आदर्श है।

राम घाट

यह घाट संगम घाट से बेहद नजदीक है। इस घाट पर शाम के समय आरती की जाती है, जोकि आकर्षण का एक केंद्र भी है। इस घाट को ऐतिहासिक माना गया है। यहां जाकर आप बोटिंग का आनंद भी ले सकते हैं। साथ ही महाकुंभ के दौरान भक्त इस घाट पर स्नान भी करते हैं। संगम घाट के साथ ही इस घाट को भी बेहद प्रसिद्ध माना जाता है।

दशाश्वमेध घाट

यह भी प्रयागराज के प्रमुख घाटों में से एक है। इसका नाम अश्वमेध यज्ञ से जुड़ा है, जिसे राजा भगीरथ ने गंगा को पृथ्वी पर लाने के लिए किया था। इस स्थान पर नियमित रूप से गंगा आरती का आयोजन किया जाता है। इस घाट पर भी भक्त डुबकी लगाने आते हैं।

लक्ष्मी घाट

इस घाट को धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहद खास माना जाता है। यहां सुख-समृद्धि और धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही महाकुंभ के दौरान भी भक्त इस घाट में पूजा-अर्चना करते देखे जाते हैं।

ऊपर बताए गए घाटों के अलावा हनुमान घाट, श्रीवास्तव घाट, नरौरा घाट, खुसरो बाग घाट और किला घाट भी प्रयागराज के प्रसिद्ध घाटों में शामिल हैं। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज के लगभग हर घाट पर श्रद्धालु दिखने को मिल जाते हैं।

नागार्जुन ने की बहू शोभिता धुलिपाला की तारीफ बोले- काफी समय से एक्ट्रेस को जानता हूं

साउथ एक्टर नागा चैतन्य ने हाल ही में शोभिता धुलिपाला से शादी की है। इस बीच एक्टर के पिता नागार्जुन ने शोभिता को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि वो शोभिता और चैतन्य की शादी के पहले से ही एक्ट्रेस को जानते हैं। इस दौरान उन्होंने शोभिता की काफी तारीफ भी की।

नागार्जुन ने एक इंटरव्यू में बताया कि वो शोभिता को काफी समय से जानते हैं। एक्टर ने कहा, मैं शोभिता को जब से जानता हूं तब चैतन्य उससे मिला भी नहीं था। वो काफी अच्छी लड़की और प्यारी लड़की है। मुझे उसमें सबसे अच्छी चीज लगती है कि वो जिंदगी अपने हिसाब से जीती है। नागार्जुन ने शोभिता के काम की तारीफ करते हुए कहा- उसने जितनी भी फिल्मों में अब तक काम किया है वो अपनी समझ से किया है। शोभिता चाहती तो काफी फिल्में कर सकती थी लेकिन वो वही करती है जो उसको अच्छा लगता है।नागार्जुन ने आगे कहा- वो दोनों साथ में काफी खुश हैं। उनका रिलेशनशिप काफी अच्छा है। मैं दोनों के लिए, काफी खुश हूं, सबसे ज्यादा चैतन्य के लिए।

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला ने 4 दिसंबर, 2024 को शादी की थी। यह शादी हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में हुई थी। शादी में परिवार और दोस्त शामिल हुए थे। इस शादी में शोभिता ने पारंपरिक साड़ी पहनी थी और नागा चैतन्य ने अपने दादाजी का पांचा पहना था। शोभिता से शादी करने से पहले नागा चैतन्य ने सामंथा रुथ प्रभु से 6 अक्टूबर 2017 को गोवा में पहले हिंदू रीति-रिवाज और फिर 7 अक्टूबर को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की थी। शादी के बाद से ही सामंथा ने अपने नाम में अक्किनेनी लगा लिया था। हालांकि अलग होने की खबरों के बीच ही सामंथा ने अपने ट्विटर हैंडल से अक्किनेनी हटाकर इसे सामंथा रुथ प्रभु कर लिया था। 6 अक्टूबर,2021 को दोनों की शादी के चार साल पूरे होने वाले थे लेकिन इससे पहले ही दोनों का तलाक हो गया था।

एस एस राजामौली की फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका चोपड़ा

अफ्रीकन जंगल एडवेंचर में महेश बाबू के साथ आएंगी नजर

प्रियंका चोपड़ा बीते लंबे समय से इंडियन सिनेमा में कमबैक का इंतजार कर रही हैं। कुछ समय पहले प्रियंका फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा से कमबैक करने वाली थीं, हालांकि अब ये फिल्म बंद होती नजर आ रही है। इसी बीच प्रियंका ने एस एस राजामौली की अपकमिंग तेलुगु फिल्म साइन कर ली है।

ये फिल्म अफ्रीकी जंगल एडवेंचर पर आधारित होने वाली है, हालांकि अब तक इसका टाइटल तय नहीं किया गया है। फिल्म में महेश बाबू एक रिसर्चर की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में आई पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, बाहुबली और आरआरआर की कामयाबी के बाद एस एस राजामौली महाकाव्य पर फिल्म बना रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार कर ली है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2025 से शुरू करेंगी, वहीं महेश बाबू के साथ फिल्म 2026 में फिलमाई जाएगी। फिल्म की शूटिंग भारत के अलावा अमेरिका और अफ्रीकी जंगलों में भी होने वाली है। इस फिल्म को 2027 में रिलीज करने की तैयारी है।

पैन इंडिया फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका

रिपोर्ट के अनुसार ये तेलुगु फिल्म पैन इंडिया होने वाली है, जिसे हिंदी, तमिल, मलयाली और कन्नड़ भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म के लिए एस एस राजामौली ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में थे, जो ग्लोबली पहचान रखती हों। बीते 5-6 महीने में उन्होंने कई बार प्रियंका से मुलाकात की और उनका नाम फाइनल किया। इस फिल्म को ग्लोबल लेवल तक पहुंचाने के लिए डिज्नी और सोनी पिक्चर्स जैसे बड़े स्टूडियोज से बात जारी है।

फरहान अख्तर की जी ले जरा, डब्बा बंद होने की कगार पर

साल 2021 में फरहान अख्तर ने फिल्म जी ले जरा की अनाउंसमेंट की थी, जिसमें प्रियंका चोपड़ा, आलिया भट्ट और कटरीना कैफ लीड रोल निभाने वाली थीं। हालांकि अब तक फिल्म डेवलपमेंट से जुड़ी कोई अपडेट सामने नहीं आई है। समय-समय पर खबरें आती रही हैं कि कटरीना और प्रियंका ने फिल्म छोड़ दी है। प्रियंका चोपड़ा की बात करें तो वो आखिरी बार भारतीय बड़े पर्दे की फिल्म द स्काय इज पिंक (2019) में नजर आई थीं। इसके बाद वो नेटफ्लिक्स की फिल्म द व्हाइट टाइगर (2021) में नजर आ चुकी हैं। बॉलीवुड या इंडियन न सही प्रियंका के पास हॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में हैं। वो जल्द ही द ब्लफ और हैड ऑफ स्टेट्स जैसी हॉलीवुड फिल्मों में दिखेंगी।

पत्नी ट्विंकल के जन्मदिन पर उत्साहित हुए अक्षय

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना इंडस्ट्री के पावर कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर लोगों को कपल गोल देते नजर आते हैं। वहीं, आज यानी 29 दिसंबर को ट्विंकल खन्ना अपना 51वां जन्मदिन मना रही हैं और इस खास अवसर पर अक्षय कुमार भी बेहद उत्साहित हैं। स्टार ने अपनी लेडी लव का एक मजेदार वीडियो साझा किया है। साथ ही उनके नाम एक प्यार भरा नोट भी लिखा है। अक्षय की पोस्ट पर प्रशंसक दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं।

अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना का एक दिलचस्प वीडियो साझा किया। वीडियो की शुरुआत टेक्स्ट से होती है 'हर कोई सोचता है कि मेरी पत्नी कैसी है' और इसमें ट्विंकल को शांति से बैठकर एक किताब पढ़ते हुए दिखाया गया है, फिर टेक्स्ट में दिखाया गया है 'लेकिन वह वास्तव में कैसी है' और क्लिप एक लापरवाह महिला की तरह उनके डांस पर आधारित है।

वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे, टीना तुम सिर्फ एक स्पोर्ट नहीं हो; तुम पूरा खेल हो। मैंने तुमसे बहुत कुछ सीखा है-जब तक मेरे पेट में दर्द न हो तब तक कैसे हंसना है (और तुम लगभग हमेशा ही इसकी वजह होती हो)। जब रेडियो पर कोई पसंदीदा गाना बजता है तो मैं दिल खोलकर कैसे गाऊं, और सिर्फ इसलिए डांस करूं क्योंकि मेरा मन करता है। तेरे वर्गा सच में होर कोई ना (तुम्हारे जैसा सच में कोई नहीं है)।'

प्रशंसकों ने लुटाया प्यार

अक्षय कुमार की पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गई है। इस क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा है, 'हैप्पी बर्थडे मिसेज खिलाड़ी।' दूसरे ने लिखा, 'आप दोनों जैसा कोई नहीं।' वहीं एक अन्य लिखते हैं, 'ये आज का बेस्ट वीडियो है।' ऐसे ही बाकी प्रशंसक भी ट्विंकल को जन्मदिन की बधाई देते हुए हार्ट और लव वाला इमोजी ड्रॉप कर रहे हैं।

जानकारी हो कि अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना ने 17 जनवरी 2001 को अबू जानी और संदीप खोसला के घर पर एक निजी समारोह में शादी की थी। इस जोड़े के दो बच्चे हैं, एक बेटा आरव और एक बेटी जिसका नाम नितारा है। काम के मोर्चे पर अक्षय कुमार को हाल ही में रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' में देखा गया था। उनके पास 'वेलकम टू द जंगल', 'हाउसफुल 5', 'स्काई फोर्स', 'जॉली एलएलबी 3' और 'भूत बंगला' जैसी फिल्में पाइपलाइन में हैं।

सलमान के साथ कभी रिश्ते में नहीं थीं प्रीति जिंटा बोलीं- वे मेरे सबसे अच्छे दोस्त हैं

सलमान खान के बर्थडे पर एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने एक पोस्ट किया था। इस पोस्ट पर एक फैन ने उनसे सवाल किया कि क्या उन्होंने कभी सलमान को डेट किया है। इस पर प्रीति ने जवाब दिया कि वे कभी भी एक्टर के साथ रिलेशनशिप में नहीं थीं। वे दोनों सिर्फ बहुत अच्छे दोस्त हैं।

प्रीति ने बर्थडे पर सलमान के साथ की तस्वीरें शेयर कीं। साथ ही कैप्शन में लिखा- हैप्पी बर्थडे सलमान खान। बस इतना कहना चाहती हूं कि मैं तुमसे सबसे ज्यादा प्यार करती हूं। बाकी मैं तुमसे बात करने पर बता दूंगी। और हां हमें और फोटोज चाहिए, नहीं तो मैं वही पुरानी फोटोज पोस्ट करती रहूंगी। प्रीति के इस पोस्ट पर एक्स हैंडल के एक यूजर ने लिखा- क्या आप दोनों ने कभी डेट किया है? यूजर के इस सवाल पर प्रीति ने कहा- नहीं, बिल्कुल नहीं। वह फैमिली है और मेरा सबसे करीबी दोस्त है। मेरे पति का भी दोस्त है।

बताते चलें, प्रीति और सलमान ने कई फिल्मों में एक साथ काम किया है। दोनों को 'हर दिल जो प्यार करेगा' (2000), 'चोरी चोरी चुपके चुपके' (2001), 'दिल ने जिसे अपना कहा' (2004), 'जान-ए-मन' (2006), और 'हीरोज' (2008) जैसी फिल्मों में साथ देखा गया था।

फिल्म 'लाहौर 1947' से एक्टिंग में वापसी करने वाली हैं प्रीति

प्रीति जिंटा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो फिल्म 'लाहौर 1947' से एक्टिंग में वापसी करने के लिए तैयार हैं। फिल्म का डायरेक्शन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं। फिल्म में सनी देओल भी लीड रोल में हैं। वहीं फिल्म के प्रोड्यूसर आमिर खान हैं।

क्यों पिट गई वरुण धवन की 160 करोड़ी फिल्म 'बेबी जॉन'?

साल 2024 के आखिरी में वरुण धवन की एक्शन मसाला मूवी 'बेबी जॉन' सिनेमाघरों में क्रिसमस के मौके पर रिलीज की गई। इसके जरिए साउथ एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आए। मूवी को क्रिटिक्स और दर्शकों की ओर से मिला-जुला रिएक्शन मिला। वरुण धवन के एक्शन को लोगों ने तारीफ की लेकिन, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई। फिल्म ने चार दिनों में 29 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया है। जबकि इसका बजट 160 करोड़ था। ऐसे में ये फिल्म के लिए बहुत ही बेकार आंकड़ा है। इसकी कमाई को देखकर कहना गलत नहीं होगा कि बॉलीवुड और साउथ का फार्मूला काम नहीं कर पाया।

रिपोर्ट की मानें तो 'बेबी जॉन' ने महज चार दिनों में 23.90 करोड़ का कलेक्शन किया है। 'पुष्पा 2' के आगे फिल्म का रंग फीका पड़ गया है। इसने ओपनिंग डे पर 11.25 करोड़, दूसरे दिन 4.75 करोड़, तीसरे दिन, 3.65 करोड़ और चौथे दिन 4.25 करोड़ का बिजनेस किया। इसकी कमाई के आंकड़े बता रहे हैं कि फिल्म के लिए बजट के जितना कमा पाना भी काफी मुश्किल है। इसके डायरेक्टर कलीस हैं। ऐसे में चलिए बताते हैं कि कैसे फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई है। इसकी कई वजहें हैं चलिए बताते हैं।

पिछले दिनों इसके पहले जूनियर एनटीआर की फिल्म 'देवरा पार्ट-1' रिलीज हुई। फिल्म को क्रिटिक्स की ओर से अच्छा रिस्पांस नहीं मिला लेकिन, ये कमर्शियली हिट ज़रूर रही। फिल्म में सैफ अली खान और जान्हवी कपूर रही। इसमें साउथ और बॉलीवुड का फॉर्मुला हिट रहा है। वहीं, सूर्या और बॉबी देओल की इसी फॉर्मूले पर बनी फिल्म 'कंगुवा' आई और वो फ्लॉप रही। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि इस फॉर्मूले के आधार पर दर्शकों के आगे अब कंटेंट पेश कर देने वाली धारणा नहीं चलने वाली है।

'पुष्पा 2' के आगे फीका पड़ा 'बेबी जॉन' का रंग

'बेबी जॉन' के आगे साल 2024 की बहुचर्चित फिल्म 'पुष्पा 2' थी। इसे दिसंबर के शुरुआत में 5 दिसंबर को रिलीज किया गया, लेकिन फिल्म रिलीज के 21-22 दिन बाद 'बेबी जॉन' की रिलीज के बीच भी बॉक्स ऑफिस पर रूल कर रही थी। ऐसे में लोगों ने रीमेक के बदले अल्लू अर्जुन की इस फिल्म को देखना ज्यादा पसंद किया। 'पुष्पा 2' के आगे जितनी भी फिल्में रिलीज हुईं कोई दम नहीं भर पाया। फिर चाहे वो 'मुफासा द लायन किंग' हो या फिर फैमिली ड्रामा मूवी 'वनवास'। क्रिसमस और न्यू ईयर की छुट्टी का फायदा 'बेबी जॉन' नहीं उठा पाई। इसके बदले 'पुष्पा 2' को पूरा फायदा मिला।

एक्शन पैक्ड अवतार में नजर आए सलमान खान, कहा- सुना है बहुत सारे लोग मेरे पीछे पड़े हैं, बस मेरे मुड़ने की देर है

सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म सिकंदर का टीजर आज रिलीज कर दिया गया है। टीजर में सलमान खान का दमदार एक्शन देखने मिल रहा है। वहीं टीजर का बैकग्राउंड म्यूजिक जबरदस्त है। फिल्म सिकंदर के डायरेक्टर ए.आर.मुरुगदास ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से टीजर रिलीज होने की अनाउंसमेंट की है। इसे नाडियाडवाला ग्रैंडसन के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। टीजर में सिकंदर के किरदार में नजर आए सलमान खान एक साथ कई मास्क पहने हुए लोगों का सामना करते नजर आए हैं।

टीजर में उनका डायलॉग है, सुना है बहुत सारे लोग मेरे पीछे पड़े हैं, बस मेरे मुड़ने की देर है। इस डायलॉग के साथ ही बेहतरीन बैकग्राउंड साउंड के साथ सलमान खान एक-एक कर सबको ढेर करते हैं। शुरुआत में फिल्म सिकंदर का टीजर 27 दिसंबर को सलमान खान के 59वें जन्मदिन के खास मौके पर रिलीज किया जाने वाला था। हालांकि ठीक एक दिन पहले 26 सितंबर को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की खबर आते ही मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया था।

रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगे सलमान खान

सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म सिकंदर साल 2025 में ईद के मौके पर रिलीज की जाएगी। फिल्म को साथ के मशहूर डायरेक्टर ए.आर.मुरुगदास डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले मुरुगदास गजनी, हॉलिडे और अकीरा जैसी हिंदी फिल्में डायरेक्ट कर चुके हैं। फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का स्ट्रीमिंग पार्टनर नेटफ्लिक्स है।

दीपिका पादुकोण की वजह से होगी 'कल्कि 2' में देरी? इसके पीछे की बड़ी वजह

कल्कि 2898 एडी की अपार सफलता के बाद से ही फिल्म के प्रशंसक बेसब्री से इसके सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म के प्रशंसकों को थोड़ा और ज्यादा इंतजार करना पड़ सकता है। कथित तौर पर, कल्कि 2 की शूटिंग 2025 की गर्मियों में शुरू होनी थी, लेकिन इसकी शूटिंग में थोड़ी और देरी हो सकती है क्योंकि दीपिका अपनी बेटी दुआ की वजह से जल्दी काम पर लौटना नहीं चाहती हैं, जिसकी वजह से इसकी शूटिंग में और देरी हो सकती है।

हाल ही में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने मुंबई में एक निजी कार्यक्रम आयोजित किया, जहां उन्होंने अपनी बेटी दुआ से पैपराजी को मिलवाया। वहीं इसी बीच मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान जब दीपिका से कल्कि 2 के बारे में पूछा गया तो इस पर, अभिनेत्री ने कहा कि बेबी दुआ उनकी पहली प्राथमिकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस दौरान दीपिका ने कहा कि वह अपनी आगामी फिल्मों पर जल्दी काम शुरू नहीं करेंगी क्योंकि वह अपनी छोटी राजकुमारी को किसी नैनी के हाथों में नहीं सौंपना चाहती हैं। दीपिका ने यह भी कहा, मैं अपनी बेटी को खुद पालूंगी, ठीक वैसे ही जैसे मेरी मां ने मुझे पाला है।

दीपिका और रणवीर ने 8 सितंबर, 2024 को अपनी बेटी दुआ पादुकोण सिंह का स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी पोस्ट के जरिए अपनी बेटी के आने की खबर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। नवंबर में, कपल ने खुलासा किया कि उन्होंने उसका नाम दुआ रखा है, और इसका महत्व समझाया। उन्होंने लिखा, दुआ पादुकोण सिंह 'दुआ', जिसका अर्थ है प्रार्थना। क्योंकि वह हमारी प्रार्थनाओं का जवाब है। हमारे दिल प्यार और कृतज्ञता से भरे हुए हैं। दीपिका और रणवीर। इस बीच, कल्कि 2898 एडी की बात करें तो यह फिल्म इसी साल 27 जून को रिलीज हुई थी और इसमें प्रभास, कमल हासन और अमिताभ बच्चन ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसकी रिलीज के बाद से ही प्रशंसक फिल्म कल्कि 2 के आने का इंतजार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इससे पहले, निर्देशक नाग अश्विन ने 'कल्कि' में दीपिका के किरदार की प्रशंसा करते हुए कहा, वह कहानी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जब हम लिख रहे थे, तब भी हमने इस पर बहुत चर्चा की थी। मुझे लगता है कि हम जिस सबसे सरल उत्तर पर पहुंचे, वह यह था कि आप किसका किरदार हटा दें और कहानी मौजूद न रहे? और वह दीपिका का किरदार बन गया। क्योंकि अगर आप उसका किरदार हटा दें, तो कहानी नहीं रहेगी। कोई कल्कि नहीं रहेगा।

स्टाइलिश लुक में स्पॉट हुए विक्की-कैटरीना कैफ? एक साथ मनाएंगे नया साल

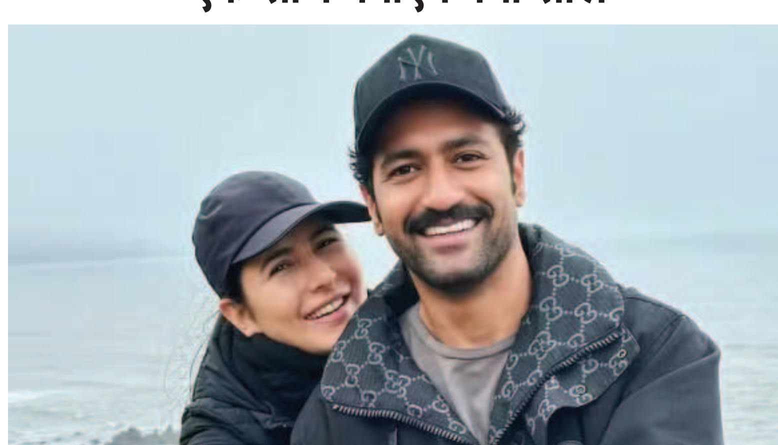

विक्की कौशल और कैटरीना कैफ बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं, जिन्हें एक साथ देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हो जाते हैं। हाल ही में, इस जोड़े को अपने नए साल की छुट्टियों के लिए मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। 29 दिसंबर को विक्की कौशल और कैटरीना कैफ एयरपोर्ट पर स्टाइलिश अंदाज में नजर आए। नए साल से पहले यह जोड़ा मुंबई से किसी खास नया साल मनाने के लिए रवाना हुआ।

अपने हालिया एयरपोर्ट अपीयरेंस में कैटरीना ग्रे स्वेटशर्ट और स्वेटपैंट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जिसे उन्होंने सफेद टी-शर्ट के साथ पेयर किया था। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा और स्टाइलिश सनग्लासेस के साथ अपने लुक को पूरा किया, साथ ही उन्होंने नेचुरल, नो-मेकअप लुक चुना। वहीं, विक्की कौशल डेनिम जींस के साथ सफेद लिनन शर्ट में हमेशा की तरह हैंडसम दिखाई दिए।

कैटरीना और विक्की की शादी को तीन साल से ज्यादा हो गए हैं। हाल ही में इस जोड़े ने लंदन में अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ क्रिसमस मनाया, जिसकी कई तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। काम की बात करें तो कैटरीना आखिरी बार श्रीराम राघवन की फिल्म मेरी क्रिसमस में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने विजय सेतुपति के साथ काम किया। इसके बाद, उनकी आने वाली फिल्मों में आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा के साथ जी ले जरा है, जिसका निर्देशन फरहान अख्तर करेंगे। हालांकि, फिल्म को लेकर अभीतक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

वहीं, विक्की कौशल के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, जिनमें संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित लव एंड वॉर भी शामिल है, जिसमें वह रणवीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह फिल्म 20 मार्च, 2026 को रिलीज हो सकती है। इसके अलावा, विक्की के पास 'छावा' है , जिसमें वह रश्मिका मंदाना के साथ नजर आएंगे। छावा के अलावा विक्की 'महावतार' में भी नजर आएंगे।

सीखने की कोई उम्र नहीं, कभी भी हो सकती है शुरुआत, मोटिवेशन के टिप्स

हारलैंड सैंडर्स की कहानी से यह सीख मिलती है कि नई चीजें सीखने और करने का जज्बा हो तो सफलता किसी भी उम्र में कदम चूम सकती है। इसलिए हम जानेंगे कि किस तरह बढ़ती उम्र में खुद को नई चीजें सीखने के लिए तैयार किया जा सकता है।

बढ़ती उम्र में नई चीजें सीखना इतना जरूरी क्यों है

कुछ भी सीखने और नया करने की कोई उम्र नहीं होती। खासतौर से ऐसे वक्त में जब दुनिया रोज बदल रही है। आज की मॉर्डन एजुकेशन 10 साल बाद मॉर्डन नहीं रह जाएगी। आज और कल की तकनीक में भी जमीन-आसमान का फर्क होगा। समय के साथ पढ़ने, दफ्तर में काम करने और जीवन जीने का तरीका तेजी से बदलता जाएगा।

ऐसे में अगर खुद को नई जानकारी के साथ अपडेट नहीं करेंगे तो करियर की रेस से बाहर हो सकते हैं। खुद से 5 या 10 साल छोटे लोगों के बीच खड़े होने पर भी जेनरेशन गैप महसूस हो सकता है।

लेकिन अगर उम्र के साथ अपने नॉलेज को भी अपडेट करते रहें तो दुनिया के साथ कदमताल करने में आसानी होगी। किसी भी उम्र में यह महसूस नहीं होगा कि 'हमारा जमाना तो बीत गया।'

सीखने के लिए बचपन नहीं, बच्चों वाली सोच जरूरी

यह आम धारणा है कि बच्चे किसी भी चीज को जल्दी सीख जाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ नई चीजें सीखना और उन्हें याद रखना मुश्किल होता चला जाता है।यह बात तो सही है कि बच्चों का दिमाग नई चीजें सीखने के लिए ज्यादा मुफीद होता है, लेकिन यह धारणा पूरी सच्चाई बयां नहीं करती।

अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर रेचेल वू सीखने के लिए बचपन से ज्यादा जरूरी बच्चों की तरह सोचने को बताती हैं।

बढ़ती उम्र में टीचर ढूंढना मुश्किल, लें तकनीक का सहारा

अधिक उम्र में नई चीजें सीखने में एक बड़ी समस्या सही जगह और मेंटॉर मिलने की भी होती है। अपने रोजमर्रा के काम के साथ औपचारिक ढंग से पढ़ाई शुरू कर पाना संभव नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में तकनीक का सहारा लिया जा सकता है।

ऑनलाइन कोर्स और ट्यूटोरियल- इंटरनेट पर अलग-अलग तरह के ऑनलाइन कोर्स और ट्यूटोरियल मौजूद हैं, जो अलग-अलग विषय की जानकारी दे सकते हैं।

ई-बुक्स और दूसरे डिजिटल संसाधन- ई-बुक्स और दूसरे डिजिटल संसाधन पढ़ने और सीखने के लिए सुविधाजनक और सुलभ होते हैं।

वीडियो कंटेंट- वीडियो कंटेंट जैसेकि यूट्यूब वीडियोज और ऑनलाइन लेक्चर विजुअल और ऑडियो दोनों तरीकों से सीखने में मदद करते हैं।

मोबाइल ऐप्स- डूइंग, कोर्सेरा और यूडेमी जैसे मोबाइल ऐप्स सीखने के लिए एक उपयोगी और सुविधाजनक तरीका प्रदान करते हैं।

वर्चुअल क्लासरूम- वर्चुअल क्लासरूम और ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्म व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों तरीकों से सीखने के अवसर प्रदान करते हैं।

एक्सेसिबिलिटी फीचर- कई डिजिटल डिवाइसेज और सॉफ्टवेयर एक्सेसिबिलिटी फीचर प्रदान करते हैं। जैसेकि टेक्सट-टू-स्पीच, जूम और हाई कॉन्ट्रास्ट मोड, जो लोगों को सीखने में मदद करते हैं।

जिम्मेदारियों के बीच पैसिव लर्निंग से सीखना होगा आसान

कई बार ऐसा भी होता है, जब लोग सीखने की चाहत तो रखते हैं, लेकिन समय की कमी के चलते वे ऐसा नहीं कर पाते। स्कूल या कॉलेज जाने वाले स्टूडेंट्स को देखकर उनके मन में ऐसी धारणा बनती है कि पढ़ना तो मुश्किल और फुल टाइम काम है।

ऐसी स्थिति में पैसिव लर्निंग मददगार साबित हो सकती है। दरअसल, पैसिव लर्निंग में हम अपने आसपास के माहौल और वातावरण से लगातार बिना एक्टिव प्रयास किए हुए लगातार कुछ सीख रहे होते हैं। जैसे वीडियो देखना या कुछ और करते हुए सीखने की कोशिश।

जबकि एक्टिव लर्निंग में सीखने के लिए अपनी ओर से ज्यादा कोशिश करनी पड़ती है। जैसे किताब पढ़ना, एक्सपेरिमेंट करना, सीखने के लिए अलग से मेहनत और कोशिश करना।

लर्निंग प्रॉसेस को बोझ न बनाएं, छोटे-छोटे गोल्स बेहतर

औपचारिक शिक्षा की उम्र बीतने के बाद नए सिरे से पढ़ाई शुरू कर पाना थोड़ा मुश्किल तो होता ही है। लेकिन जब पहली बार में ही कठिन लक्ष्य निर्धारित कर लिया जाए तो संकल्प के टूटने की आशंका बढ़ जाती है।इसलिए अधिक उम्र में अगर कुछ सीखने की सोच रहे हों तो बेहतर है कि शुरुआत आसन चीजों से करें। शुरुआत में कम ही सीखें, लेकिन निरंतरता बनाए रखें। भले 5 पन्ने पढ़ें, लेकिन किताबें जरूर खोलें। किताब पढ़ने का मन न हो तो वीडियो देखें या पॉडकास्ट सुनें।

अगर लर्निंग प्रॉसेस में निरंतरता बरकरार रखी जाए तो शुरुआत में छोटे-छोटे गोल्स हासिल होते हैं। जिसकी वजह से ज्यादा मेहनत करने और बड़े लक्ष्य को हासिल करने की प्रेरणा मिलती है। लक्ष्य की ओर धीरे-धीरे सधे कदमों से बढ़ें तो लक्ष्य मुश्किल नजर नहीं आता।

सीखने की कोई उम्र नहीं होती। यह एक जीवन भर की प्रक्रिया है, जो हमें नए अनुभव, ज्ञान और कौशल प्रदान करती है। चाहे आप 20 साल के हों या 60 साल के, सीखने के लिए कोई उम्र नहीं होती। जीवन में सीखना एक आवश्यक हिस्सा है। यह हमें नई चुनौतियों का सामना करने में मदद करता है, हमारी रुचियों को विकसित करने में मदद करता है और हमें बेहतर व्यक्ति बनाता है।

करियर में परामर्शदाता की भूमिकाएँ

करियर के लिए सलाह

आज के समय में टेक्नोलॉजी और कंप्यूटर सबसे उभरते करियर में से एक हैं। इन करियर काउंसलर का यह कर्तव्य है कि वे छात्रों को इन बदलावों के बारे में जागरूक करें। पूरी जानकारी होने से छात्र सूचना के अभाव में निर्णय लेने से बचेंगे। कई उम्मीदवार अपनी जीवन योजनाओं के बारे में नहीं जानते हैं जबकि उनमें से कुछ प्रासंगिक कदमों का पता लगाने में विफल रहते हैं। इस प्रकार, करियर मार्गदर्शन इन सभी दुविधाओं को हल करेगा। उदाहरण के लिए, यदि आप कॉर्पोरेट क्षेत्र की तलाश कर रहे हैं, तो टीम निर्माण और समस्या-समाधान मूल्यवान कौशल हैं।

रुचियों और क्षमताओं का मूल्यांकन करें

क्या आप ऐसे उद्यम में शामिल होना पसंद करेंगे जो आपकी पसंद को बढ़ावा दे? या, ऐसा काम जो आपको पूरी तरह से थका दे? ज़्यादातर लोग निश्चित रूप से पहले विकल्प को चुनेंगे। रुचि एक व्यक्ति की एक या एक से ज़्यादा गतिविधियों में दूसरे की तुलना में शामिल होने की प्राथमिकता है। करियर मार्गदर्शन तकनीक इसके मूल्यांकन के लिए अलग-अलग तकनीकें तैयार करती हैं। जितनी जल्दी हम उन्हें पहचान लेंगे, उतने ही बेहतर परिणाम मिलेंगे। करियर काउंसलर द्वारा लक्ष्य निर्धारण में व्यक्ति की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा जाता है।

मेल जोल

करियर संबंधी निर्णयों के साथ चिंता और वित्तीय कमी आना निश्चित है। करियर मार्गदर्शन आपके विचार से कहीं अधिक व्यापक और उन्नत समाधान है।

सत्रों का उद्देश्य छात्रों को उनके ट्रैक पर सहायता करना और लक्ष्य प्राप्त करना है। अनौपचारिक सलाह के विपरीत, ये विशेषज्ञ परामर्शदाता ग्राहकों को निष्पक्ष समाधान प्रदान करते हैं। सभी निर्णयों और डाउनग्रेडिंग कथनों को अलविदा कहें।

कैरियर मार्गदर्शन के लाभ

अब वह हिस्सा आ गया है जिसके लिए आपका दिल शुरू से ही दौड़ रहा था। आइए करियर मार्गदर्शन में शामिल होने के लाभों पर एक नज़र डालें।

कुशल लोगों से सलाह

यह ध्यान रखना चाहिए कि परामर्शदाता संबंधित लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए पेशेवर रूप से प्रशिक्षित होते हैं। उन्हें संचार कौशल, समस्या-समाधान क्षमता और आत्म-जागरूकता सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं से सुसज्जित किया जाता है। इसलिए, करियर मार्गदर्शन सभी करियर संबंधी प्रश्नों का एक-स्टॉप समाधान है।

विविध अवसर

क्या आप जानते हैं कि वर्तमान में दुनिया में लगभग 7.6 बिलियन लोग हैं? इसका मतलब है कि ये लोग कई तरह के व्यवसायों में कार्यरत हैं। इनमें से कुछ उल्लेखनीय क्षेत्र हैं प्रशासन, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षण, बैंकिंग और अन्य। इनमें से किसी एक को चुनना किसी व्यक्ति के लिए एक कठिन काम हो सकता है। अलग-अलग करियर अवसरों के मामले में करियर मार्गदर्शन एक जीवनरक्षक के रूप में सामने आता है।

अपने करियर को आगे बढ़ाने के तरीके

मान लीजिए कि आपने सर्जन बनने का फैसला किया है। क्या आप अपने तय बजट में सबसे अच्छा कॉलेज जानते हैं? कौन से प्रमाणपत्र आजमाने चाहिए? क्या विशिष्ट कौशल चिकित्सा क्षेत्र में सफलता निर्धारित करते हैं? ऐसे महत्वपूर्ण पहलुओं का सही समाधान खोजना एक उलझन भरा काम हो सकता है। करियर मार्गदर्शन सफलता के झंडे को चिह्नित करने के लिए एक संपूर्ण रोडमैप दिखाता है।

सीखने का आरोप

एक बेहतरीन करियर काउंसलर आपको कई तरह के टिप्स सिखाता है जो आपको एक मुकाम पर पहुंचाएंगे। चाहे इंटरव्यू में बेहतर प्रदर्शन करना हो या कॉर्पोरेट दबाव को संभालना हो- करियर गाइडेंस में सब कुछ शामिल है। आप अपने कौशल को बढ़ाने के लिए मॉक टेस्ट या इंटरेक्शन भी दे सकते हैं। यह एक बेहतरीन जॉब कैंडिडेट बनने की एक चरण-दर-चरण प्रक्रिया है। अपनी प्रोफ़ाइल बनाने के लिए करियर गाइडेंस का लाभ उठाना सुनिश्चित करें।

समय और पैसा बचाता है

आइए हम स्वीकार करें कि उन्नत डिग्री की कीमत बहुत ज़्यादा होती है जो आपकी जेब भी ढीली कर सकती है। कुछ लोग ऐसे कोर्स में दाखिला ले लेते हैं जो न तो उनकी रुचि के मुताबिक होता है और न ही कोई गुंजाइश देता है। ज़्यादातर मध्यम आय वाले परिवारों के लिए मेजर बदलना एक व्यवहार्य विकल्प नहीं है। और, कॉलेज छोड़ना एक स्मार्ट विकल्प नहीं है क्योंकि हर कोई बिल गेट्स या एड शीरन नहीं बन सकता। कैरियर मार्गदर्शन के माध्यम से एक निश्चित मार्ग पर चलना आपकी प्राथमिकता सूची में होना चाहिए।

कंप्यूटर साइंस के लिए आईआईटी तक छोड़ रहे हैं स्टूडेंट्स, मिलता है लाखों-करोड़ों का पैकेज

इंजीनियरिंग के लिए आईआईटी हमारे देश में सबसे सर्वश्रेष्ठ संस्थान हैं. इंजीनियरिंग फील्ड में जाने वाले हर छात्रों का आईआईटी में एडमिशन पाना सपना होता है. लेकिन इसमें एक ऐसी फील्ड भी है, जिसके लिए लोग आईआईटी की सीट तक छोड़ने को तैयार हैं. इस कोर्स में आईआईटी में सीट न मिल पाने पर छात्र अन्य संस्थानों की ओर रुख कर रहे हैं. ग़ौरतलब है कि वर्तमान में आईटी इंडस्ट्री सबसे तेज़ी से बढ़ती हुई इंडस्ट्री है. जिस वजह से लगातार कंप्यूटर साइंस से बीटेक करने वालों की डिमांड बढ़ रही है. ऐसे में छात्रों के बीच भी इस कोर्स को लेकर सबसे ज्यादा क्रेज है. इसी वजह से कंप्यूटर साइंस कोर्स के लिए यही सबसे ज़्यादा कम्पटीशन देखने को मिल रहा है. आईआईटी में कंप्यूटर साइंस की सीट फुल हो जाने पर स्टूडेंट ट्रिपल आईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों में एडमिशन लेना पसंद कर रहे हैं.

टॉपर्स की भी है पसंद

जेईई एडवांस्ड के टॉपर्स भी कंप्यूटर साइंस को ही चुनते हैं. ज्वाइंट सीट एलॉकेशन अथॉरिटी की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार जेईई एडवांस में टॉप 100 रैंक लाने वाले छात्रों में 97 ने कंप्यूटर साइंस को चुना है. वहीं टॉप 10 में सभी ने कंप्यूटर साइंस में एडमिशन लिया है. कंप्यूटर साइंस चुनने की सबसे बड़ी वजह इसमें मिलने वाली सैलरी है.

इंजीनियरिंग में यह सबसे ज्यादा सैलरी वाली ब्रांच में से एक है. हर साल बड़ी संख्या में छात्रों का लाखों करोड़ों के पैकेज पर इसमें प्लेसमेंट होता है. इसी वजह से लगातार यह कोर्स छात्रों के बीच पहली पसंद बनता जा रहा रहा है.

बातचीत में न करें ये गलतियां

आप किससे कैसे बात करते हैं, इसका बहुत असर आपकी प्रोफैशनल और पर्सनल लाइफ पर पड़ता है। आपको वे गलतियां बता रहे हैं जो लोग अक्सर बातचीत के दौरान करते हैं।

आदेश देना

जब हमें किसी से कोई बात मनवानी होती है या अपना कोई काम करवाना होता है तो हमें कोशिश करनी चाहिए कि हमारी बातचीत के लहजे से यह बिल्कुल न लगे कि हम किसी को कोई आदेश दे रहे हैं। अगर सामने वाले व्यक्ति को हमारे लहजे में ऐसा लगा कि आप उसे आदेश दे रहे हैं तो मुमकिन है कि वह हमारे काम को करने से मना कर दे।

किसी से जबरदस्ती हां बुलवाने की कोशिश

जब आप किसी से भी बातचीत करते हैं तो आपको ध्यान देना चाहिए कि आप किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती अपनी बातों में हां में हां बुलवाने के लिए फोर्स न करें। मुमकिन है कि इससे सामने वाला व्यक्ति आपसे चिढ़ जाए। सामने वाले का नाम नहीं लेना।

ये गलती बहुत ही आम है। हम अक्सर बातचीत के वक्त सामने वाले व्यक्ति का नाम नहीं लेते हैं। हालांकि, अगर आप किसी से प्रभावशाली बातचीत करना चाहते हैं तो आपको सामने वाले व्यक्ति को नाम से बुलाना चाहिए।

लोगों को बीच में टोकना

आपको सामने वाले की पूरी बात सुननी चाहिए और उसके बाद ही कोई राय देनी चाहिए। अगर आप बातचीत के दौरान ही व्यक्ति को टोकते हैं तो हो सकता है कि आप उसे नाराज कर दें।

आप भी बनना चाहती हैं इंडिपेंडेंट महिलाएं इन चीजों पर करें फोकस

महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने का रास्ता कई बार काफी मुश्किल होता है. ऐसे में इंडिपेंडेंट बनने के लिए ज्यादातर महिलाओं को काफी मेहनत करनी पड़ती है. इसलिए आज हम आपको बताते हैं कि आत्मनिर्भर बनने के लिए किन बातों पर फोकस करना जरूरी होता है. कई बार चाहकर भी महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम नहीं बढ़ा पाती हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि बहुत सी महिलाओं के लिए इंडिपेंडेंट होना काफी मुश्किल भरा टास्क होता है. ऐसे में अगर आप कुछ चीजों पर फोकस करते हुए आगे कदम बढ़ाती हैं, तो आत्मनिर्भर बनने का आपका रास्ता आसान हो सकता है. तो आइये जानते हैं इसके बारे में.

सेल्फ कॉन्फिडेंस होना है जरूरी

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका आत्मविश्वासी होना बहुत जरूरी है. इंडिपेंडेंट बनने के लिए ये आपका पहला कदम हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि सेल्फ कॉन्फीडेंस को बूस्ट करने की कोशिश करें. साथ ही प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ तक के डिसीजन आप खुद पूरे विश्वास के साथ लेने का प्रयास करें. इतना ही नहीं अगर कोई फैसला गलत भी होता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसी और पर न डालकर आप खुद ही लें.

फैसले लेना सीखें

ज्यादातर घरों में महिलाएं हर छोटा-बड़ा फैसला घर में किसी न किसी से पूछ कर ही लेती हैं. ऐसे में उनको फैमली मेम्बर्स या पार्टनर पर निर्भर रहने की आदत हो जाती है. लेकिन आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि आप खुद में डिसीजन मेकिंग स्किल को डेवलप करने की कोशिश करें. जिससे आप जरूरत पड़ने पर खुद फैसला लेने में सक्षम रहें.

भावनात्मक रूप से मजबूत बनें

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका भावनात्मक रूप से मजबूत बनना भी बहुत जरूरी है. इसलिए अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर रहने की जगह अपनी केयर खुद करना सीखें. इस तरह से आप किसी पर इमोशनली डिपेंडेंट नहीं रहेंगी और खुद को मेंटली और इमोशनली स्ट्रांग रखने में कामयाब हो सकेंगी.

फाइनेंस मैनेज करना सीखें

बहुत सी महिलाएं जॉब करने के बाद भी अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए दूसरों पर ही डिपेंडेंट रहती हैं. वहीं ज्यादातर महिलाएं फाइनेंस से जुड़े डिसीजन बिना किसी की इजाजत के लेने में हिचकिचाने लगती हैं. जबकि आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि अपने बजट से लेकर इंवेस्टमेंट तक का हिसाब आप खुद रखें. इसलिए इंडिपेंडेंट बनने के लिए अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग खुद करना सीखें

स्पोर्ट्स फील्ड में ये टॉप हाई पेइंग जॉब, कमा सकते हैं लाखों

खेल के मैदान पर जूझते हुए खिलाड़ी सभी को दिखते हैं. लेकिन पर्दे के पीछे फिजियो से लेकर कमेंटेटर तक तमाम और लोग काम कर रहे होते हैं. इनके बिना खेल की कल्पना करना मुश्किल है. इसलिए खेल में रुचि वाले लोगों के लिए स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में चमकता हुआ करियर है. स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में काम करके लाखों-करोड़ों रुपये कमा सकते हैं. आज हम लोग जानेंगे स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में करियर ऑप्शन के बारे में.

स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट

एक स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट का काम खिलाड़ियों के लिए उनकी स्ट्रेंथ और ट्रेनिंग प्रोग्राम के अनुसार डाइट और न्यूट्रिशन प्लान तैयार करना है. एक स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट प्रतिवर्ष औसतन 450,000 रुपये कमा सकता है. इसके लिए स्पोर्ट्स साइंस में बैचलर डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन किया होना चाहिए.

एक्सरसाइज फिजियोलॉजिस्ट

एक एक्सरसाइज फिजियोलॉजिस्ट हर महीने औसतन 45000 रुपये कमाता है.

अनुभव और स्किल बढ़ने के साथ यह कमाई करोड़ों भी हो सकती है. एक एक्सरसाइज फिजियोलॉजिस्ट का काम खिलाड़ियों का परफॉर्मेंस, फिटनेस लेवल, स्ट्रेंट एवं फ्लैक्सिबिलिटी बढ़ाने के लिए ट्रेनिंग प्लान तैयार करता है. साथ ही वह खिलाड़ियों को चोटिल होने और अगर खिलाड़ी चोटिल है तो उससे उबरने में भी मदद करता है.

स्पोर्ट्स इवेंट कोऑर्डिनेटर

एक स्पोर्ट्स इवेंट कोऑर्डिनेट की किसी खेल के सफलतापूर्वक आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है. स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर स्पोर्ट्स इवेंट के सभी फेज के इवेंट को कोऑर्डिनेट करता है. वह वैन्यू बुकिंग, वेंटर मैनेजमेंट, मीडिया के साथ कोऑर्डिनेशन व एंटरटेनमेंट परफॉर्मेंस के अरेंजमेंट जैसे काम करता है. इसके अलावा सिक्योरिटी, रजिस्ट्रेशन, टिकटिंग, मीडिया, ट्रांसपोटेशन और क्राउडमैनेजमेंट आदि की भी जिम्मेदारी निभाता है. एक स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर की औसत सैलरी आठ से 10 लाख रुपये सालाना होती है.

स्पोर्ट्स मसाज थेरेपिस्ट

स्पोर्ट्स मसाज थेरेपिस्ट की भी स्पोर्ट्स इंडस्ट्री में काफी मांग है. इनका काम स्पोर्ट्स एक्टिविटी एवं इवेंट के पहले और बाद में एथलीट्स को मसाज थेरेपी और ट्रीटमेंट देना होता है. इसका मुख्य मकसद खिलाड़ियों को चोटिल होने से बचाना, खेल के दौरान लगी किसी चोट का इलाज करना, फ्लैक्सिबिलिटी को बढ़ाना और मांसपेशियों में किसी भी दर्द या तनाव को कम करना है. स्पोर्ट्स मसाज थेरेपिस्ट बनने के लिए स्पोर्ट्स मसाज में डिप्लोमा किया जा सकता है.

स्पोर्ट्स एनालिस्ट

एक स्पोर्ट्स एनालिस्ट के रूप में हर साल 30 से 35 लाख रुपये प्रति वर्ष कमाए जा सकते हैं. यह सैलरी एंट्री लेवल स्पोर्ट्स एनालिस्ट की है. स्पोर्ट्स एनालिस्ट की जॉब सबसे अधिक टीवी के स्पोर्ट्स चैनलों पर मिलती है. जहां खिलाड़ियों के परफॉर्मेंस का आंकलन उसके स्टैटिक्स के आधार पर किया जाता है.

'कभी हार मत मानो' परिस्थितियों से लड़ना सीखो

बीते दिनों एन.सी.आर. बी. ने एक आंकड़ा जारी किया है, जिसमें 2021 में पूरे देश में 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की है जिसमें 81,063 विवाहित पुरुषों की संख्या है और 28,680 विवाहित महिलाएं थीं। आर्थिक संकट से लेकर मानसिक तनाव और घरेलू कलह तक इसके कुछ कारण सामने आए हैं। अपने कोचिंग सैंटरों के लिए प्रसिद्ध राजस्थान के शहर कोटा से भी गत कुछ दिनों से एक के बाद एक प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने वाले छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें सुनने को मिली हैं।

इसकी वजह है कि वे सालों से परीक्षा की तैयारी करने के बावजूद अपनी और अपने परिवार की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सकने का बोझ अपने दिल पर इस कदर पाल लेते हैं कि वे अपनी जान लेने जैसा

संगीन कदम उठाने से पहले दो बार नहीं सोच पाते। आत्महत्या करने वाले को लगता है कि उसने परेशानी व जिम्मेदारियों से छुटकारा पा लिया, लेकिन वह यह नहीं सोच पाता कि उसके जाने से उसे माता-पिता या अन्य परिजन पूरी जिंदगी कितने दुखी रहते हैं। जब तक वे जिंदा रहते हैं, तब तक पूरी जिंदगी कुंठित होकर जीते हैं। उसे जीवन जीना नहीं पल-पल मरना कहते इसकी वजह है कि वे सालों से हैं और जिनके छोटे-बच्चे होते हैं, उनके परीक्षा की तैयारी करने के बावजूद बच्चों का जीवन नर्क बन जाता है।

पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ाकर बर्बादी की ओर बांग्लादेश!

भारत का एक झटका नहीं झेल पाएगा यह पड़ोसी देश

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ानी शुरू कर दी है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने और देश छोड़कर जाने के बाद इस पड़ोसी देश की स्थिति खराब हो गई है। नतीजा यह हुआ है कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश बर्बादी की तरफ जाने लगा है। बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तानी प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ सकता है। अगर स्थिति काबू से बाहर हुई यह तो पड़ोसी देश भारत का एक झटका तक नहीं झेल पाएगा।बांग्लादेश में पाकिस्तान की सेना एंट्री करने जा रही है। साल 1971 में बांग्लादेश की स्थापना के बाद ऐसा पहली बार होगा जब पाकिस्तान की सेना बांग्लादेश में कदम रखेगी। पाकिस्तानी सेना अब बांग्लादेशी सेना को ट्रेनिंग देगी। यह ट्रेनिंग फरवरी 2025 से शुरू होगी। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब बांग्लादेश का प्रेम पाकिस्तान के प्रति जागा हो। हाल ही में बांग्लादेश के कई व्यापारियों ने कहा था कि वे पाकिस्तान से सामान खरीदें। ऐसा न करने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी तक दी गई थी। बांग्लादेश इस समय पाकिस्तान से कई चीजें खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहा है। इनमें चीनी से लेकर प्याज और आलू तक शामिल हैं। इन चीजों को पहले बांग्लादेश भारत से खरीदता था। लेकिन अब मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार भारत से किनारा कर रही है। बात अगर चीनी की करें तो बांग्लादेश अभी तक भारत से चीनी खरीदता आया है। लेकिन अब बांग्लादेश पाकिस्तान से चीनी निर्यात करेगा। यह पहली बार है जब पाकिस्तान बड़ी मात्रा में चीनी बांग्लादेश भेज रहा है। माना जा रहा है कि जनवरी में चीनी की यह खेप बांग्लादेश पहुंच जाएगी। पाकिस्तान इस साल 6 लाख टन चीनी दुनिया के कई देशों में निर्यात करेगा। इसमें से एक बड़ा हिस्सा बांग्लादेश को भेजा जाएगा।वहीं अभी तक बांग्लादेश आलू और प्याज की खेप भारत से मंगवाता रहा है। लेकिन इस पर भी बांग्लादेश पाकिस्तान की ओर मुड़ गया है।

बता दें कि बांग्लादेश के लिए भारत प्याज और आलू का सबसे बड़ा निर्यातक रहा है। बांग्लादेश ने कहा है कि बांग्लादेश ट्रेड और टैरिफ कमीशन ने आलू और प्याज की कीमतों और आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए वैकल्पिक स्रोतों की पहचान की है। बांग्लादेश ने कहा कि वह बढ़ती कीमतों के कारण नए आपूर्तिकर्ताओं की तलाश कर रहा है। इसमें पाकिस्तान भी शामिल है।

बांग्लादेश अपने ही व्यापारियों पर भारत की जगह पाकिस्तान से कारोबार करने और वहां से सामान खरीदने का दबाव बना रहा है। ऐसा न करने पर उन्हें धमकी दी जा रही है। इकॉनमिक टाइम्स के हाल ही में दूसरी कार्गो शिप पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचा है। इस शिप में 1000 से ज्यादा कंटेनर हैं। हालांकि इस बात का पता नहीं चला है कि इन कंटेनर में क्या है। इससे पहले नवंबर में भी एक कार्गो शिप पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंची थी।

भारत के साथ पंगे लेना बांग्लादेश के लिए मुश्किलें पैदा कर सकता है।

बात आगे बढ़ी तो बांग्लादेश भारत का एक झटका नहीं झेल पाएगा। बांग्लादेश अभी भी कई खाने-पीने समेत दूसरी कई चीजों को लेकर भारत पर बहुत निर्भर है।अग बांग्लादेश भारत से दूरी बनाता है तो यह उसकी अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया को लेकर आई गुड न्यूज, 5,500 करोड़ रुपए से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। जहां एक और मेलबर्न टेस्ट मैच चल रहा है। वहीं दूसरी ओर एक ऐसा आंकड़ा सामने निकलकर आया है, जिससे भारत के लोगों को काफी खुशी हो सकती है। वास्तव में भारत का एक्सपोर्ट नवंबर के महीने में सालाना आधार पर 64 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। वैसे वित्त वर्ष के शुरुआती 8 महीनों में एक्सपोर्ट में मामूली गिरावट देखने को मिली है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस तरह के आंकड़े देखने को मिले हैं।

एक्सपोर्ट के सामने आए आंकड़े

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली के अनुसार भारत का ऑस्ट्रेलिया को निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर 64.4 प्रतिशत बढ़कर 64.37 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया का भारत के साथ व्यापार करार है। कपड़ा, रसायन और कृषि उत्पाद जैसे क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि की वजह से ऑस्ट्रेलिया को भारत का निर्यात बढ़ा है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, हालांकि, अप्रैल-नवंबर, 2024-25 के दौरान ऑस्ट्रेलिया को वस्तुओं क निर्यात सालाना में आधार पर 5.21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 5.56 अरब डॉलर रह गया।

दो पहले लागू हुआ था ईसीटीए

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 29 दिसंबर, 2022 को एक अंतरिम व्यापार समझौता – आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ईसीटीए) लागू किया था। अब समझौते के दायरे को व्यापक बनाने और इसे व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) बनाने के लिए दोनों देश बातचीत कर रहे हैं। ईसीटीए के दो साल पूरे होने पर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि इस समझौते से भारतीय निर्यातकों के लिए बाजार पहुंच बढ़ी है और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले (एमएसएमई) उद्योगों तथा किसानों के लिए अवसरों का विस्तार हुआ है। इससे कई रोजगार के अवसर भीउन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा था कि इसने 2023-24 में निर्यात में 14 प्रतिशत की वृद्धि में मदद की है। इस दौरान सूचना प्रौद्योगिकी / सूचना प्रौद्योगिकी संबद्ध सेवाओं, व्यापार और यात्रा सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

अब डेलॉयट ने जताया भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा

बताया ग्रोथ का ऐसा अनुमान जो करेगा खुश

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 6.5 से 6.8 परसेंट की दर से बढ़ेगी, जबकि अगले वित्त वर्ष (2025-26) में जीडीपी की विकास दर कुछ ज्यादा यानी 6.7 से 7.3 परसेंट के बीच रहेगी। डेलॉयट इंडिया ने यह अनुमान लगाया है। डेलॉयट ने कहा कि सरकार की तरफ से लगातार बुनियादी ढांचा विकास, डिजिटलीकरण पर ध्यान देने और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करने के उपायों से कुल दक्षता में सुधार होगा जिससे विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस महीने की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष के अपने विकास दर के अनुमान को घटाकर 6.6 परसेंट कर दिया था। जून में आरबीआई ने विकास दर 7.2 परसेंट रहने का अनुमान लगाया था।

डेलॉयट इंडिया का क्या है कहना?

डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में विकास दर अनुमान से कम रही है क्योंकि चुनाव को लेकर अनिश्चितताओं के बाद भारी बारिश और जियो-पॉलिटिकल घटनाक्रमों से घरेलू मांग और निर्यात पर असर देखा गया था। रुमकी मजूमदार ने कहा कि हम सतर्क के साथ आशावादी बने हुए हैं और उम्मीद करते हैं कि चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.5 से 6.8 परसेंट के बीच रहेगी। अगले वित्त वर्ष में यह 6.7 से 7.3 परसेंट के बीच रहेगी।''

भारत की मजबूत स्थिति स्पष्ट

डेलॉयट ने कहा कि हाई वैल्यू वाले सेगमेंट मसलन इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और रसायन जैसे क्षेत्रों में मैन्यूफैक्चरिंग एक्सपोर्ट और ग्लोबल वैल्यू चेन में भारत की बढ़ती मजबूत स्थिति को दिखाता है। उन्होंने कहा हालांकि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत काफी जुझारू क्षमता दिखा रहा है। इनमें खपत का रुख या सर्विसेज की बढ़ोतरी, निर्यात में हाई वैल्यू वाले मैन्यूफैक्चरिंग की बढ़ती हिस्सेदारी और कैपिटल मार्केट शामिल हैं।इस बीच रिटेल और घरेलू संस्थागत निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के चलते स्थानीय बाजारों में स्थिरता देखने को मिली है। हालांकि, पिछले ढाई महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय शेयर बाजारों में जबर्दस्त बिकवाली की है।

तीन महीने में कितना महंगा या सस्ता हुआ किचन का सामान

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। साल खत्म होने को है। देश में महंगाई असर अभी भी लोगों को महसूस हो रही है। खासकर किचन के सामन के दाम बढ़े हुए हैं। बीते 3 महीनों की बात करें तो आटा, दाल और चावल औसत कीमतों में इजाफा देखने को मिला है। वहीं खाने के तेल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। वहीं दूसरी ओर आलू प्याज टमाटर की कीमत में बड़ी गिरावट है। मिनिस्टी ऑफ कंज्यूमर अफेयर की वेबसाइट के अनुसार दालों की औसत कीमतों में 7 रुपए से लेकर 25 रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा देखने को मिला है।

जबकि खाने के तेल की औसत कीमत में 14 रुपए से लेकर 23 रुपए तक की बढ़ोतरी देखी गई है। जबकि बीते 3 महीनों में आलू, प्याज, टमाटर की औसत कीमत में 2 रुपए से लेकर 12 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी गई है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किचन के सामान से जुड़े हुए सामन किमतों में कितना इजाफा और कितनी गिरावट देखने को मिली है?

आटा दाल और चावल के दाम

बीते तीन महीनों में आटा और दाल की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। पहले बात गेहूं की की करें तो तीन महीने में 1.28 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जबकि गेहूं के आटे की कीमत में 1.57 रुपए की तेजी देखी गई है। वहीं चावल की कीमतें फ्लैट ही देखने को मिली है। तीन महीनों में 0.36 फीसदी की बेहद मामूली गिरावट देखी गई है। अगर बात दालों की करें तो अच्छा इजाफा देखने को मिला है। बीते 3 महीनों में तुअर की दाल में 7 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं उड़द दाल की कीमत में 8.48 रुपए रुपए की तेजी आई है। मूंग दाल के दाम सबसे ज्यादा 24.62 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़े हैं। चने की दाल और मूसर की दाल फ्लैट ही रहें हैं। दोनों की कीमतों में मामूली बदलाव देखने को मिला है।

तेल कितना हुआ महंगा

खाने के तेल की बात करें तो सभी तरह के तेल में इजाफा देखा गया है। कंज्यूमर मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार देश में सरसों के तेल की कीमत में बीते 3 महीनों में 15.29 रुपए का इजाफा देखने को मिला है। जबकि वनस्पति के पैकेट में 17.31 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। सोया ऑयल के पैकेट में 14.5 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। सबसे ज्यादा इजाफा सूरजमुखी के तेल में देखने को मिला है। कैलेंडर वर्ष की आखिरी तिमाही में इस तेल की कीमत में 23.07 रुपए की बढ़ोतरी देखने को मिली है। पाम ऑयल के दाम में 3 महीने में 20.57 रुपए का इजाफा देखने को मिला है।

सस्ता हुआ आलू-प्याज-टमाटर

वहीं सबसे बड़ी राहत आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में देखने को मिली है। कंज्यूमर मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार देश में आलू की औसत कीमत में 2.21 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट देखने को मिली है।

सालाना 15 हजार करोड़ का कारोबार कर रहा लुधियाना का होजरी हब

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। आज के समय में पंजाब का होजरी हब देश के ऊनी वस्त्र उद्योग का प्रमुख केंद्र बन गया है। लुधियाना के इस हब से सालाना लगभग 15,000 करोड़ रुपए का कारोबार होता है। यह हब न केवल भारत में ऊनी कपड़ों की लगभग 80% मांग को पूरा करता है, बल्कि विश्वभर में 200 करोड़ रुपए के ऊनी वस्त्रों का निर्यात भी करता है। यहां लगभग 14,000 यूनिट्स संचालित हैं, जो पांच लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं।महामारी के दौरान लुधियाना के ऊनी वस्त्र उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। लॉकडाउन और वैश्विक आर्थिक संकट के कारण तैयार माल का न तो परिवहन हो सका और न ही बिक्री हुई। इसके परिणामस्वरूप, निर्माताओं को वित्तीय संकट झेलना पड़ा और वे सर्दियों के कपड़ों के लिए आवश्यक कच्चा माल नहीं खरीद सके। अधिकांश उत्पादक इकाइयां ठप हो गईं और मजदूरों के भुगतान में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। महामारी के बाद हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। उद्योग से जुड़े कारोबारी विपिन अरोड़ा के अनुसार, इस वर्ष ठंड अधिक होने की संभावना है, जिससे ऊनी वस्त्रों की मांग में भारी वृद्धि की उम्मीद है। उद्योग ने तीन शिफ्टों में उत्पादन शुरू कर दिया है और बड़ी विनिर्माण इकाइयां 80-100% उत्पादन क्षमता तक पहुंच चुकी हैं। सूक्ष्म और लघु इकाइयां भी 50-60% क्षमता तक उत्पादन कर रही हैं।लुधियाना के ऊनी उत्पाद मुख्य रूप से बड़े व्यापारियों द्वारा खरीदे जाते हैं, जो इन्हें बाजार में बेचते हैं। कारोबारी अरोड़ा ने बताया कि लुधियाना के उत्पादों का ऑनलाइन बिक्री में बहुत कम योगदान है। निर्माताओं को प्रति आइटम मात्र 10-15 का मुनाफा होता है, लेकिन ऑर्डरों की बड़ी संख्या उनके व्यापार को स्थिर बनाए रखती है।70% से अधिक श्रमिक प्रवासी मजदूर हैं, जो त्योहारों के समय अपने गृह राज्यों में जाते हैं। हालांकि, अब वे वापस आ गए हैं और उत्पादन में योगदान दे रहे हैं। इस सामूहिक प्रयास से उद्योग को महामारी से हुए नुकसान की भरपाई करने और आने वाले सर्दियों के मौसम में बिक्री बढ़ाने की उम्मीद है।लुधियाना का ऊनी वस्त्र उद्योग न केवल स्थानीय रोजगार प्रदान करता है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पहचान बनाए हुए है।

आगामी सीजन में इस हब को बंपर बिक्री की उम्मीद है, जिससे यह क्षेत्र महामारी के प्रभाव से पूरी तरह उबरने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने की दिशा में अग्रसर है।

आसान नहीं होगा 2025 में आईटीआर फाइल करना, इनकम टैक्स ने बदल दिए हैं ये 15 नियम

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। हर साल की तरह यह साल भी खत्म होने जा रहा है। अब नए साल के बिगुल बजने में सिर्फ 2 दिन बचे हैं। इस बिगुल के साथ नए साल में आईटीआर फाइल करने वाले टैक्सपेयर्स के टेंशन की घंटी भी बजनी शुरू हो जाएगी। क्योंकि 2024 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्स से जुड़े कई नियमों में बदलाव किया है, तो अगर आप 2025 में आईटीआर फाइल करने वाले हैं तो आपको इन नियमों के बारे में अभी जान लेना चाहिए, ताकि जब टिक-टिक के साथ आईटीआर फाइलिंग की लास्ट डेट नजदीक आनी शुरू हो जाए तो आपको परेशानी ना हो। साल 2024 में इनकम टैक्स कानून में महत्वपूर्ण बदलाव हुए, जो जुलाई 2024 में पेश किए गए यूनियन बजट के कारण संभव हुआ। अप्रैल से जून 2024 के बीच हुए आम चुनावों के चलते यह बजट मध्य वर्ष में पेश किया गया। इन बदलावों का असर वित्तीय वर्ष 2024-25 की इनकम टैक्स कैलकुलेशन और जुलाई 2025 में इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइलिंग पर पड़ेगा। इसलिए चलिए उन बदलाओं पर नजर डालते हैं जो टैक्सपेयर्स की टेंशन बढ़ाने जा रहे हैं।

टैक्स स्लैब्स में हुआ बदलाव

सरकार ने नए टैक्स रिजीम के तहत इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव किए। इस बदलाव से वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए टैक्सपेयर्स को 17,500 रुपए तक की बचत हो सकती है।

स्टैंडर्ड डिडक्शन में हुई वृद्धि

नए टैक्स रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन की सीमा 50,000 रुपए से बढ़ाकर 75,000 रुपए कर दी गई है। पारिवारिक पेंशनधारकों के लिए यह सीमा 15,000 रुपए से बढ़ाकर 25,000 रुपए की गई है।

एनपीएस योगदान पर बढ़ा डिडक्शन

अब नए टैक्स रिजीम के तहत एनपीएस में नियोक्ता के योगदान पर 14% तक डिडक्शन का दावा किया जा सकता है। पहले यह सीमा 10% थी। यह क्लेम इनकम टैक्स के सेक्शन 80सीसीडी(2) के तहत किया जा सकता है।

एलटीसीजी और एसटीसीजी पर नई दरें

शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी): इक्विटी और इक्विटी-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड्स पर 20%

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी): सभी संपत्तियों पर 12।5%

होल्डिंग अवधि में बदलाव

कैपिटल गेन को लॉन्ग टर्म या शॉर्ट टर्म के रूप में डिफाइन करने के लिए होल्डिंग अवधि को दो कैटेगरी में सीमित किया गया है।

लिस्टेड एसेट के लिए: 12 महीने

अनलिमिटेड सिक्योरिटीज के लिए: 24 महीने

टीडीएस दरों का रेशनलाइजेशन

कुछ इनकम पर टीडीएस दरों को पहले से आसान किया गया है।

बीमा पॉलिसी पर भुगतान: 2% (1 अक्टूबर 2024 से)

किराए पर भुगतान: 2% (1 अक्टूबर 2024 से)

ई-कॉमर्स ऑपरेटर्स द्वारा भुगतान: 0.1%

टीडीएस/टीसीएस क्रेडिट का दावा

अब कर्मचारी अन्य आय सोर्स या खर्च पर डिडक्ट हुए टीडीएस/टीसीएस का क्रेडिट लेकर अपने वेतन पर काटे गए टीडीएस को कम कर सकते हैं।

टीसीएस क्रेडिट का लाभ

अब माता-पिता अपने बच्चों के विदेशी शिक्षा शुल्क पर लगाए गए टीसीएस का क्रेडिट अपने नाम पर ले सकते हैं। यह नियम 1 जनवरी 2025 से लागू होगा।

शेयर बायबैक पर टैक्स

अब शेयर बायबैक से प्राप्त राशि पर व्यक्तिगत धारकों द्वारा स्लैब दरों के अनुसार टैक्स लगाया जाएगा। यह नया कानून 1 अक्टूबर, 2024 से लागू हो गया है। संशोधित कानून से उन व्यक्तियों की इनकम पर टैक्स की देयता बढ़ने की संभावना है, जिनकी आय पर 30% टैक्स स्लैब दर से टैक्स लगता है। हालांकि, जिन व्यक्तियों की आय पर 20% से कम टैक्स लगता है, उन्हें लाभ होने की संभावना है। उन्हें शेयरों की खरीद से होने वाली बिक्री आय पर कम कर देना होगा। 30 सितंबर, 2024 तक, कंपनी (जिसने शेयर वापस खरीदे) ने शेयरों की खरीद पर 20% की दर से डीडीटी (लाभांश वितरण कर) का भुगतान किया, साथ ही 12% का अधिभार और 4% का उपकर भी दिया।

लक्जरी वस्तुओं पर टीसीएस

10 लाख रुपए से अधिक मूल्य की लक्जरी वस्तुएं खरीदने पर टीसीएस देना होगा। यह नियम 1 जनवरी 2025 से लागू होगा। यानी अगर आप लक्जरी समान खरीदने की सोच रहे हैं तो यह टैक्स आपकी जेब पर सीधा असर डालने जा रहे हैं।

संपत्ति बिक्री पर टीडीएस में संशोधन

50 लाख रुपए से अधिक के संपत्ति लेनदेन पर टीडीएस कुल राशि पर कटेगा, भले ही किसी एक विक्रेता का हिस्सा 50 लाख से कम हो।

आरबीआई फ्लोटिंग रेट बॉन्ड्स पर टीडीएस

10,000 रुपए प्रति माह से अधिक ब्याज आय पर टीडीएस काटा जाएगा। यह एक अक्टूबर 2024 से लागू हो चुका है।

विवाद से विश्वास योजना 2.0

यह योजना टैक्सपेयर्स और इनकम टैक्स विभाग के बीच चल रहे मुकदमों को सुलझाने के लिए पेश की गई है, जिसे 1 अक्टूबर 2024 से लागू किया जा चुका है।

आधार नामांकन नंबर का उपयोग नहीं

आधार नामांकन संख्या अब इनकम टैक्स रिटर्न और पैन आवेदन में उपयोग नहीं की जा सकती। 2017 में इसे अनिवार्य किया गया था, लेकिन 2024 के पूर्ण बजट में सरकार ने इसे फिर से हटा दिया है। 50 लाख रुपए से अधिक आय वाले मामलों में अब इनकम टैक्स विभाग केवल 5 वर्षों तक पुराने आईटीआर खोल सकता है, जो पहले 10 वर्ष थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् •**2051**,हिजरी सन् •**1444**
कलियुग अवधि-**432000**
सूर्योदय - 06-49
सूर्यास्त. - 17-48
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् •**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् •**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	05-45	बजे
चंद्र-	धनु	मे	मकर....	07-52	बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	09-42	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	11-20	बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	12-56	बजे
शुक्र-	कुंभ	मे	वृष---	14-41	बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	16-42	बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	18-54	बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	21-06	बजे
			कन्या---	23-13	बजे
			तुला----	01-18	बजे
			वृश्चिक...	03-28	बजे

दिशाशूल •• पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या . **03-56** तक उपरान्त प्रतिपदा
मास • पौष कृष्ण , सोमवार **30 December**
नक्षत्र • मूल **23-57** तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग • वृद्धि **20-31** तक उप ध्रुव
करण- चतुष्पाद **16-03** तक उप नाग
विशेष:- व्रत •त्योहार • देवपितृकार्ये सोमवती अमावस्या

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:10 से 09:33 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:49 - 08:10	शुभ	चंचल	17:48 - 19:28	शुभ
काल	08:10 - 09:33	अशुभ	रोग	19:28 - 21:05	अशुभ
शुभ	09:33 - 10:56	शुभ	काल	21:05 - 22:42	अशुभ
रोग	10:56 - 12:19	अशुभ	लाभ	22:42 - 00:19	शुभ
उत्पात	12:19 - 13:42	अशुभ	उत्पात	.00:19 - 01:56	अशुभ
चंचल	13:42 - 15:05	शुभ	शुभ.	01:56 - 03:33	शुभ
लाभ	15:05 - 16:28	शुभ	अमृत	03:33 - 05:10	शुभ
अमृत	16:28 - 17:48	शुभ	चंचल	05:10 - 06:49	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेष्ण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है । अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा । पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे । अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं । सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी । यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा ,लेकिन अगर एक बार आप यह कर गये तो आपका जीवन ही बदल जाएगा ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है । आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे । इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
यह आपके लिए अपने आप से किये हुए वादों और अपनी योजनाओं को अमल में लाने का बहुत अच्छा समय है । नयी योजनायें भी जल्दी ही कामयाब होंगीं । हालाँकि, दोस्तों के साथ मजे करने और थोड़े मनोरंजन के लिए भी अच्छा समय है । इसीलिए शाम को सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल होने की योजना बना सकते हैं । अफवाहों से बचें और आनंद उठायें ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा । आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

झारखंड और छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी छापे

एनआईए ने मोबाइल और सिम कार्ड किए बरामद

गिरिडीह, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। नक्सल विरोधी अभियान में जांच एजेंसी एनआईए ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से जुड़े एक मामले में झारखंड के गिरिडीह में कई स्थानों पर छापेमारी की. अधिकारियों के मुताबिक छापेमारी के दौरान संदिग्धों और नक्सलियों के घरों और अन्य परिसरों की एनआईए की टीमों ने गहन तलाशी ली, जिसमें कई मोबाइल फोन और सिम कार्ड समेत अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई.

जब्त की गई वस्तुओं की जांच की जा रही है. प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) के नक्सल कैडर कृष्णा हांसदा की गिरफ्तारी के बाद छापेमारी की गई. सीपीआई (माओवादी) के क्षेत्रीय समिति सदस्य हांसदा को जनवरी 2023 में डुमरी के लुसियो वन क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया था.

जांच के दौरान, जून 2023 में मामले को अपने हाथ में लेने वाली एनआईए ने कई संदिग्धों और नक्सलियों के बीच संबंधों का पता लगाया, जिनके बारे में माना जाता है कि वे गिरिडीह के पारसनाथ इलाके में सीपीआई (माओवादी) को रसद और इलेक्ट्रॉनिक सामान की आपूर्ति में शामिल थे.

तलाशी इन संदिग्धों और नक्सलियों के खिलाफ एनआईए की जांच का हिस्सा थी. अधिकारियों ने कहा कि मामले की आगे की जांच जारी है. एक अन्य मामले में, 2023 में विधानसभा चुनाव के दौरान मतदान और सुरक्षा दल पर सीपीआई (माओवादी) के हमले में छत्तीसगढ़ के दूरदराज के गांवों में भी एनआईए की छापेमारी की गई थी.

लखमा बोले-मैं अनपढ़ आदमी, जहां बोले साइन कर दिया

ईडी रेड के बाद कहा-एपी त्रिपाठी के जैसे अधिकारियों ने मुझे अंधेरे में रखा; बेटे को भी समन

रायपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के चर्चित 2000 करोड़ के शराब घोटाला मामले को लेकर अब बयानबाजी शुरू ह गयी है। ईडी ने शनिवार को 5 जगहों पर 15 घंटे की छापेमारी के बाद फिलहाल लौट गयी है, लेकिन अब जल्द ही पूछताछ का दौर शुरू होने वाला है। पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, बेटे हरीश लखमा और उनसे जुड़े लोगों के ठिकाने पर रेड के बाद कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

कवासी लखमा ने एपी त्रिपाठी पर फोड़ा ठिकरा

मामले में कवासी और उनके बेटे समेत कुछ लोगों को समन जारी किया है। इधर, कवासी लखमा ने कहा कि सोमवार को उन्हें और उनके बेटे को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। ईडी का छापा राजनीति से प्रेरित है। विधानसभा में सरकार के खिलाफ बोलने और बड़े घोटाले को उजागर करने पर छापा मारा गया है। मुझे एपी त्रिपाठी जैसे अधिकारियों ने अंधेरे में रखा।लखमा ने कहा कि मैं अनपढ़ हूं। अधिकारियों ने गड़बड़ी की है। अधिकारी जो दस्तखत लेकर आते थे, उस पर मैं सिर्फ दस्तखत करता था। अधिकारी ही कागज को पढ़ते लिखते थे। मेरे घर से एक कागज तक नहीं मिला है।उन्होंने कहा कि मुझे इस घोटाले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुझसे संपत्ति की जानकारी मांगी गई है। समय मांगा हूं, पूरी जानकारी दूंगा। ईडी के अधिकारी बेटे और मेरा मोबाइल अपने साथ ले गए हैं। उन्होंने मेरे से घोटाले के बारे में भी पूछताछ की।

अरूण साव बोले, कोई दुर्भावनावश कार्रवाई नहीं

इधर, ED कार्रवाई को लेकर कवासी लखमा के बयान पर पलटवार करते हुए डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि राजनीतिक दुर्भावनावश कार्रवाई नहीं हुई है। पुरा देश और दुनिया जानती है कि शराब घोटाले की जाँच चल रही है। जब शराब घोटाला हुआ कवासी लखमा प्रदेश के अबकारी मंत्री थे। जो साक्ष्य आए उस आधार पर जांच किए हैं शराब घोटाले मामले में एपी त्रिपाठी को मास्टरमंड बताए जाने और फ़ाइल पर दस्तखत करने को लेकर अरूण साव ने कहा कि मंत्री के रूप में जिम्मेदारी से काम का निर्वहन करना होता है। जो एक्सप्लानेशन वो दे रहे हैं, ईडी उस पर जरूर विचार करेगी। यह बात पूरी तरह से निराधार और बे बुनियाद है राजनीतिक कारण से कार्रवाई हुई है। जांच के क्रम में कार्रवाई हुई है।

मैया सम्मान योजना को लेकर आया नया अपडेट

इसी माह में राशि हस्तांतरित करने के निर्देश सभी उपायुक्तों को दिए हैं

रांची, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि मंइयां सम्मान योजना को लेकर उन्होंने जो वादा किया था, उसे वे पूरा कर रहे हैं। इस योजना के तहत महिलाओं को दिसंबर माह की बढ़ी हुई राशि ढाई हजार रुपये मिलनी शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर आगे लिखा मंइयां सम्मान योजना का कार्यक्रम रांची के नामकोम में आयोजित होनेवाला था।

इसमें झारखंड की महिलाओं को 2,500 रुपये की बढ़ी हुई वित्तीय सहायता मिलनी शुरू हो जाती। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर एक जनवरी तक सारे सरकारी कार्यक्रम रद कर दिए गए हैं।

26 दिसंबर से ही भेजी जाने लगी है राशि

इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सांकेतिक रूप से पांच लाभुक महिलाओं के बैंक खाते में राशि हस्तांतरित करनेवाले थे। लेकिन अब यह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

हालांकि इस योजना के तहत लाभुकों के खाते में 2,500 रुपये की राशि 26 दिसंबर से ही भेजी जाने लगी है।

बड़ी संख्या में लाभुकों के खाते में राशि हस्तांरित की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इसी माह सभी लाभुकों के खाते में राशि हस्तांतरित करने के निर्देश सभी उपायुक्तों को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी लिखा है कि वर्ष के पूरे 30 हजार रुपये प्रत्येक महिला लाभुक को मिलेंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन को लेकर झारखंड में सात दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है। राज्य सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वयन) ने 26 दिसंबर 2024 से एक जनवरी 2025 तक सात दिवसीय राजकीय शोक को लेकर शुक्रवार को पत्र जारी किया।

इसके अनुसार उक्त अवधि में राज्य के उन सभी भवनों जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाते हैं, वहां राष्ट्रीय ध्वज आधा झुके रहेंगे।

साथ ही राज्य में किसी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जाएगा।

इस आलोक में मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत प्रस्तावित राज्यस्तरीय कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया।

नामकुम के खोजाटोली स्थित आर्मी ट्रेनिंग ग्राउंड में भव्य आयोजन की तैयारी थी, जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस योजना के तहत दिसंबर माह की राशि महिला लाभुकों के बैंक खाते में हस्तांतरित करनेवाले थे।

हालांकि, जिलों में पहले ही महिलाओं के बैंक खाते में दिसंबर माह की बढ़ी हुई 2,500 की राशि हस्तांतरित होनी शुरू हो गई है। लाभुकों के खाते में राशि हस्तांतरित की गई। जहां तक कार्यक्रम की बात है तो राजकीय शोक की अवधि समाप्त होने के बाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा सकता है।

हालांकि, इसकी घोषणा अभी नहीं की गई है। बता दें कि मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के तहत दिसंबर माह से लाभुकों को एक हजार रुपये की बजाय ढाई हजार रुपये मिलने हैं। इसके लिए राज्य सरकार ने 5,225 करोड़ रुपये जिलों को आवंटित किए हैं।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री वापस लौटेंगे झामुमो में?

कोल्हान टाइगर ने कर दिया अपना स्टैंड क्लियर

सरायकेला, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने झामुमो में जाने की अटकलों पर विराम लगा दिया है. उन्होंने साफ कर दिया है वह अपनी पुरानी पार्टी में वापस नहीं लौटेंगे. ये बातें उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखी हैं. कोल्हान टाइगर के नाम से मशहूर चंपाई ने कहा है कि मैं जहां हूं, भविष्य में भी वहीं रहूंगा. मेरा उस पार्टी में वापस लौटने का इरादा नहीं है.

मुझे बदनाम करने की साजिशः चंपाई सोरेन

चंपाई सोरेन ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट लिखकर कहा कि फिर एक बार कुछ न्यूज पोर्टल द्वारा झूठी अफवाहें फैलायी जा रही हैं. एक साजिश के तहत बार बार ऐसा करके समर्थकों में भ्रम पैदा करने और मुझे बदनाम करने की कोशिश की जाती है. मैं बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहना चाहूंगा कि मैं जहां हूं भविष्य में भी वहीं रहूंगा. किसी भी परिस्थिति में मेरा उस पार्टी में लौटने का कोई इरादा नहीं है.

विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद भी लगाये जा रहे झामुमो में वापस लौटने के कयास

बता दें कि चंपाई सोरेन को लेकर विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद भी झामुमो में वापस लौटने के कयास लगाए जा रहे थे. इस खंडन भी उन्होंने सोशल मीडिया एक्स के जरिये किया था. उन्होंने कहा था कि पुराने वीडियो के जरिये लोगों में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है. भाजपा में शामिल होने का मेरा फैसला कोई गलती नहीं बल्कि सोच समझ कर लिया गया निर्णय है. आप हजार साजिश कर लें, लाख अफवाहें फैला लें, लेकिन एक बार जिस राह को छोड़ दिया, उस पर वापसी की कोई गुंजाइश नहीं है.

पेड़ से जा टकराई तेज रफ्तार कार, लगी आग

दो लोगों की मौके पर हुई मौत

दुर्ग, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग के नंदिनी थाना क्षेत्र के ग्राम मेडेसरा पॉवर ग्रिड के पास एक तेज रफ्तार कार अचानक सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गई। इस घटना में मौके पर ही दो लोगों की मौत हो गई वहीं दो लोग हालत गंभीर बताई जा रही है। पेड़ से टकराने के बाद कार में आग लग गई और आग से कार पूरी तरह से जलकर खाक हो गई।

नंदिनी थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि कार दुर्ग से धमधा की ओर जा रहा था इसी दौरान मेडेसरा के पास सड़क किनारे पेड़ से टकराई। जिसके मौके पर दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, पीछे बैठे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार में चार लोग दुर्ग से धमधा की तरफ जा रहे थे। मेडेसरा के पास बने पावर ग्रिड के पास कार पहुंची कि अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा गई। कार काफी तेज रफ्तार में थी और जैसे ही पेड़ से टकराई उसमें आग लग गई। कार टकराने से कार चालक अमित ताम्रकार (30 साल) निवासी वार्ड 12 तमेरपारा दुर्ग और आदित्य कसेर (33 साल) निवासी वार्ड 13 धमधा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार के पीछे बैठे उनके साथी अनीश ताम्रकार और सुधांशु ताम्रकार भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंच कर कार के अंदर से चारों लोगों को बाहर निकाला।

इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस सभी लोगों को दुर्ग अस्पताल लेकर आई। जहां डॉक्टरों ने अमित और आदित्य को मृत घोषित कर दिया। वहीं, उसके साथी अनीश और सुधांशु को गंभीर हालत के चलते भिलाई निजी अस्पताल में रेफर किया गया।

वहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। कार में आग इतनी भीषण लगी थी कि उससे कार तो पूरी तरह से जल ही गई साथ ही पूरा का पूरा पेड़ भी जलकर खाक हो गया। पुलिस ने इस मामले की जांच में जुट गई है।

जंगली दंतैल हाथी का शव बरामद, पानी में तैर रही थी लाश

जांच में जुटे वन विभाग के अधिकारी

कोरबा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक 15 वर्षीय दंतेल हाथी का शव बरामद होने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। हाथी का शव गीतकुंवरी इलाके में पानी में तैरता हुआ बरामद हुआ है। टीम ने शव को बरामद करने के साथ ही जांच शुरू कर दी है।

कोरबाः छत्तीसगढ़ में हाथियों की मौत के मामले बढ़ते जा रहे हैं। ताजा मामला कोरबा जिले से सामने आया है। यहां एक दंतैल जंगली हाथी का शव बरामद किया गया है। वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कोरबा वन मंडल के कुदमुरा रेंज के अंतर्गत गीतकुंवरी क्षेत्र में यह शव बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि वन विभाग को सुबह के समय गीतकुंवरी क्षेत्र में हाथी का शव होने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद विभाग के दल को रवाना किया गया। हाथी का शव तालाब के किनारे पानी में तैरते हुए बरामद किया गया है, जिसकी आयु लगभग 15 वर्ष है। यह हाथी कहां से और किस ओर से आया इसकी जांच की जा रही है।

करंट लगने से मौत की आशंका

विभाग को आशंका है कि हाथी की मृत्यु करंट लगने के कारण हुई है। अधिकारियों बताया कि हाथी की मौत किन परिस्थितियों में हुई है, इस संबंध में अधिक जानकारी पोस्टमॉर्टम के बाद ही मिल सकेगी। मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों की टीम गहराई से मामले की जांच कर रही है।

ग्रामीणों ने देखा शव

मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीण जंगल की और गए हुए थे। इस दौरान पानी में कुछ तैरता नजर आया। नजदीक गए तो हाथी पर नजर पड़ी उसको देखने के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। वन विभाग को जानकारी दी गई। वहीं, अधिकारियों ने बताया कि वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद हैं तथा विस्तृत कार्रवाई की जा रही है।

हाथियों की इस तरह मौत का यह पहला मामला नहीं है। पिछले 6 सालों में करीब 80 हाथियों की मौत हो चुकी है। वहीं 11 नवंबर के दिन खेत में एक हाथी का शव बरामद हुआ था। इसके पहले भी करंट लगने से मौत के मामले सामने आए थे, जिसमें रायगढ़ जिले के एक वन क्षेत्र में 26 अक्टूबर को एक शावक सहित तीन हाथियों की करंट लगने से मौत हो गई थी। वहीं, एक नवंबर को बिलासपुर जिले में एक हाथी के शावक की करंट लगने से मौत हो गई थी।

एसडीओ की पत्नी की आत्मदाह के बाद मौत

हजारीबाग सदर पुलिस ने अधिकारी पर दर्ज किया मामला

हजारीबाग, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग सदर के एसडीओ अशोक कुमार की पत्नी अनीता देवी ने खुद को कथित तौर पर आग लगा ली थी। आग से झुलसने के बाद अनीता की मौत हो गई।

इस मामले में पुलिस ने एसडीओ कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हालांकि अभी कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस बीच, अनीता के परिवार वालों ने उसके शव के साथ थाने का घेराव किया और तत्काल कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने बताया कि अनीता ने बृहस्पतिवार को हजारीबाग के लोहसिंघना स्थित अपने आधिकारिक आवास पर कथित तौर पर खुद को आग लगा ली थी। इसके बाद उसे बोकारो जनरल अस्पताल की बर्न यूनिट में भर्ती कराया गया। हालत बिगड़ने पर उसे रांची के निजी अस्पताल में रेफर किया गया। जहां शुक्रवार को अनीता की मौत हो गई।

राजकुमार के बयान पर इन लोगों पर दर्ज हुआ मामला

पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि अनीता के भाई राजकुमार गुप्ता के बयान के आधार पर एसडीओ कुमार, उनके पिता दुर्योधन साहू, छोटे भाई शिवनंदन और उनकी भाभी रिंकू देवी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अनीता के भाई का आरोप-पदोन्नति के बाद एसडीओ का बदला व्यवहार

राजकुमार ने अपने बयान में दावा किया कि कुमार की पदोन्नति होने के बाद से उनका व्यवहार उसकी बहन के प्रति बदल गया था। दोनों के बीच मतभेद तब और बिगड़ गए, जब बहन को पता चला कि उनका विवाहेतर संबंध है।

एसडीओ कुमार का दावा-पत्नी की मौत में उनका हाथ नहीं

हालांकि, एसडीओ कुमार ने दावा किया है कि पत्नी की मौत में उनका कोई हाथ नहीं है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें पता चला कि पत्नी ने आग लगा ली है तो उन्होंने उसे बचाने की कोशिश की। इस दौरान उनके हाथ भी झुलस गए। जिसके बाद पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

आरोप सही मिलने पर बख्शे नहीं जाएंगे एसडीओः एसपी

एसपी सिंह ने कहा कि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (मुख्यालय) अमित कुमार आनंद को मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया है।

एफआईआर में नामित लोगों के खिलाफ कार्रवाई उनके बयान दर्ज होने के बाद ही की जाएगी। एसपी ने कहा कि जांच के दौरान एसडीओ पर कोई पक्षपात नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। अगर एसडीओ कुमार के खिलाफ आरोप सही साबित होते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि एसडीओ के आधिकारिक आवास के कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए हैं।

पति-पत्नी और 3 साल की बेटी जिंदा जली

कमरे के पास से सिलेंडर और लाइटर बरामद

राजनांदगांव, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक व्यक्ति, उसकी पत्नी और उनकी तीन साल की बेटी का जला हुआ शव घर के अंदर मिला है. इस मामले की जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है.

एजेंसी के अनुसार, पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को बसंतपुर थाना क्षेत्र के भंवरमारा गांव में हुई. मृतकों की पहचान 40 वर्षीय भगवत सिन्हा, उनकी पत्नी 35 वर्षीय तनु और 3 साल की बेटी भाव्या के रूप में हुई है. इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब भगवत का भतीजा उनके घर पहुंचा. उसने देखा तो दरवाजा अंदर से बंद था.

उसने कई बार दरवाजा खटखटाया, इसके बावजूद कोई जवाब नहीं मिला. इसके बाद वह पिछले दरवाजे से घर के अंदर पहुंचा तो बेडरूम में नजर पड़ी तो वह सन्न रह गया. कमरे में तीनों के जले हुए शव पड़े हुए थे. इसके बाद उसने इस मामले की जानकारी पुलिस को दी.

झारखंड के इन जिलों में छाया रहेगा कुहासा

10 डिग्री से नीचे जा सकता है न्यूनतम तापमान

रांची, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्वनुमान के अनुसार झारखंड के कई जिलों में मौसम का मिजाज बदला है. आज भी कई जिलों में बारिश की संभावना है. लेकिन सोमवार यानी कि 30 दिसंबर से आसमान साफ रहने की संभावना है. इसके बाद न्यूनतम तापमान गिर सकता है. फिलहाल राजधानी समेत विभिन्न जिलों का तापमान 12 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रह रहा है.

इन जिलों में छाया रहेगा कुहासा

रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 30 दिसंबर को गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा और संताल परगना के जिलों में कुहासा रह सकता है. इसे लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है. हालांकि कहीं भी बारिश की संभावना नहीं है. दो से तीन दिनों में राजधानी सहित राज्य के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है. जिससे एक बार न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा सकता है.

दूसरी तरफ डालटनगंज का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है. वहां न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास है. न्यूनतम और अधिकतम तापमान में सामान्य से करीब पांच डिग्री सेल्सियस की वृद्धि है. बता दें कि बारिश झारखंड समेत राजस्थान, दिल्ली और मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों में देखने को मिला है. बारिश के कारण दिल्ली एक्यूआई गिरकर 152 पर आ गया. जो सामान्य श्रेणी में है.

नए साल में झारखंड के पर्यटन स्थल बनेंगे सैलानियों का आकर्षण केंद्र

प्रशासन की तैयारी पूरी

रांची, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। नववर्ष की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं और जैसे-जैसे 2024 का अंतिम सप्ताह करीब आता है, प्रखंड क्षेत्र के पिकनिक स्थलों पर सैलानियों की भीड़ बढ़ने लगी है. मंदार पर्वत की तराई और रंगसार में स्थित पर्यटन स्थल इन दिनों पर्यटकों से गुलजार हो रहे हैं. नया साल मनाने के लिए बच्चे, युवा और परिवारों ने यहां आकर पिकनिक का आनंद लेने की योजना बनाई है. इस दौरान आधे दर्जन से अधिक पिकनिक स्पॉट पर सैलानी जुटेंगे, जहां वे प्रकृति की खूबसूरती का लुत्फ उठाएंगे. मंदार तराई सहित अन्य पिकनिक स्थलों पर फास्ट फूड, आइसक्रीम, मिठाइयों के स्टॉल सजने लगे हैं. दुकानदार इन दिनों खुश हैं क्योंकि यहां सैलानियों की बढ़ती संख्या से उनका कारोबार भी बढ़ रहा है. त्योहार के इस समय में इन दुकानों पर चहल-पहल बनी रहती है. प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर मंदार पर्वत और रंगसार जैसे पिकनिक स्पॉट्स पर सैलानियों के लिए नौका विहार और रोप-वे जैसी आकर्षक गतिविधियों की व्यवस्था की गई है. पापहारिणी सरोवर में नौका विहार का आनंद लेने के साथ ही पर्यटक रोप-वे का उपयोग करके पर्वत शिखर पर पहुंच सकते हैं. यह विशेष व्यवस्था सैलानियों की संख्या में लगातार वृद्धि का कारण बन रही है.

'शेख हसीना को जल्द सुनाई जाए सजा'

पहले यूनुस सरकार ने भारत को लिखा पत्र; अब चला नया पैंतरा

ढाका, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की यूनुस सरकार पूर्व पीएम शेख हसीना को फंसाने के लिए हर रोज नए पैंतरा अजमा रही है। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद देश छोड़कर भारत आईं हसीना को यूनुस सरकार वापस लाना चाहती है। हाल ही में इसके लिए बांग्लादेश सरकार ने भारत को एक पत्र लिख हसीना को वापस भेजने के लिए कहा था। अब बांग्लादेश इंटरनेशनल क्राइम ट्राइब्यूनल (आईसीटी) के चीफ प्रॉसीक्यूटर मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने कहा कि मानवता की गुनहगार शेख हसीना को एक साल के अंदर सजा सुना दी जाएगी।

शेख हसीना पर मुकदमा चलाने का निर्देश

दरअसल, फोरम फॉर बांग्लादेश स्टडीज की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में ताजुल इस्लाम ने कहा कि मोहम्मद यूनुस ने कुछ प्राथमिकताएं तय की हैं। उन्होंने दावा किया अंतरिम सरकार के मुखिया ने निर्देश दिया है कि देश में हुई हत्याओं को करवाने वालों के खिलाफ जल्द से जल्द मुकदमा होना चाहिए।

हसीना ने करवाई छात्रों की हत्या

ताजुल ने कहा कि जुलाई में शुरू हुए छात्रों के आंदोलन को खत्म करने के लिए उनकी हत्याएं करवाई गईं और इसमें शेख हसीना का ही हाथ था। उन्होंने कहा कि पहले हम इस मामले में हसीना और उसके साथियों के खिलाफ केस फाइनल करेंगे और फिर सजा की बात होगी।

यूनुस सरकार ने भारत को लिखा पत्र

हाल ही में बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने भारत को पत्र लिख शेख हसीना को वापस भेजने की मांग की। बांग्लादेश सरकार ने कहा कि हसीना ने कई छात्रों की हत्याएं करवाई हैं और वो इसकी दोषी है। सरकार ने भारत से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है। वहीं, ढाका की अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने कहा कि हसीना ने मानवता के खिलाफ अपराध किया है और इसी कारण उनपर और उनकी कैबिनेट में शामिल मंत्रियों, सलाहकारों और सैन्य एवं प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

ये प्रतिशोध की राजनीति: संजीब वाजिद

शेख हसीना के बेटे संजीब वाजिद ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अवामी लीग के नेताओं को फंसाकर प्रतिशोध की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके चलते न्यायालय का भी दुरुपयोग किया जा रहा है। वाजिद ने कहा कि हम अपनी मांग दोहराते हुए यही कहते हैं कि छात्रों के आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, जिससे सब कुछ साफ हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया तट पर शार्क के हमले में व्यक्ति की मौत

सिडनी, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में सेंट्रल क्वींसलैंड तट पर शार्क के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। येप्पून के तटवर्ती जलक्षेत्र में शार्क के काटने की घटना में गर्दन पर जानलेवा चोट लगने के बाद 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पिछले एक महीने में सेंट्रल क्वींसलैंड में यह दूसरी घटना है। क्वींसलैंड पुलिस सेवा के प्रवक्ता ने बताया कि व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ मछली पकड़ रहा था, तभी उसे शार्क ने काट लिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने ब्रिसबेन स्थित द कूरियर मेल दैनिक समाचार पत्र के हवाले से बताया कि यह घटना करीब 4:37 बजे हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि व्यक्ति को जानलेवा चोटें आईं और शाम 6 बजे से ठीक पहले उसकी मौत हो गई। समाचार पत्र ने ऑस्ट्रेलियाई शार्क-घटना डेटाबेस के हवाले से बताया कि इस साल अब तक ऑस्ट्रेलियाई जलक्षेत्र में कम से कम चार अन्य शार्क हमले हुए हैं। इससे पहले 23 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर एक व्यक्ति पर शार्क ने हमला किया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। आपातकालीन सेवा न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) एम्बुलेंस ने बताया कि शार्क द्वारा किसी व्यक्ति को काटे जाने की सूचना मिलने के बाद स्थानीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे के बाद पोर्ट मैक्वेरी के नॉर्थ शोर बीच पर प्रतिक्रिया दल को बुलाया गया था। एनएसडब्ल्यू एम्बुलेंस ने एक बयान में कहा, पैरामेडिक्स ने 20 साल के एक व्यक्ति का गंभीर पैर में चोट लगने पर उसका मूल्यांकन किया और उसका उपचार किया तथा उसे स्थिर हालत में पोर्ट मैक्वेरी बेस अस्पताल पहुंचाया।

बाइडेन को अपने फैसले पर बड़ा अफसोस, क्या ट्रंप को दूसरी बार देते मात?

वाशिंगटन, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका चुनाव के करीब दो महीने बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन ने राष्ट्रपति चुनाव से अपना नाम वापस लेने पर अफसोस जताया है। साथ ही उन्होंने कहा अगर वे राष्ट्रपति की दौड़ से बाहर नहीं होते, तो रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को हरा सकते थे। वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक बाइडेन ने कथित तौर पर यह भी कहा कि मेरिक गारलैंड को अपना अटॉर्नी जनरल चुनना एक गलती थी। उन्होंने कहा कि गारलैंड, जो एक पूर्व अमेरिकी अपील कोर्ट के न्यायाधीश हैं। वो 6 जनवरी के कैपिटल दंगे के लिए, ट्रंप पर मुकदमा चलाने में धीमे थे, लेकिन बाइडेन के बेटे हंटर पर मुकदमा चलाने में आक्रामक थे। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि उन्हें इस भूमिका के लिए किसी और को चुनना चाहिए था।

बाइडेन पर बढ़ गया था दबाव

जो बाइडेन के व्हाइट हाउस में सिर्फ तीन हफ्ते बचे हैं, ऐसे में बाइडेन ने साफ किया कि चुनाव से एक महीने पहले रिपब्लिकन के खिलाफ बहस में खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने गलती की थी। बता दें, अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव के बाद, बाइडेन ने पोल से अपना नाम हटा दिया था और उसकी जगह अपनी उप राष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम आगे किया। बाइडेन पर दबाव तब और बढ़ गया जब पोल में ट्रंप को बढ़त मिलती दिखाई दी।

"हैरिस को मिला कम समय"

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक जो बाइडेन और उनके सहयोगियों ने कमला हैरिस को दोषी नहीं ठहराया, लेकिन ये माना कि अगर वह अपनी उम्मीदवारी के साथ खड़े होते तो परिणाम उनके पक्ष में हो सकते थे। हालांकि, उपराष्ट्रपति हैरिस के समर्थक इस दावे को खारिज कर रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि राष्ट्रपति बाइडेन ने अपना नाम वापस लेने में बहुत ज्यादा समय लिया, जिससे हैरिस को प्रभावी चुनाव अभियान शुरू करने के लिए बहुत कम समय मिला।

मुफ्त में सामान लेने के लिए दुकान में मची भगदड़

30 सेकेंड में खाली हो गया स्टोर, सामने आया वीडियो

पर्थ, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में एक स्टोर पर मुफ्त में सामान लेने के लिए भगदड़ मच गई। लोग धक्का-मुक्की करते हुए स्टोर में घुसे और यहां से सामान लिया। इस भगदड़ में कुछ लोग घायल भी हो गए। दुकान में भगदड़ का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दरअसल पर्थ के स्ट्रीटएक्स स्टोर के मालिक ने बॉक्सिंग डे सेल के तहत एलान किया था कि लोग आएं और स्टोर को लूट लें। रविवार सुबह जैसे ही स्टोर खुला तो यहां भगदड़ मच गई। बड़ी संख्या में लोगों ने स्टोर में घुसकर सामान लिया। स्ट्रीटएक्स स्टोर के मालिक डैनियल ब्रैडशॉ ने क्रिसमस से पहले घोषणा की थी कि लोग आएं और उनके स्टोर को लूटकर ले जाएं। उनकी टीशर्ट बांटने की योजना थी। स्टोर मालिक ने कहा स्टोर में रखी गईं 400 से ज्यादा चीजें महज 30 सेकेंड में गायब हो गईं। हम अपने ग्राहकों को कुछ मजेदार देना चाहते थे। हमने पूरे स्टोर को मुफ्त कर दिया था। इस दौरान लोग पहुंचे और सामान लिया। ब्रैड शॉ ने कहा कि पुलिस इस बार नहीं आई। कोई घायल नहीं हुआ है। वहीं सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो सामने आए। इनमें लोग दूध पी रहे हैं और एक-दूसरे पर खाना फेंक रहे हैं। एक महिला ने कहा कि स्टोर पर मची अफरातफरी में एक युवक ने उसके बेटे के सिर पर मुक्का मारा और उसका सामान छीन लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इसमें सैकड़ों लोग पर्थ में स्ट्रीटएक्स नामक दुकान की ओर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें हेलमेट लगाए और शोल्डर पैड पहने एक व्यक्ति देखा गया जो दुकान में घुसने के लिए धक्का-मुक्की कर रहा है। स्टोर का शटर खुलते ही लोग दौड़ पड़े। इस दौरान कुछ लोगों को चोटें आई हैं। वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा का आलम है।

टोंगा में 5.5 तीव्रता के भूकंप से हिली धरती, लोग हुए बेचैन

टोंगा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। भूकंप के कई मामले हर दिन ही देखने को मिल रहे हैं। दुनियाभर में कहीं न कहीं रोज भूकंप के एक से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। टोंगा एक ऐसा देश है जहाँ अक्सर ही भूकंप आते हैं और आज भी ऐसा ही हुआ। आज, रविवार, 29 दिसंबर को आए भूकंपों में टोंगा में आया भूकंप भी शामिल है। यह भूकंप टोंगा में होमा से 282 किलोमीटर वेस्टर्न नॉर्थवेस्ट में आया, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.5 रही। भारतीय समयानुसार टोंगा में यह भूकंप आधी रात बाद 1 बजकर 27 मिनट पर आया। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने भी टोंगा में आज आए भूकंप की पुष्टि की। टोंगा में आज आए इस भूकंप की गहराई 550.6 किलोमीटर रही। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने भी इसकी पुष्टि की। टोंगा में आज आए भूकंप का झटका न सिर्फ प्रभावित क्षेत्र में महसूस किया गया, बल्कि आसपास के कुछ इलाकों में भी महसूस किया गया। इस भूकंप की वजह से लोग बेचैन हो गए। हालांकि भूकंप के कारण जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ।

अमेरिका में एच1बी वीजा पर टकराव

आमने-सामने आए ट्रंप और एलन मस्क; अब आगे क्या ?

वाशिंगटन, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क और विवेक रामास्वामी की ओर से अत्यधिक कुशल श्रमिकों के लिए एच1बी वीजा कार्यक्रम के विस्तार की वकालत के बाद बहस छिड़ गई है। डोनाल्ड ट्रंप की टीम के अंदर इसे लेकर बड़ा विभाजन उभर कर सामने आया है। मस्क और रामास्वामी दोनों विदेशी मूल के नेता हैं और ट्रंप के सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं। मस्क ने अमेरिका की तकनीकी बढ़त को बनाए रखने के लिए टॉप इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को आकर्षित करने के महत्व पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में प्रतिभाशाली इंजीनियर की संख्या बहुत कम है। इसे एक पेशेवर खेल टीम की तरह समझें। अगर आप चाहते हैं कि आपकी टीम चैंपियनशिप जीत जाए, तो आपको टॉप प्रतिभाओं को भर्ती करना होगा, चाहे वे कहीं भी हों।

अमेरिका फर्स्ट नीति को कमजोर करने का आरोप

रामास्वामी ने मस्क की भावनाओं को दोहराया है। इसका आव्रजन पर अंकुश लगाने को प्राथमिकता देने वालों ने विरोध किया है। लारा लूमर, एन कूल्टर और मैट गेट्ज जैसे लोगों ने नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने अमेरिका फर्स्ट नीति को कमजोर करने का आरोप लगाया।

दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर भी बनीं बहस का हिस्सा

गेट्ज ने कहा कि हमने उनसे आव्रजन नीति बनाने के लिए नहीं कहा है। बहस में दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली भी शामिल हो गई हैं। उन्होंने अमेरिकी कार्यबल में निवेश के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'यदि तकनीकी उद्योग को श्रमिकों की आवश्यकता है, तो हमारी शिक्षा प्रणाली में निवेश करें। हमें कहीं और देखने से पहले अमेरिकियों में निवेश करना चाहिए।' एच1बी वीजा पाने वालों में सबसे ज्यादा 70 फीसदी भारतीय ही हैं इसलिए इसकी पॉलिसी में बदलाव करने का सबसे बड़ा असर भी भारतीयों पर ही होगा। साथ ही इतने बड़े पैमाने पर एच1बी वीजा धारकों में भारतीयों का होना अमेरिका की टेक इंडस्ट्री में भारतीय प्रोफेशनल्स की अहमियत को दर्शाता है। लेकिन ट्रंप के समर्थकों को यह बात रास नहीं आ रही है।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान को जवाब, चौकियों पर दागी गोलियां, एक पाकिस्तानी सैनिक की मौत, 11 घायल

तेहरान, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान द्वारा दो दिन पूर्व अफगानिस्तान में घुसकर टीटीपी के आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले करने के बाद अफगानिस्तान ने जवाब दिया है। अफगान तालिबान बल ने पाकिस्तान की सीमा चौकियों पर गोलीबारी की। गोलीबारी में पाकिस्तान के अर्धसैनिक बल के एक सैनिक की मौत हो गई। जबकि 11 अन्य सैनिक घायल हो गए। यह गोलीबारी पाकिस्तान की ओर से अफगानिस्तान में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के आतंकियों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के बाद की गई। पाकिस्तानी रक्षा सूत्रों के मुताबिक अफगानिस्तान के सैनिकों ने ऊपरी कुर्रम जिले में कई पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर गोलीबारी की। इस दौरान घोजगढ़ी, माथा संगर, कोट राघा और तारी मेंगल इलाकों में बनी चौकियों पर भी गोलियां दागी। गोलीबारी में पाकिस्तान के एक सैनिक की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। बताया यह भी जा रहा है कि पाकिस्तान ने भी अफगानिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की। इसमें अफगान सेना के सात से आठ जवान मारे गए।

हवा में मार गिराया अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन, हूती विद्रोहियों का बड़ा दावा

यमन, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। हूती विद्रोहियों को रोकना मुश्किल होता जा रहा है। हूती विद्रोही आए दिन अमेरिका और इजराइल के लिए नई मुसीबत खड़ी कर रहे हैं। हूती समूह ने दावा किया है कि उन्होंने यमन के ऊपर एक और अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है। हूती विद्रोहियों को अंसारुल्लाह के नाम से भी जाना जाता है, उन्होंने ड्रोन को रोकने और मार गिराने का एक कथित वीडियो भी जारी किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। खबरों के मुताबिक 7 अक्टूबर को हमास और इजराइल के बीच संघर्ष की शुरुआत के बाद से यमन के ऊपर मार गिराया जाने वाला यह इस मॉडल का 13वां ड्रोन है। 13वें अमेरिकी ड्रोन को मार गिराए जाने की पुष्टि हूती सशस्त्र बलों के प्रवक्ता याह्या सारी ने की है। आधिकारिक तौर पर अंसार अल्लाह के नाम से जाने जाने वाले हूती आंदोलन ने कहा कि अमेरिकी निगरानी ड्रोन को बायदा प्रांत में मार गिराया गया। अमेरिकी ड्रोन को तब मार गिराया गया जब वह कथित तौर पर यमन के बायदा इलाके के ऊपर उड़ रहा था।

बायदा राजधानी सना और बंदरगाह शहर अदन के बीच स्थित है। हूती प्रवक्ता ने कहा कि ड्रोन को सतह से हवा में मार करने वाली एसएएम मिसाइल से मार गिराया गया है। 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमास के हमले के बाद फिलिस्तीनी प्रतिरोध के साथ एकजुटता में हूती विद्रोहियों ने इजराइल के खिलाफ सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइल और हमलावर ड्रोन लॉन्च किए हैं। हाल ही में इजराइल ने हूतियों को ड्रोन और मिसाइल लॉन्च करने से रोकने के लिए सना और यमन के बंदरगाह शहरों में दर्जनों हमले किए हैं। हूती आंदोलन ने गाजा में इजराइली हमलों के विरोध में लाल सागर में नाकाबंदी की है, जिससे इजराइल से जुड़े जहाजों के साथ-साथ अमेरिका और कई यूरोपीय देशों के जहाजों की आवाजाही में बाधा आई है। हूती नाकाबंदी और मिसाइल हमलों का जवाब देते हुए, अमेरिका और ब्रिटेन ने भी अंसारुल्लाह के खिलाफ कई हमले किए हैं।

अमेरिकी ड्रोन की कीमत 400 मिलियन डॉलर

हूती का कहना है कि यह उनके द्वारा गिराया गया 13वां ड्रोन था। अभी तक अमेरिका ने एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराए जाने पर कोई टिप्पणी नहीं की है। एमक्यू-9 रीपर श्रेणी के ड्रोन की कीमत कथित तौर पर 31 मिलियन डॉलर है। मार गिराए गए अमेरिकी ड्रोन की कुल कीमत लगभग 400 मिलियन डॉलर आंकी गई है।

टेक्सास और मिसिसिपी में तूफान का भयानक तांडव, 2 लोगों की मौत; हवा में उड़े कई वाहन और घरों की छत

ह्यूस्टन, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास और मिसिसिपी में एक के बाद एक कई तूफान आए। तूफानों के तांडव में कई घरों की छत और वाहन उड़ गए व पलट गए। काफी संख्या में पेड़ और पोल भी गिर गए व क्षतिग्रस्त हो गए। इस भीषण तूफान में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। तूफान से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए और ढेरों वाहन पलट गए। 'ब्राजोरिया काउंटी शेरिफ' कार्यालय की प्रवक्ता मैडिसन पोलस्टन ने बताया कि ह्यूस्टन के दक्षिण में स्थित लिवरपूल क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पोलस्टन ने बताया कि लिवरपूल और हिलक्रेस्ट विलेज तथा एल्विन के बीच काउंटी में कई स्थान तूफान से प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि अब तक अधिकारियों को लगभग 10 क्षतिग्रस्त मकानों के बारे में पता चला है, लेकिन वे अब भी नुकसान के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। आशंका है कि बड़े पैमाने पर घरों, प्रतिष्ठानों, दुकानों को नुकसान पहुंचा है।

हमास लीडर इस्माइल हानिया की बच सकती थी जान, विफल होने वाला था इजराइली प्लान

तेल अवीव, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल के कुछ खुफिया रिपोर्ट्स के खुलासे के साथ दावा किया है कि तेहरान में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या की इजराइली योजना उनके होटल के कमरे में अचानक एयर कंडीशनर खराब होने के कारण अंतिम समय में विफल हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक एयर कंडीशनर खराब होने के बाद हानिया काफी देर तक अपने कमरे से बाहर रहे और उसी समय इजराइली एजेंटों को चिंता थी कि हानिया कहीं कमरा बदल न लें। इजराइल के चैनल 12 ने हानिया की रिमोट-नियंत्रित बम से हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि कमरे में लगाए गए बम के छोटे आकार को देखते हुए, अगर हानिया ने कमरा बदल लिया होता, तो उनकी मौत नहीं होती। रिपोर्ट में कहा गया है कि हानिया के कमरे में लौटने से पहले होटल के कर्मचारी आखिरकार एयर कंडीशनर को ठीक करने में सफल रहे, और इसलिए हानिया तेहरान समय के मुताबिक रात 1:30 बजे बम फटने तक अपने कमरे में ही रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि हानिया की हत्या की योजना तैयार होने में कई महीने लगा था। तेहरान में हानिया की हत्या के बाद, न्यूयॉर्क रिपोर्ट की कि वरिष्ठ हमास नेता की यात्रा से महीनों पहले तेहरान में एक विस्फोटक उपकरण तस्करी करके लाया गया था और इसे लगभग दो महीने पहले इस्माइल हानिया के आवास पर लगाया गया था। हालांकि, आईआरजीसी से संबद्ध फ़ार्स न्यूज एजेंसी ने हानिया की उनके आवास में बम से हत्या के बारे में न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को 'झूठ' बताया, जिसमें कहा गया कि हानिया की मौत एक प्रक्षेपास्त्र से हुई थी और हमले में इजराइल की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

इमारत से जारी एक तस्वीर से पता चलता है कि विस्फोट, जिसने इमारत को हिला दिया और कई खिड़कियों को तोड़ दिया, जिससे इमारत की बाहरी दीवार का एक हिस्सा ढह गया, जहां हानिया मौजूद थे। विस्फोट उस समय हुआ जब तेहरान मसूद पेजेश्कियान के उद्घाटन समारोह की मेजबानी के कारण कड़ी सुरक्षा के बीच था, जिसमें वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, सैन्य कमांडर और 86 देशों के प्रमुख व्यक्ति शामिल हुए थे।

मार्शल लॉ के दौरान यून सुक योल ने सेना को गोली चलाने का दिया था आदेश, अभियोजन रिपोर्ट से खुलासा

सियोल, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लगाने के दौरान निलंबित राष्ट्रपति यून सुक योल ने सैन्य बलों को जरूरत पड़ने पर गोली चलाने का भी आदेश दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभियोजन रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। पूर्व रक्षा मंत्री किम यॉंग ह्यून के खिलाफ दायर 10 पेज की अभियोजन रिपोर्ट में कहा गया है कि निलंबित राष्ट्रपति ने संसद में प्रवेश करते समय सैन्य बलों को जरूरत पड़ने पर गोली चलाने का आदेश दिया था। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि निलंबित राष्ट्रपति यून ने 3 दिसंबर को जरूरत पड़ने पर तीन बार मार्शल लॉ लगाने की बात कही थी।

यून सुक योल को इस महीने की शुरुआत में नेशनल असेंबली द्वारा राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया था और देश में मार्शल लॉ लगाने के लिए, उनके खिलाफ जांच चल रही है। अभियोजन रिपोर्ट को यून सुक योल के वकील ने खारिज कर दिया है और कहा कि ये एकतरफा आरोप हैं और परिस्थितियों से मेल नहीं खाते। 3 दिसंबर को मार्शल लॉ लगने के बाद जब चार दिसंबर को सांसद, संसद पहुंचे, तो भारी हथियारों से लैस सैनिकों ने इमारत पर धावा बोल दिया। अभियोजन अभियोग रिपोर्ट के अनुसार, यून ने राजधानी रक्षा कमान के प्रमुख ली जिन-वू से कहा कि 'अगर जरूरत हो तो सैन्य बल नेशनल असेंबली में प्रवेश करने के लिए गोली चला सकते हैं।'

मार्च से ही मार्शल लॉ लगाने की योजना बना रहे थे यून सुक योल

4 दिसंबर की सुबह सांसदों ने संसद में घुसकर यून की घोषणा को रद्द करने के लिए 190-0 से मतदान किया। रिपोर्ट में मार्शल लॉ की घोषणा के दिन वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के संदेशों के स्क्रीनशॉट भी शामिल थे। जिनमें इस बात के सबूत हैं कि यून मार्च की शुरुआत में ही वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ मार्शल लॉ घोषित करने पर चर्चा कर रहे थे। पूर्व रक्षा मंत्री किम को मार्शल लॉ लगाने के उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने विपक्षी पार्टी डीपीके पर उत्तर कोरिया के साथ सहानुभूति रखने और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में देश में मार्शल लॉ लगा दिया था। हालांकि मार्शल लॉ लगाने के कुछ ही घंटे बाद पूरा विपक्ष संसद पहुंच गया और मार्शल लॉ हटाने के लिए मतदान कर दिया। मार्शल लॉ के खिलाफ दक्षिण कोरिया की सड़कों पर लाखों लोगों की भीड़ उतर गई, जिसके छह घंटे बाद ही मार्शल लॉ हटा लिया गया। राष्ट्रपति यून सुक योल को महाभियोग प्रस्ताव लाकर हटा दिया गया।

सैनिकों की तैनाती, हेलीकॉप्टर भी उतारे

चीन कर रहा तिब्बती लारुंग बौद्ध अकादमी की किलेबंदी, उइगुर जैसा हाल करने की तैयारी?

बीजिंग, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन ने दुनिया के सबसे बड़े तिब्बती बौद्ध अध्ययन केंद्र, लारुंग गार बौद्ध अकादमी में 400 से ज्यादा सैनिकों की तैनाती की है। सैनिकों के साथ-साथ कई हेलिकॉप्टर भी चीन ने यहां उतार दिए हैं। सेंट्रल तिब्बतन एडमिनिस्ट्रेशन (सीटीए) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। चीन के इस कदम को अकादमी में धार्मिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने की कोशिश माना जा रहा है। चीनी सरकार की तिब्बत में इस तरह से शिकंजा कसने की कोशिश पहले भी होती रही है, ये इस दिशा में एक नया कदम है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन सरकार अगले साल से कांजे के सेरथर काउंटी में स्थित इस बौद्ध संस्थान पर और ज्यादा सख्त नियम लागू करने का विचार कर रहा है। इन नियमों के तहत, भिक्षुओं और भिक्षुणियों के रहने की अवधि 15 साल तक सीमित हो जाएगी। यहां धार्मिक आस्था के तहत आने वाले लोगों को अधिकारियों के पास पंजीकरण कराना जरूरी होगा। चीन की मठ में भिक्षुओं और भिक्षुणियों की संख्या भी कम करने की योजना है। चीनी छात्रों को भी वहां से बुलाया जा रहा है। साल 1980 में स्थापित लारुंग गार पर चीन सरकार ने कई बार कार्रवाई की है। 2001 में और फिर 2016-2017 में इस संस्थान पर बड़ा दमन हुआ था। हजारों इमारतों को तोड़ा गया और कई लोगों को जबरन निकाला गया था। जुलाई 2016 को शुरू हुई तोड़फोड़ मई 2017 तक चली। वहां की आबादी भी 10,000 से घटकर आधी रह गई है।

लारुंग गार में भिक्षुओं और भिक्षुणियों की संख्या कम करने के चीन के फैसले से तिब्बती बौद्ध धर्म के भविष्य पर चिंता बढ़ गई है। यह कदम धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध के रूप में देखा जा रहा है। एक्सपर्ट ने चिंता जाहिर की है कि बौद्ध भिक्षुओं के साथ भी उसी तरह का दमन का बर्ताव हो सकता है, जैसा चीन उइगुर मुस्लिमों के साथ करता रहा है। सीटीए ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप का आग्रह किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह चीन की धार्मिक गतिविधियों पर नियंत्रण कसने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। लारुंग गार में तैनात सैनिकों और हेलिकॉप्टरों की संख्या भी चिंता का विषय है। यह दर्शाता है कि चीन स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए कितना गंभीर है। दूसरी ओर चीन सरकार का कहना है कि ये कदम क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए है। तिब्बत का मुद्दा चीन के लिए लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। तिब्बत पर 1950 में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने हमला कर 1951 तक अपना कब्जा कर लिया, जिससे राजनीतिक अशांति फैल गई। साल 1959 में दलाई लामा को भारत भागना पड़ा, जहां उन्होंने निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना की। चीन की सरकार तिब्बत को अपना अभिन्न अंग मानती है, जबकि कई तिब्बती अधिक स्वायत्तता या स्वतंत्रता की वकालत करते हैं।

युवाओं की लिए खुशखबरी चार साल में दस लाख को रोजगार देगी भजनलाल सरकार

जयपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल से पहले राजस्थान के युवाओं को बड़ी खुशखबरी मिली है। भजनलाल सरकार ने अपने कार्यकाल में युवाओं को रोजगार देने के अपने लक्ष्य को बढ़ा दिया है। सरकार ने पहले 7 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा था, जिसे अब बढ़ाकर दस लाख कर दिया गया है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि सरकार अब चार साल में 10 लाख युवाओं को नौकरी देगी।

उन्होंने कहा कि कार्मिकों के हित को ध्यान में रखते हुए मिनिमम एश्योर्ड कॅरियर प्रोग्रेशन (एमएसीपी) योजना के तहत देय वित्तीय उन्नयन में अनुशासनिक कार्यवाहियों में दंड के प्रभाव को समाप्त कर दिया गया है।

वर्तमान में दंडित कार्मिक को 9, 18 एवं 27 वर्ष की नियमित सेवा पर देय वित्तीय उन्नयन का लाभ एमएसीपी की निर्धारित तिथि के एक वर्ष बाद मिल पाता है। चूरू के राजकीय महाविद्यालय सिद्धमुख का नामकरण 'श्रीमती शकुन्तला देवी राजकीय महाविद्यालय, सिद्धमुख करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

अभ्यर्थियों को राहत, सीईटी स्कोर की वैधता 3 वर्ष तक

राजस्थान अधीनस्थ एवं लिपिक वर्गीय सेवा (समान पात्रता परीक्षा) नियम, 2022 में सीईटी स्कोर की वैधता अब 1 वर्ष के बजाय 3 वर्ष के लिए रहेगी। राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्य एवं अधीनस्थ सेवा नियम के अंतर्गत आने वाले छात्रावास अधीक्षक (पुरुष) ग्रेड-2 एवं छात्रावास अधीक्षक (महिला) ग्रेड-2 को समान पात्रता परीक्षा की अनुसूची-1 (स्नातक स्तर) में शामिल किया जाएगा। इससे परीक्षार्थियों को अधिक पदों पर चयन का अवसर प्राप्त होगा।

पशुधन सहायक को तीसरी पदोन्नति का अवसर भी मिलेगा

राजस्थान पशुपालन अधीनस्थ सेवा नियम, 1977 के तकनीकी संवर्ग में पशुधन सहायक को पदोन्नति का तीसरा अवसर उपलब्ध करवाने और इस संवर्ग के पदनामों में परिवर्तन के लिए सेवा नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है।

इस संशोधन के अनुसार तीसरी पदोन्नति का अवसर देने के लिए मुख्य पशुधन प्रसार अधिकारी का नवीन पद सृजित किया जाएगा।

जिलों को खत्म करने पर आ गया अशोक गहलोत का रिएक्शन

सीएम भजनलाल से पूछे सवाल

जयपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 3 नए संभाग और 19 जिलों का गठन किया था। इनमें जयपुर और जोधपुर को शहरी और ग्रामीण अलग जिले भी बनाये। अब भजनलाल सरकार ने गहलोत के इस निर्णय को गलत बताते हुए 3 संभाग और 9 नए जिलों को निरस्त करने का फैसला लिया है। भजनलाल सरकार के इस फैसले का पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विरोध किया है। गहलोत ने कहा कि उनकी सरकार में बनाए गए जिलों को निरस्त करने का फैसला विवेकहीन और राजनीतिक प्रतिशोध का उदाहरण है।

पूर्व सीएम गहलोत ने भजनलाल सरकार के इस फैसले पर कहा कि उनकी सरकार के दौरान जिलों के पुनर्गठन करने के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रामलुभाया की अध्यक्षता में 21 मार्च 2022 को समिति बनाई गई थी जिसको दर्जनों जिलों के प्रतिवेदन प्राप्त हुए। इन्हीं प्रतिवेदनों का परीक्षण कर समिति ने अपनी रिपोर्ट दी जिसके आधार पर नए जिले बनाने का निर्णय किया गया। जिले की आबादी और क्षेत्रफल कम होने से शासन-प्रशासन की पहुंच बेहतर होती है। साथ ही सरकारी सुविधाओं और योजनाओं की बेहतर डिलीवरी सुनिश्चित हो पाती है। छोटी प्रशासनिक इकाई होने पर जनता की प्रतिवेदनाओं का निस्तारण भी शीघ्रता से होता है। यही सोच कर 3 संभाग और 19 जिले बनाए गए थे।

दूरी का पैमाना था को डीग निरस्त क्यों नहीं किया

भाजपा सरकार द्वारा जिन जिलों को छोटा होने का तर्क देकर रद्द किया है वो भी अनुचित है। गहलोत ने कहा कि अगर भाजपा सरकार ने दूरी का पैमाना रखते हुए जिलों को निरस्त किया है तो भरतपुर से अलग करके बनाए गए डीग जिले को निरस्त क्यों नहीं किया। डीग तो भरतपुर से महज 38 किलोमीटर दूर है। सांचौर से जालोर की दूरी 135 किमी और अनूपगढ़ से गंगानगर की दूरी 125 किमी होने के बावजूद उन जिलों को रद्द कर दिया गया। सांचौर और अनूपगढ़ जिलों को खत्म करने से लोगों को भारी परेशानी होगी। सांचौर अब फिर से जालोर का हिस्सा हो गया इससे अंतिम छोर का गांव जिला मुख्यालय से 200 किलोमीटर दूर हो गया है। गहलोत ने माना कि हां, उन्होंने एक छोटा जिला बनाया था दूदू। यह केवल प्रयोग के लिए बनाया गया था।

गहलोत ने कहा कि भाजपा सरकार ने यह निर्णय लेने में एक साल लगा दिया। इससे समझ सकते हैं कि उनके दिलो दिमाग में कितना कन्फ्यूज रहा होगा। अगर जिले छोटे होंगे तो लोगों परिवेदनाएं की सुनवाई जल्दी हो सकेगी। गहलोत ने कहा कि हरियाणा, गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में कई छोटे जिले हैं। जिले निरस्त करने से पहले वहां की स्थिति की स्टडी करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि हमने सोच समझकर और गुड गवर्नेंस के लिए जिले बनाए थे। कोई चुनाव में फायदे के लिए नहीं बनाया। चुनाव में नफा नुकसान तो होते रहते हैं। परंतु हमने प्रशासनिक दृष्टि से और जनहित में प्रदेश के विकास को गति मिले, उस हिसाब से जिले बनाए थे।

डिप्टी सीएम का जिला रद्द

दूदू में प्रेमचंद बैरवा के खिलाफ नारेबाजी

जयपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने गहलोत राज में बने नए 9 नए जिलों को निरस्त कर दिया है। भजनलाल सरकार ने यह फैसला कैबिनेट बैठक में लिया। इस फैसले के बाद जगह-जगह से विरोध के सुर उठने लगे हैं। उपमुख्यमंत्री के गृह जिले के निरस्त होने पर लोगों ने प्रेमचंद बैरवा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

दूदू जिले को निरस्त करने के निर्णय के विरोध में दूदू के लोगों व कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यहां पुलिया के नीचे कांग्रेस प्रवक्ता त्रिलोक सिंह चौधरी, आरीफ शेख, बी.सी.भाकर, विनोद दायमा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के खिलाफ जमकर नारे लगाए।

डिप्टी सीएम नहीं थे जिले के पक्ष में

वहीं, क्षेत्र के लोगों में भी सरकार के निर्णय का विरोध नजर आया।

आरिफ शेख ने कहा कि उपमुयमंत्री जिले के पक्ष में नहीं थे। यही कारण है कि सरकार ने दूदू जिले को निरस्त कर दिया।

'डिप्टी सीएम अब क्या मुंह दिखाएंगे'- डोटासरा

इधर, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने दूदू जिला रद्द किए जाने पर डिप्टी सीएम बैरवा को लपेटे में लेते हुए कहा कि उप मुखयमंत्री प्रेमचंद बैरवा दिल्ली वाले चक्कर में मुश्किल से तो बचे थे और आज उनको निपटाकर घर बैठा दिया। वे प्रेस कॉन्फ्रेंस करने ही नहीं आए। बैरवा अब जनता को कैसे मुंह दिखाएंगे। जिसकी मांग कर रहे थे वह उनका जिला खत्म कर दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डीग को बचा लिया।

सरकार ने इन 8 जिलों को रखा यथावत

फलोदी, बालोतरा, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन और सलूम्बर।

इन जिलों किया निरस्त

अनूपगढ़, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, नीमकाथाना, सांचौर व शाहपुरा।

तीन संभाग निरस्त

बांसवाड़ा, पाली और सीकर।

शेखावाटी के लोगों में आक्रोश

आखिर सीकर संभाग का दर्जा क्यों छीना गया

सीकर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। सीकर संभाग की खुशियों के बीच राजस्थान सरकार के फैसले ने सियासी तौर पर बड़ा झटका दे दिया है। सीकर संभाग के साथ नीमकाथाना जिले के निर्णय को सरकार ने लगभग पौने दो साल बाद वापस ले लिया है। संभाग व नीमकाथाना जिले के रद्द करने के फैसले के बाद शेखावाटी के लोगों में नाराजगी के तेवर दिखे।

कांग्रेस, माकपा, अभिभाषक संघ सहित कई सामाजिक संगठनों ने नए साल से सीकर संभाग व नीमकाथाना जिले के बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। पिछली सरकार के समय सीकर को जयपुर संभाग से हटाकर चार जिलों के साथ सीकर को संभाग बनाया गया था।

भाजपा ने सत्ता में आते ही नए जिलों व संभागों की समीक्षा का काम शुरू कर दिया था। इधर, नीमकाथाना जिला रद्द होने से लोगों में मायूसी दिखी। वहीं भाजपा नेताओं का कहना है कि विकसित राजस्थान की परिकल्पना के लिए सरकार ने आर्थिक पक्ष को ध्यान में रखकर फैसला लिया है।

अब फिर से शेखावाटी दो संभागों में

सीकर संभाग के रद्द होने के साथ ही अब पुरानी व्यवस्था लागू रहेगी। सीकर व झुंझुनूं जिले अब पहले की तरह जयपुर संभाग में शामिल होंगे। जबकि चूरू जिला पहले की तरह बीकानेर संभाग में शामिल होगा।

लोकसभा व विधानसभा परिणाम

लोकसभा चुनाव में भाजपा को शेखावाटी में तीनों सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। सीकर में इंडिया गठबंधन व चूरू व झुंझुनूं जिले में कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत हुई थी। वहीं विधानसभा चुनाव में भी सीकर, चूरू व झुंझुनूं जिले में भाजपा को उमीदों के हिसाब से सीट नहीं मिल सकी। कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव से लेकर सीकर को संभाग का दर्जा देकर सियासी मास्टर स्ट्रोक लगाया था। कांग्रेस के मास्टर स्ट्रोक पर भाजपा ने अब संभाग का दर्जा वापस लेकर प्रहार किया है।

वित्तीय संसाधन

सरकार ने नए संभाग व जिलों की समीक्षा में माना कि नए संभागों से सरकार पर काफी वित्तिय भार बढ़ेगा। ऐसे में सरकार ने सीकर संभाग का दर्जा वापस ले लिया है। इसके अलावा नीमकाथाना जिले को वापस सीकर में शामिल किया है।

विरोध को बनाया हथियार

सरकार ने नीमकाथाना जिले को वापस सीकर में शामिल करने पर खेतड़ी के लोगों के विरोध को वजह बताया है। वहीं सीकर संभाग को समाप्त करने में झुंझुनूं व चूरू जिले के कुछ क्षेत्र के लोगों के विरोध को हथियार बनाया गया।

घर के बाहर खेल रहे बच्चों पर गिरी हाईटेंशन लाइन, मौत

झालावाड़, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के झालावाड़ में बिजली विभाग की लापरवाही से बड़ हादासा हो गया है। यहां हाईटेंशन लाइन गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई है। परिजनों ने बिजली विभाग के कर्मचारियों पर आरोप लगाया है। पहले भी इस तरह लाइन गिरने की घटनाएं हो चुकी है, फिर भी इसमें सुधार नहीं किया जा रहा है।

खेत में कुछ लोगों के मकान बने हुए थे। इन मकानों के उपर से हाईटेंशन लाइन जा रही थी और उनके सामने तीन फेज का ट्रांसफॉर्मर लगा हुआ था। इन्हीं घरों में रहने वाले दो बच्चे, 10 साल का देवकरण मीणा और 8 साल का यश बागरी बाहर खेल रहे थे। इसी दौरान ट्रांसफॉर्मर में से चिंगारी निकली और हाईटेंशन लाइन दोनों बच्चों पर गिर गई। तेज धमाके की आवाज सुनकर देवकरण की दादी दौडक़र बाहर आई तो वहां का दृयश देखकर चीख पड़ी। दोनों बच्चे तड़प रहे थे। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग इक_I हुए और बिजली सप्लाई बंद करवाई गई।

राजस्थान सरकार लिखी गाड़ी से चोरी करने आए तीन लोग

ग्रामीणों ने एक को दबोचा; पुलिस को सौंपा

दबोच पुलिस के हवाले कर दिया लोगों को आता देख अन्य दो चोर मौके से फरार हो गए।

दौसा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। गुढाकटला कस्बे के गौर वाले बालाजी मंदिर में चल रही चार दिवसीय संगीतमय कथा में लगे म्यूजिक सिस्टम एवं माइक को शुक्रवार रात्रि राजस्थान सरकार लिखी गाड़ी में आए अज्ञात जने चुराकर ले जाने लगे।

इस पर कथा स्थल पर सो रहे पंडित को संदेह होने पर शोर मचाया तो आयोजन मण्डल सदस्यों ने एक चोर को मौके पर

जानकारी के अनुसार कस्बे के गौर वाले बालाजी मंदिर में चार दिवसीय संगीतमय कथा का आयोजन हो रहा है। इसमें लगे माइक सिस्टम को राजस्थान सरकार लिखी गाड़ी में आए अज्ञात तीन जने चुराकर ले जाने लगे।

मौके पर सो रहे पंडित को अज्ञात लोगों को देख संदेह हुआ तो शोर मचाना शुरू कर दिया। इससे वहीं मौजूद आयोजक मंडल सदस्यों ने तीन में से एक चोर को सामान सहित धर दबोचा। इसके बाद ग्रामीणों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

डेढ़ लाख के सामान की चोरी का केस दर्ज

साउंड मालिक राकेश सेन ने पुलिस को दी रिपोर्ट में चोरों द्वारा डेढ़ लाख रुपए कीमत का मिक्सर तोड़ देने एवं अन्य सामान चुराकर ले जाने की कोशिश करने का मामला दर्ज करवाया है।

रणथंभौर में क्यों बढ़ रही बाघों की लड़ाई? लिंगानुपात में गड़बड़ी है वजह

जयपुर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध रणथंभौर नेशनल पार्क में पिछले दो सालों में 16 बाघों की मौत हो चुकी है। हाल ही में टी-2309 की मौत के बाद वन्यजीव प्रेमी लगातार इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि इसी तरह अगर यहां बाघों की मौत हुई तो यहां इकोलॉजिकल सिस्टम पूरी बिगड़ जाएगा। टी - 2309 की मौत की वजह आपसी संघर्ष में बताया गया है। पिछले कुछ सालों में जिन बाघों की मौत हुई, उसमें भी अधिकांश मौतें टेरिटोरियल फाइट की वजह से हुई हैं, ऐसी जानकारी सामने आई है। वन विशेषज्ञों का कहना है रणथंभौर में पिछले कुछ समय में लिंगानुपात की असमानता बढ़ती जा रही है। इसके चलते क्षेत्रीय संघर्ष भी बढ़ रहा है।

वर्तमान में रंणथंभौर नेशनल पार्क (आरएनपी) में 24 नर और 24 मादा बाघों के साथ-साथ 16 शावक हैं। पारिस्थितिकी स्थिरता बनाए रखने और प्रतिस्पर्धा को कम करने के लिए आदर्श नर-से-मादा अनुपात 1:2 या 1:3 होना चाहिए। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि एक नर बाघ को दो से तीन मादा बाघिन की आवश्यकता होती है। इस असंतुलन के कारण नर बाघों के बीच मादा को लेकर लड़ाई होती है, जो अक्सर कमजोर बाघ की मौत का कारण बनती है। रणथंभौर में समान संख्या के इस संतुलन को बाधित होने की वजह से बाघों की बीच आपसी संघर्ष हो रहा है और उनकी मौत हो रही है।

रणथंभौर नेशनल पार्क में हाल के वर्षों में, पांच नर और 11 मादा बाघों को अन्य अभ्यारण्यों में स्थानांतरित किया गया है। इनमें कोटा में मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (एमएचटीआर), बूंदी में रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व और अलवर में सरिस्का टाइगर रिजर्व शामिल हैं। यहां से बाघों को स्थांतरित करने से यहां लिंगानुपात में बदलाव आया है और बाघों का आपसी संघर्ष बढ़ा है।

दूध लेने गई महिला को पीछे से ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मारी टक्कर, मौके पर हुई मौत

नागौर29 दिसंबर (एजेंसियां)। नागौर शहर के कोतवाली थाना इलाके में सुबह आठ बजे एक बुजुर्ग महिला अपने घर से चाय के लिए दूध लेने निकली। खत्रीपुरा में दूध की डेयरी पर पहुंचने से पहले ही पीछे से आ रही ट्रैक्टर- ट्रॉली ने टक्कर मार दी। मौके पर बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वहीं, ट्रैक्टर-ट्रॉली को चालक मौके से लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने देखा और परिजनों को सूचना दी, तब तक पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। कोतवाली थाना पुलिस ने बुजुर्ग महिला के शव को राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। दूसरी तरफ पुलिस ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की तलाश में जुटी हुई है।

आपको बता दें कि सुबह की चाय बनाने के लिए घर से नागौर शहर के शहर के बड़ली के पांच नंबर स्कूल के पीछे रहने वाली भवराई पत्नी भीयाराम (75) मेघवाल दूध लेकर वापस घर लौट रही थी। इसी दौरान अचानक पीछे से आए ट्रैक्टर-ट्रॉली ने अपनी चपेट में ले लिया। वहीं, मौके पर बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। ट्रैक्टर ड्राइवर अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेकर फरार हो गया। जब स्थानीय लोगों ने देखा और परिजनों को सूचना दी। सूचना देते ही मौके पर परिजन दौड़कर पहुंचे और देखा बुजुर्ग महिला को मौत हो चुकी है। परिजनों ने कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं, पुलिस ट्रैक्टर-ट्रॉली के ड्राइवर को खोजने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी हुई है।

कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि तड़के आठ बजे बड़ली मोहल्ले की रहने वाली बुजुर्ग महिला दूध लेकर घर जा रही। इसी दौरान पीछे से आए ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मारी है। सूचना पर मौके पर पहुंचे और शव को यहां चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है।

बिछी बर्फ की चादर, लोग बोले- हम कश्मीर आए हैं, ऐसा लग रहा

सिरोही, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में रविवार को एक बार फिर मौसम का बदला मिजाज देखने को मिला। चल रही सर्द हवा के साथ यहां का तापमान -4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके चलते सुबह घरों के बाहर खड़े वाहनों और खुले मैदान में बर्फ की चादर बिछ गई। माउंटआबू घूमने आए पर्यटक इस सर्द मौसम का जमकर मजा ले रहे हैं। दरअसल, हिल स्टेशन माउंट आबू में शाम से ही तेज ठंडी हवाओं का दौर शुरू हो गया था। रात में कड़ाके की ठंड के बाद सुबह-सुबह जागे लोगों को बर्फ की चादर बिछी मिली। पोलो ग्राउंड, ओरिया, गुरुशिखर, अचलगढ़ और देलवाड़ा जैन मंदिर समेत शहर के खुले मैदानों, पार्कों और पार्किंग स्थलों पर खड़े वाहनों पर बर्फ नजर आई। वहीं, नलों और बर्तनों में रखा गया पानी जम गया। तापमान में आई गिरावट से सुबह धूप खिलने तक बर्फ की धुंध बनी रही। इससे विजिबिलिटी भी काफी कम रही। नक्की लेक सहित विभिन्न पर्यटकों ने बोटिंग का लुत्फ उठाया और प्रकृति के नजारों का मजा लिया। उधर रविवार वीकेंड पर समीपवर्ती गुजरात सहित विभिन्न क्षेत्रों से पर्यटकों की लगातार आवाजाही हो रही है। यहां का खुशनुमा मौसम पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना है।

दूसरे दिन भी निकल रहा पानी, रेगिस्तान में क्यों फूटा पानी का फव्वारा?

जैसलमेर. 29 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में मोहनगढ़ के नहरी क्षेत्र में ट्यूबवेल खुदाई के दौरान फव्वारा फूटने के बाद लगातार दूसरे दिन भी पानी निकलने का सिलसिला जारी है। इसी बीच कैयर्न एनर्जी की टीम आज बाड़मेर से जैसलमेर आएगी और जांच करेगी।

दरअसल, नहरी क्षेत्र के 27 बीडी के चक तीन जोरावाला में एक खेत में ट्यूबवेल की खुदाई के दौरान पानी का फव्वारा फूट पड़ा था। तेज गति से पानी निकलने का सिलासिला आज सुबह भी जारी रहा। जिसे देखने के लिए दूर दराज के इलाकों से ग्रामीण पहुंच रहे थे।

ग्रामीणों को दूर रहने की सलाह

जिला प्रशासन, भू जल विभाग, पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर है और हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। किसानों व ग्रामीणों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए पानी निकलने वाले स्थान से लगभग 500 मीटर दूर रहने की सलाह दी गई। वहीं मुरब्बे में बने मकान को पूरी तरह से खाली करा लिया गया है। भू-जल वैज्ञानिक डॉ नारायण दास इणखिया का कहना है कि जमीन के अंदर अधिक खुदाई होने के कारण जमीन के अंदर का पानी तेज गति के साथ बाहर आ रहा है। जब ग्राउंट वाटर का लेवल बराबर होगा तब पानी अपने आप रूक जाएगा। ग्राउंड वाटर का लेवल बराबर नहीं होगा तब तक पानी निकलता रहेगा।

राजस्व नायब तहसीलदार ललित चारण ने बताया कि पानी के निकलने की गति दिनभर एक जैसी बनी रही। जिला कलक्टर इस पर नजर बनाए हुए है। बाड़मेर से आज कैयर्न एनर्जी की टीम आएगी और प्रारंभिक जांच कर जिला कलक्टर को रिपोर्ट देगी। उसके बाद ही पानी के बंद करने की कार्यवाही की जाएगी।

दो कांस्टेबलों की आत्महत्या

मेदक/सिद्दीपेट, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अलग-अलग दिल दहला देने वाली घटनाओं में 2 कांस्टेबलों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इनमें से एक ने अपनी पत्नी और बच्चों को जहर देने के बाद आत्महत्या कर ली। पहले मामले में हेड कांस्टेबल साई कुमार (52) का शव रविवार सुबह मेदक के कुलचरम पुलिस स्टेशन परिसर में एक पेड़ से लटका मिला। साईं कुमार ने कथित तौर पर सड़क किनारे एक दुकान से चाय पी और अपनी जान देने से पहले पुलिस स्टेशन लौट आया। इस घटना से कुलचरम थाने के पुलिसकर्मी सदमे में हैं। कुमार के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदक के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

दूसरे मामले में, टीजीएसपी कांस्टेबल और उसकी पत्नी ने शुक्रवार की सुबह सिद्दीपेट जिले के कलकुंटा स्थित अपने आवास पर पहले अपने बच्चों को जहर दिया और फिर खुद भी उसी पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि, बाद में कांस्टेबल पंडारी बालकृष्ण (38) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों ने बालकृष्ण की पत्नी और बच्चों- यशवंत (11) और आश्रित (9) को सिद्दीपेट के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सिद्दीपेट के मूल निवासी बालकृष्ण सिरिसिला में 17वीं बटालियन में कार्यरत थे। उनके द्वारा यह अतिवादी कदम उठाने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। सिद्दीपेट पुलिस घटना की जांच कर रही है।

पुलिसकर्मियों की सभी आत्महत्याएं काम के दबाव के कारण नहीं होतीं : डीजीपी

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि तेलंगाना में पुलिसकर्मियों की सभी आत्महत्याओं के लिए विभाग में काम का दबाव जिम्मेदार नहीं हो सकता। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से ऐसे कई मुद्दे होंगे जिनके कारण लोग आत्महत्या करते हैं। यह पारिवारिक, वित्तीय भावनात्मक मुद्दे हो सकते हैं और कुछ दबाव भी हो सकते हैं। हम इसे सामान्यीकृत नहीं कर सकते, कुछ मामलों में काम का दबाव भी हो सकता है। डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि एक आंतरिक तंत्र है जिसके तहत अधिकारी ऐसे लोगों पर नज़र रखते हैं, जिन्हें ऐसी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि हम उन्हें पेशेवर परामर्शदाताओं के पास जाने की सलाह देते हैं। हमारे पास पुलिसकर्मियों की मदद करने के लिए परामर्शदाता हैं।

एनएसपी पर 24 घंटे के भीतर बहाल की गई सीआरपीएफ की तैनाती

नलगोंडा, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अप्रत्याशित घटनाक्रम में नागार्जुन सागर परियोजना बांध स्थल पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की सुरक्षा तैनाती हटा ली गई और फिर 24 घंटे के भीतर तुरंत बहाल कर दी गई। परियोजना अधिकारी आश्चर्यचकित रह गए और उन्हें अचानक वापसी और त्वरित पुनः तैनाती के पीछे के कारणों के बारे में पता नहीं चला। सीआरपीएफ बलों को शुरू में बांध के तेलंगाना खंड से हटा लिया गया था, जिसमें बाएं मुख्य नहर का मुख्य नियामक और इसके 26 शिखर द्वारों में से 13 शामिल थे।

इस कदम से कुछ असुविधा हुई और तेलंगाना में सिंचाई अधिकारियों के लिए परिचालन संबंधी समस्याएं पैदा हुईं। हालांकि, जल शक्ति मंत्रालय के आदेश पर शनिवार देर रात सुरक्षा बलों को फिर से तैनात कर दिया गया, जिसमें राज्य पूल से 40 सुरक्षा कर्मियों को बांध पर सभी चौकियों पर तैनात किया गया। इस दौरान बांध के आंध्र प्रदेश की तरफ सीआरपीएफ की तैनाती में कोई बदलाव नहीं किया गया। अचानक हुए बदलावों ने परियोजना अधिकारियों को उलझन में डाल दिया है। उन्हें कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड या जल शक्ति मंत्रालय से कोई सूचना नहीं मिली।

बांध स्थल पर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सुरक्षा बलों के बीच हुए एक भयंकर टकराव के बाद पिछले साल दिसंबर में सीआरपीएफ को पहली बार तैनात किया गया था। यह टकराव तब हुआ जब आंध्र प्रदेश ने बांध के अपने हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया और चौकियों को नष्ट कर दिया। सीआरपीएफ की तैनाती से पहले, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के विशेष पुलिस बल संयुक्त रूप से बांध की निगरानी करते थे।

मुख्यमंत्री ने कान्हा शांति वनम का दौरा किया

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को रंगारेड्डी जिले के नंदीगामा मंडल के कान्हा गांव में स्थित कान्हा शांति वनम का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने कान्हा शांति वनम में बच्चों और छात्रों को दिए जा रहे सॉफ्ट स्किल्स के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्रों द्वारा आंखों पर पट्टी बांधकर रंगों की पहचान करने और शब्दों को पढ़ने जैसे कौशल दिखाने के लिए उनकी प्रशंसा की। रेवंत रेड्डी ने अपनी राय व्यक्त की कि सरकारी स्कूलों और आवासीय स्कूलों में भी ऐसे अद्भुत कौशल प्रदान करने के लिए कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। बाद में, मुख्यमंत्री ने उसी परिसर में स्थित वृक्ष संरक्षण केंद्र का दौरा किया। इस अवसर पर शांति वनम के प्रशासकों ने मुख्यमंत्री को विभिन्न प्रकार के वृक्षों के विकास और पौधों की खेती से संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में बताया। बाद में रेवंत रेड्डी ने शांति वनम में विशेष रूप से विकसित किए गए वर्षा वन का भी दौरा किया और ध्यान केंद्र में गलिबुडा (वैज्ञानिक नाम: हिल्डरगार्डिया पॉपुलिफोलिया) का पौधा भी लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, सरकारी सलाहकार श्रीनिवास राजू, विधायक शंकरैया और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

बढ़ते अपराध पर बोले पूर्व मंत्री हरीश राव

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने तेलंगाना में पिछले वर्ष की तुलना में अपराध दर में 22.5 प्रतिशत की चिंताजनक वृद्धि के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने बलात्कार के मामलों में 28.94 प्रतिशत की वृद्धि की ओर इशारा किया, जिसमें एक साल में 2,945 घटनाएं दर्ज की गईं, यानी औसतन आठ प्रतिदिन। उन्होंने कहा कि अपहरण और अपहरण के मामलों में 82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो शर्मनाक है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को बहुत ज़्यादा ख़तरा है। कांग्रेस सरकार के शासन में सार्वजनिक सुरक्षा की स्थिति बहुत ख़राब है। यह शासन की गंभीर विफलता को दर्शाता है। रविवार को तेलंगाना पुलिस की वार्षिक अपराध रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए हरीश राव ने राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता जताई और अंबरपेट में सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक गंगारेड्डी और उनकी पत्नी की हत्या और बीआरएस नेता श्रीधर रेड्डी जैसे जघन्य अपराधों का हवाला दिया। दोनों ही महीनों पहले हुए थे और आज तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि 163 से अधिक बड़े मामले अनसुलझे हैं और 10 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी की वसूली या पता नहीं चल पाया है।

महिलाओं के खिलाफ अपराध दर बढ़ा

5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज * 241 महिलाओं की हुई हत्या 2,945 महिलाओं के साथ रेप की घटनाएं

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में 2024 के दौरान महिलाओं के खिलाफ अपराध में करीब 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस साल विभिन्न मामलों में कुल 241 महिलाओं की हत्या की गई, जबकि 2,945 महिलाओं के साथ बलात्कार और 1,122 महिलाओं का अपहरण किया गया। राज्य में शीलभंग के 5,940 मामले दर्ज किए गए। पिछले दो सालों में हत्या के मामलों में महिला पीड़ितों की संख्या 200 का आंकड़ा पार कर गई है। 2024 में 241 और पिछले साल 213 हत्याएं होंगी। 2022 में यह संख्या 181 थी। 2021 में कुल 199 महिलाओं की हत्या हुई और 2020 में यह संख्या 161 थी।

बलात्कार के मामलों में, पीड़ितों की सबसे अधिक संख्या 15-18 आयु वर्ग में थी, जिनमें से 1,970 मामले दर्ज किए गए, इसके बाद 18 वर्ष से अधिक आयु के 888 मामले दर्ज किए गए। महिला सुरक्षा विंग की अतिरिक्त महानिदेशक शिखा गोयल ने कहा कि किशोरावस्था में संबंध चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। बलात्कार और पोक्सो मामलों में पुलिस ने संदिग्धों को तुरंत गिरफ्तार किया और वास्तव में 940 गिरफ्तारियां, पुलिस को घटना की सूचना मिलने के आठ घंटे के भीतर की गईं। बलात्कार और पोक्सो के 428 मामलों में, संबंधित अधिकारियों द्वारा पीड़ितों को 5.42 करोड़ का मुआवजा दिया गया।

तिरुमाला मंदिर में सभी अनुशंसा पत्रों के साथ समान व्यवहार करें : बीआरएस

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री श्रीनिवास गौड़ ने एक बार फिर प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में तेलंगाना के निर्वाचित प्रतिनिधियों के अनुशंसा पत्रों को दर्शन की अनुमति नहीं दिए जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार से तिरुमाला में सभी के साथ समान व्यवहार करने की अपील की। श्रीनिवास गौड़ अपने परिवार के सदस्यों के साथ रविवार को गदवाल निर्वाचन क्षेत्र में जमुलम्मा मंदिर गए। बीआरएस नेता बसु हनुमंत नायुडू के निवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि तिरुपति मंदिर तेलंगाना के लोगों से बहुत जुड़ा हुआ है और तेलंगाना में पैदा होने वाला हर बच्चा तिरुमला जाना और अपने बाल चढ़ाना चाहता है। उन्होंने कहा कि चूंकि टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर. नायुडू और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू हैदराबाद में रह रहे हैं, इसलिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के बीच किसी भी भेदभाव के बिना तिरुमला में श्रीवारी दर्शन की अनुमति दी जानी चाहिए। अभी, तिरुमला में तेलंगाना के भक्तों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। तेलंगाना के सिफारिश पत्रों को स्वीकार नहीं किया जा रहा है। टीटीडी को लोगों की भावना का सम्मान करते हुए तुरंत तेलंगाना के पक्ष में निर्णय लेना चाहिए।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने प्रार्थना सभा में भाग लिया

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के वायसराय गार्डन में आयोजित प्रार्थना शक्ति कार्यक्रम में टीपीसीसी अध्यक्ष, एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने भाग लिया। इस अवसर पर पादरी इस्साक टीपीसीसी प्रमुख के साथ विशेष प्रार्थना की। पादरी चिक्कम इस्साक, स्टेशन घनपुर की महिला नेता इंदिरा, एमएस रेड्डी और कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया।

नए वर्ष के जश्न की आड में बेची जा रही नशीली दवाएं : राव

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बजरंग सेना के प्रदेश कार्यालय, काचीगुडा में अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव के नेतृत्व में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। उन्होंने नववर्ष के जश्न और युवाओं पर इसके संभावित प्रतिकूल प्रभाव के बारे में चिंताओं को उजागर किया। उन्होंने जश्न की आड़ में बेची जा रही नशीली दवाओं की समस्या को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

महासचिव सुनील कुमार ने भी कार्यक्रम के दौरान बात की और अधिकारियों से नए साल की पूर्व संध्या पर पब, बार और रिसॉर्ट में होने वाली अनधिकृत गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने और कार्रवाई करने की अपील की। इस अवसर पर महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती प्रिया चारी, उपाध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता और संजय कुमार के साथ के. राघव, अभिनय तिवारी, नरेश, छोटू और अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

निजी बस में बड़ी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद, 3 गिरफ्तार

सूर्यापेट, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने एक बड़े अभियान में रविवार सुबह कोडाद मंडल के नल्लबंदगुडेम अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर भुवनेश्वर से हैदराबाद जा रही एक निजी बस को रोका और निरीक्षण के दौरान ड्रग्स के कई पैकेट जब्त किए। पुलिस ने पूछताछ के लिए 3 संदिग्धों को हिरासत में लिया। उन्होंने कहा कि जब्त पदार्थों का प्रयोगशाला परीक्षण किए जाने के बाद विस्तृत जानकारी उपलब्ध होगी।

हनी बेजर दिखने से ग्रामीणों में दहशत

आदिलाबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीसीटीवी कैमरे में एक हनी बेजर (मेलिवोरा कैपेंसिस) के देखे जाने से शनिवार को इंदरवेल्ली मंडल केंद्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि शुक्रवार रात को रिकॉर्ड की गई फुटेज के अनुसार एक दुर्लभ जंगली जानवर एक घर के गेट पर चढ़ता हुआ दिखाई दिया। जानवर की हरकतों के बाद उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि वह आवारा कुत्तों को खा रहा था, जिससे दहशत फैल गई। उन्होंने वन एवं पुलिस अधिकारियों से जानवर की पहचान करने का अनुरोध किया। वीडियो देखने वाले वन अधिकारियों ने पुष्टि की कि यह जानवर हनी बेजर था। उन्होंने कहा कि यह इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाता। यह चूहे, सांप और मेंढक खाता है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और घबराने की ज़रूरत नहीं बताई। इंद्रवेल्ली एफआरओ संतोष ने बताया कि जानवर की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए एक विशेष टीम बनाई गई है।

वैष्णो देवी रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ प्रदर्शन का 5वां दिन

भूख हड़ताल भी जारी, डिप्टी सीएम बोले- 40 हजार लोगों का रोजगार छिनेगा, एलजी बात सुनें

कटरा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ बंद रविवार को 5वें दिन भी जारी है। 18 प्रदर्शनकारियों को कटरा पुलिस ने 3 दिन पहले गिरफ्तार किया था, जिनकी रिहाई की मांग के लिए 5 अन्य प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर बैठ गए।

जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (जेसीसीआई) ने श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति को अपना समर्थन दिया है और प्रशासन से बातचीत के जरिए मुद्दे को सुलझाने की बात कही है।

इस बीच, डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए कहा, रोपवे प्रोजेक्ट का फैसला गलत है। यदि कटरा के लोग रोपवे परियोजना नहीं चाहते हैं, तो श्राइन बोर्ड और एलजी को उनकी बात सुननी चाहिए और समस्याएं हल करनी चाहिए, क्योंकि इससे 40 हजार लोगों का रोजगार छिन जाएगा।

दरअसल, वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड श्रद्धालुओं के मंदिर जाने के लिए कटरा में ताराकोट मार्ग और सांझी छत के बीच 12 किलोमीटर के मार्ग पर 250 करोड़ रुपये की लागत से रोपवे का निर्माण करवा रहा है। अभी तक वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं को खच्चर और पालकीवाले ही मंदिर दर्शन कराने ले जाते हैं। ये उनके कमाई का जरिया है। इसलिए वे रोपवे प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, 18 लोग गिरफ्तार, कांग्रेस समर्थन में आई :

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कटरा पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने लाठीचार्ज भी किया। इसी कारण हमने 72 घंटे बंद को बढ़ाया है। कांग्रेस के पूर्व मंत्री जुगल शर्मा भी प्रदर्शनकारियों के समर्थन में आए।

एलजी बोले- जनवरी तक प्रोजेक्ट काम पूरा हो जाएगा :

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने निर्माणाधीन जम्मू तवी रिवरफ्रंट परियोजना के स्थल का दौरा किया था। उन्होंने कहा था- 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि यह जनवरी तक पूरा हो जाएगा। कटरा में चल रहे विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा था कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा घोषित रोपवे परियोजना का उद्देश्य तीर्थयात्रियों के लिए तेज और सुरक्षित यात्रा प्रदान करना है।

प्रदर्शनकारी 20 लाख मुआवजा मांग रहे :

रोपवे प्रोजेक्ट के खिलाफ चले प्रदर्शन में मजदूर संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह जामवाल और शिवसेना (यूबीटी) के प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी भी शामिल हुए थे। उन्होंने रोपवे प्रोजेक्ट से प्रभावित होने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए 20 लाख का मुआवजा देने की मांग की थी। साथ ही प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास प्लान बनाने के लिए भी कहा था।

2024 में अब तक 84 लाख लोगों ने दर्शन किए :

वैष्णो देवी के दर्शन के लिए इस साल अक्टूबर तक 86 लाख से ज्यादा लोग पहुंच चुके है। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को कहना है कि आंकड़ा 1 करोड़ से ऊपर पहुंच जाएगा। पिछले साल 95 लाख से ज्यादा लोगों ने दर्शन किए थे।

बच्चों के बस से उतरते ही लॉरी ने मारी जोरदार टक्कर

बड़ी घटना टली, बस बुरी तरह से क्षतिग्रस्त

करीमनगर, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक तेज रफ्तार लॉरी ने एक स्कूल बस को टक्कर मार दी। बस में सवार स्कूली बच्चे शौच के लिए उतरे थे। यह घटना रविवार की सुबह हुजुराबाद शहर के बाहरी इलाके में केसी कैंप के पास हुई। राजन्ना-सिरसिला जिले के रहीमखानपेट मॉडल स्कूल के छात्र शनिवार को विज्ञान भ्रमण के लिए बद्राचलम गए थे। स्कूल बस घर लौट रही थी, तभी कुछ बच्चे शौच के लिए जाना चाहते थे। बस चालक ने उनकी बात मान ली और बस रोक दी।

स्कूली बच्चों के बस से उतरने के कुछ ही देर बाद एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। ट्रक भी उसी दिशा में आ रहा था और उसने बस को पीछे से टक्कर मार दी। सभी बच्चों के बस से उतर जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। राजू नाम के एक शिक्षक को मामूली चोटें आईं। बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

पालनपुर से पधारे श्रीश्री 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी श्री रवि शरण नंद गिरी जी महाराज सुंदर-सुंदर प्रवचन सुनाएं और भजनों की प्रस्तुति दी श्रीमान कस्तूर राम सुथार, बाबूलाल, मानाराम चौधरी गजाराम चौधरी ओमप्रकाश, कालूराम धर्माराम, सुखराम शांतिलाल सुथार, वह उपस्थित रहे।

स्वच्छता रैली का आयोजन

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप- केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन कर रहा है। कार्ययोजना के अनुसार, 16 दिसंबर को शपथ लेकर कार्यक्रम का शुभआरंभ किया गया। 29 दिसंबर को डॉ. विनोद कुमार सिंह, निदेशक के नेतृत्व में एक स्वच्छता रैली का आयोजन भी किया गया।

रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए जोर देना था। रैली के अलावा, स्वच्छता कार्यक्रम, वृक्षारोपण कार्यक्रम, अपशिष्ट से धन पर प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, हस्ताक्षर कार्यक्रम, श्रमदान कार्यक्रम, सेल्फी बूथ की स्थापना, स्वच्छता विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रदर्शन, विद्यार्थियों के मध्य जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रश्नोत्तरी और रंगोली प्रतियोगिताओं आदि जैसी कई कार्यक्रम को भी अयोजित किया गया। संस्थान के वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों, प्रशासनिक व वित्तीय कर्मचारियों, सहायक कर्मचारियों और आईएआरआई मेगा यूनिवर्सिटी हैदराबाद हब के छात्रों ने भी विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

खम्मम में करंट लगने से पादरी की मौत

खम्मम, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मधिरा मंडल के डेंडुकुरु गांव में एक चर्च के पादरी की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक, मध्यम आयु वर्ग के मीसला श्रीनिवास राव, शनिवार देर रात गांव के चेन्नमवारी टैंक में जंगली सूअरों का शिकार करने के लिए अज्ञात व्यक्तियों द्वारा लगाए गए बिजली के जाल के संपर्क में आ गए। स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया, शव को शवगृह में रखवाया तथा घटना की जांच शुरू की।

3 जनवरी को खुलेगी नुमाइश

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नुमाइश के नाम से प्रसिद्ध अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी 1 जनवरी के बजाय 3 जनवरी को खुलेगी। नुमाइश के औपचारिक उद्घाटन को स्थगित करने का निर्णय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद केंद्र सरकार द्वारा घोषित सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक के मद्देनजर लिया गया। प्रदर्शनी सोसायटी के सचिव बी सुरेंदर रेड्डी ने बताया कि 45 दिवसीय आयोजन के सुचारू संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। देश भर से व्यापारी इस आयोजन में भाग ले रहे हैं और अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। नुमाइश शहर में पिछले 85 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है और 45 दिनों की अवधि के दौरान लाखों आगंतुक इसमें भाग लेते हैं। नामपल्ली रोड स्थित नुमाइश मैदान में लगभग 2000 स्टॉल लगाए जाते हैं। सुरेन्द्र रेड्डी ने कहा कि आगंतुकों की सुरक्षा के लिए सभी सावधानियां बरती जा रही हैं और स्थानीय प्रशासन कार्यक्रम के आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग दे रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ऑस्ट्रेलिया 228/9, लीड 333 रन

आखिरी जोड़ी लायन-बोलैंड नाबाद, बुमराह को 4 विकेट

इंडिया को बड़ा टारगेट चेज करना होगा

मेलबर्न, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी मेलबर्न टेस्ट का चौथा दिन खत्म हो चुका है. पहले और दूसरे सेशन में दबाव में रहने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे सेशन में वापसी की. दिन का खेल पूरा होने तक उसने 9 विकेट के नुकसान पर 228 रन बना लिए हैं. पहली पारी में मिली 105 रनों की बढ़त की मदद से उसने अब 333 रनों की लीड ले ली है.

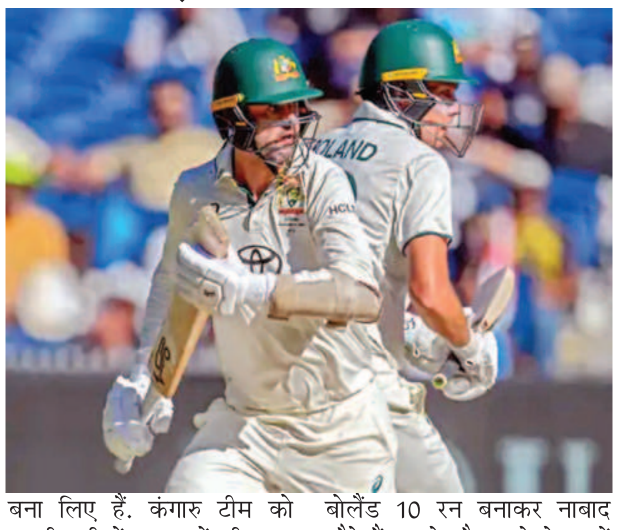

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा मेलबर्न टेस्ट रोमांचक स्थिति में पहुंच गया है. चौथे दिन का खेल खत्म हो चुका है. दिन का खेल पूरा होने तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 9 विकेट के नुकसान पर 228 रन बना लिए हैं. कंगारु टीम को पहली पारी में 105 रनों की बढ़त मिली थी, जिसके दम पर उसकी कुल बढ़त 333 रनों की हो गई है. नाथन लॉयन 40 रन और स्कॉट बोलैंड 10 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं. पहले और दूसरे सेशन में टीम इंडिया दबदबा रहा था. भारत ने पहली पारी में 369 रन बनाए थे. फिर 91 रन के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया के 6 बल्लेबाजों को आउट कर दिया था.

इसके बाद कप्तान पैट कमिंस ने मार्नस लाबुशेन के साथ मिलकर 57 रनों की साझेदारी की और अपनी टीम को मुकाबले में वापस लेकर आए. वहीं अंत में नाथन लॉयन ने स्कॉट बौलेंड के साथ मिलकर 10वें विकेट के लिए 55 रन जोड़ दिए और ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया. भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 24 ओवर में 56 रन देकर 4 विकेट चटकाए. उन्हें सिराज का साथ मिला, जिन्होंने 22 ओवर में 66 रन देकर 3 विकेट हासिल किए. रवींद्र जडेजा ने भी एक विकेट अपने नाम किया.

आईसीसी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए 4 खिलाड़ी नामांकित, लिस्ट में 1 भारतीय शामिल

खेल डेस्क,29 दिसंबर (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नामांकित खिलाड़ियों की लिस्ट सामने आ चुकी है। जिसमें चार खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। इसमें एक भारत, एक ऑस्ट्रेलिया, एक पाकिस्तान और एक खिलाड़ी जिम्बाब्वे का शामिल है। इन सभी खिलाड़ियों ने इस साल टी20 क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन से काफी सुर्खियां बटौरी हैं। साल 2024 इन चारों खिलाड़ियों के लिए काफी शानदार रहा है।

अर्शदीप सिंह का नाम शामिल

आईसीसी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए नामांकित खिलाड़ियों की लिस्ट में टीम इंडिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का नाम भी शामिल है। पिछले काफी समय से अर्शदीप सिंह टीम इंडिया के लिए टी20 क्रिकेट में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में भी अर्शदीप का प्रदर्शन अच्छा रहा था। इस साल अर्शदीप ने 18 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। जिसमें उन्होंने 36 विकेट हासिल किए।

लिस्ट में इन खिलाड़ियों का नाम शामिल

1. अर्शदीप सिंह- (भारत)
2. बाबर आजम- (पाकिस्तान)
3. ट्रेविस हेड- (ऑस्ट्रेलिया)
4. सिकंदर रजा- (जिम्बाब्वे)

ट्रेविस हेड का दिखा धमाका

ट्रेविस हेड के लिए भी ये कैलेंडर ईयर काफी शानदार रहा है। इस साल हेड ने 15 टी20 मैच खेले, जिसमें बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 539 रन बनाए। इस दौरान हेड का बेस्ट पारी 80 रन की रही। इस दौरान हेड का स्ट्राइक रेट 178.47 का रहा।

सिकंदर रजा का आया तूफान

जिम्बाब्वे के विस्फोटक बल्लेबाज सिकंदर रजा के लिए भी कैलेंडर ईयर कमाल का रहा। इस साल रजा ने 24 मैचों में बल्लेबाजी करते हुए 573 रन बनाए। जिसमें उनका बेस्ट पारी नाबाद 133 रन की रही। इसके अलावा गेंदबाजी करते हुए भी रजा ने 24 विकेट चटकाए।

बाबर आजम

बाबर आजम ने इस बार एक कैलेंडर ईयर में 24 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले। जिसमें उनके बल्ले से 738 रन निकले। इस दौरान बाबर की बेस्ट पारी नाबाद 75 रन की रही थी।

नीतीश के पिता ने गावस्कर के पैरों पर सिर रखा

पूर्व क्रिकेटर रो पड़े, कहा- आपके बलिदान की वजह से नीतीश रेड्डी जैसा हीरा मिला

मेलबर्न, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। मेलबर्न टेस्ट में करियर का पहला शतक लगाने नीतीश रेड्डी के पिता मुत्याला रेड्डी ने पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर से मुलाकात की। इस दौरान मुत्याला ने पैरों पर सिर रखकर गावस्कर को नमस्कार किया।

गावस्कर ने मुत्याला को उठाया और गले से लगा लिया। इस इमोशनल मोमेंट पर गावस्कर भी रो पड़े। उन्होंने कहा, आपके बलिदान की वजह से भारत को नीतीश रेड्डी नाम का हीरा मिला है। हम जानते हैं कि आपने कितना त्याग किया है। बहुत संघर्ष किया है। आपकी वजह से मैं रो रहा हूं। आपकी वजह से भारत को हीरा मिला है, भारतीय क्रिकेट को हीरा मिला है।

नीतीश रेड्डी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच से टेस्ट में डेब्यू किया है। मेलबर्न में चौथे मैच के तीसरे दिन उन्होंने करियर का पहला शतक बनाया। नीतीश के शतक के बाद सुनील गावस्कर ने उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन दिया था।

मुताल्या रेड्डी ने अपने बेटे की क्रिकेटिंग स्किल्स निखारने के लिए 2016 में हिंदुस्तान जिंक में अपनी नौकरी छोड़ दी। नीतीश ने भी अपने पिता के त्याग की चर्चा बीसीसीआई टीवी को दिए इंटरव्यू में भी की।

नीतीश ने कहा था, ₹सच कहूं तो बचपन में मैं क्रिकेट के प्रति ज्यादा सीरियस नहीं था। मेरे पिता ने मेरे लिए नौकरी छोड़ दी थी। मेरी कहानी के पीछे मेरे पिता और परिवार का बहुत त्याग रहा है। एक दिन मैंने पैसे की कमी के कारण उन्हें रोते हुए देखा। तब मुझे अहसास हुआ कि इस तरह मजे के लिए क्रिकेट नहीं खेली जा सकती।

यहां से मैं क्रिकेट के प्रति पूरी तरह सीरियस हो गया। मैंने बहुत ज्यादा कड़ा परिश्रम किया और इसका मुझे रिजल्ट मिला। अब मुझे खुद पर गर्व है कि मेरे पिता अब खुश हैं।

नीतीश के पिता ने कहा, पर वाकई बहुत गर्व है। उसने (नीतीश) मेरे परिवार को इस मुकाम पर पहुंचाया। उसने हमारे परिवार को बहुत गौरवान्वित किया, मैं इसके लिए उसका शुक्रिया अदा करता हूं। मैं जानता हूं कि वह मेरा बेटा है, लेकिन मैं उसका शुक्रिया अदा करना बंद नहीं कर सकता।मेरे बेटे ने अपना पहला शतक वहीं बनाया, जहां सुनील गावस्कर, वीवीएस लक्ष्मण और रवि शास्त्री जैसे दिग्गज क्रिकेटरों ने खेला था। एक पिता के तौर पर मेरी आंखें भर आईं। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि वह भविष्य में भी ऐसे ही शतक लगाए।

नीतीश मेलबर्न में तीसरे दिन भारत के पहली पारी में 7 विकेट गंवाने के बाद बैटिंग करने के लिए उतरे थे। भारत का स्कोर उस समय 191 रन था। टीम इंडयिा फॉलोऑन के मुहाने पर खड़ी थी। नीतीश ने न केवल शतक लगाया बल्कि ऑस्ट्रेलिया की लीड को भी महज 100 रन के नजदीक ले आए। उन्होंने वॉशिंगटन सुंदर के साथ 127 रन की पार्टनरशिप की।

ऑस्ट्रेलिया मीडिया ने दिखाई बेशर्मी

विराट कोहली के पिता का बनाया मजाक, भारतीय फैंस ने लगाई क्लास

मेलबर्न, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। युवा खिलाड़ियों की अगुवाई में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर रही है। हालांकि यह बात ऑस्ट्रेलियाई मीडिया को पच नहीं रही है और यही वजह है कि वो लगातार भारतीय खिलाड़ियों को टारगेट कर रही है। इन खिलाड़ियों में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का नाम सबसे आगे है, जो कंगारू बल्लेबाज सैम कोंस्टास के साथ हुई

झड़प के बाद फिर से उनके निशाने पर है।

एक अखबार ने तो अब बेशर्मी की सभी हदें पार करते हुए विराट के स्वर्गीय पिता का मजाक बनाया है। अखबार ने अपने स्पोर्ट्स पेज में भारतीय बल्लेबाज के पिता को लेकर बेहद घटिया हेडलाइन लिखी। अखबार ने कंगारू ओपनर सैम कोंस्टास की तस्वीर लगाई और हेडलाइन में लिखा, 'विराट मैं तुम्हारा पिता हूं।'

हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप जीती

इंडोनेशिया की इरीन सुखंदर को हराया; टूर्नामेंट में 11 में से 8.5 पॉइंट्स अर्जित किए

न्यूयॉर्क, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की कोनेरू हम्पी ने दूसरी बार वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीत लिया है। न्यूयॉर्क में खेले गए इस टूर्नामेंट में हम्पी ने फाइनल में इंडोनेशिया की इरीन सुखंदर को हराया।

कोनेरू हम्पी वर्ल्ड रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में

साल	उपलब्धि
2024	खिताब जीता
2023	सिल्वर मेडल
2019	खिताब जीता
2012	ब्रॉन्ज मेडल

इससे पहले हम्पी ने साल 2019 में जॉर्जिया में हुए इस चैंपियनशिप को जीता था। भारत की नंबर 1 खिलाड़ी चीन की जू वेनजुन के बाद एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया।

हम्पी ग्रैंड मास्टर बनने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी

हंपी नेशनल बॉयज टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं। वे ग्रैंड मास्टर बनने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं। वे 2600 ईएलओ पॉइंट हासिल करने वाली सिर्फ दूसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनके पिता अशोक कोनेरू ने 5 साल की उम्र में उनकी प्रतिभा को पहचान लिया था।

अशोक भी शतरंज खेलते थे। उन्होंने हम्पी को ट्रेनिंग दी। अशोक प्रोफेसर थे। बेटी के शतरंज के सपनों को पूरा करने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी और हंपी को ट्रेनिंग देने लगे। 6 और 7 साल की उम्र में हंपी ने स्टेट चैंपियनशिप जीत ली। इसके बाद अंडर-12, 14, 16 की नेशनल चैंपियन बन गईं।

चेस में इस साल भारत का रहा बेहतर प्रदर्शन

चेस में इस साल भारत का प्रदर्श प्रदर्शन बेहतर रहा है। डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 12 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप फाइनल में 7.5-6.5 से हराया था। इतनी कम उम्र में खिताब जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था।

वहीं सितंबर में हंगरी के बुडापेस्ट में हुए चेस ओलिंपियाड में भारत ने ओपन और विमेंस कैटेगरी में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता। ओलिंपियाड के 97 साल के इतिहास में भारत ने दोनों कैटेगरी में पहली बार ही पहला स्थान हासिल किया। 11वें राउंड की ओपन कैटेगरी में भारत ने स्लोवेनिया को 3.5-0.5 से हराया। वहीं, विमेंस टीम ने अजरबैजान को 3.5-0.5 के अंतर से ही आखिरी राउंड हराया।

रूस के वोलोडर मुर्जिन ने पुरुषों का खिताब जीता

रूस के 18 वर्षीय वोलोडर मुर्जिन ने मेन्स का खिताब जीता। मुरजिन FIDE वर्ल्ड रैपिड चैंपियन जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे पहले नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव 17 साल की उम्र में खिताब जीता था।

सेंचुरियन टेस्ट- पाकिस्तान 237 रन पर ऑलआउट

साउथ अफ्रीका को 148 का टारगेट, 3 विकेट गिरे; जीते तो डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंच जाएंगे

सेंचुरियन, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। सेंचुरियन टेस्ट में पाकिस्तान अपनी दूसरी पारी में 237 रन पर ऑलआउट हो गया। टीम पहली पारी में 90 रन से पिछड़ रही थी, इसलिए साउथ अफ्रीका को 148 रन का टारगेट मिला। टीम ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 27 रन बना भी लिए।

साउथ अफ्रीका ने अगर पहला टेस्ट जीत लिया तो टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में पहुंच जाएगी।

फिर दूसरी टीम की जगह ही तय होनी बाकी रहेगी, जिसके लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका में जंग है।

बाबर ने फिफ्टी लगाई

तीसरे दिन बारिश के कारण खेल देरी से शुरू हुआ। पाकिस्तान ने 88/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया, बाबर आजम ने 16 और सऊद शकील ने 8 रन के स्कोर से पारी आगे बढ़ाई। दोनों स्कोर को 150 के करीब ले गए और बाबर ने फिफ्टी लगा दी। 50 रन के स्कोर पर ही उन्हें मार्को यानसन ने कैच आउट करा दिया।

बाबर के जाते ही लगी विकेट की झड़ी

बाबर के विकेट के वक्त पाकिस्तान का स्कोर 153/4 था, टीम ने यहां 56 रन बनाने में अगले 4 विकेट और गंवा दिए। सऊद शकील एक एंड पर टिक गए, लेकिन उनके सामने कोई भी बैटर टिक नहीं सका।

मोहम्मद रिजवान 3, सलमान आगा 1 और आमेर जमाल ने 18 रन बनाए। शकील 84 रन बनाकर आउट हुए।

नसीम शाह और मोहम्मद अब्बास खाता भी नहीं खोल सके। खुर्रम शहजाद ने 9 रन बनाए। साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन ने 6 विकेट लिए। कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले। डैन पैटरसन और कोर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट लिया।

साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट गंवाए

148 रन के टारगेट के सामने साउथ अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 19 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। टोनी डी जॉर्जी 2 और ट्रिस्टन स्टब्स 1 रन बनाकर आउट हुए, रायन रिकेलटन खाता भी नहीं खोल सके। मोहम्मद अब्बास ने 2 विकेट लिए। खुर्रम शहजाद को 1 विकेट मिला। स्टंप्स तक ऐडन मार्करम और टेम्बा बावुमा नॉटआउट रहे, टीम टारगेट से 121 रन पीछे है।

दूसरे दिन साउथ अफ्रीका को 90 रन की बढ़त

साउथ अफ्रीका ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 301 रन बनाए। टीम से ऐडन मार्करम ने 89 और कोर्बिन बॉश ने 81 रन की पारी खेली।

साउथ अफ्रीका ने 213 रन के स्कोर पर ही 8 विकेट गंवा दिए थे, यहां से बोश ने टैलेंडर्स के साथ मिलकर टीम को 90 रन की बढ़त दिला दी।

नीतीश को आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन 25 लाख देगा

खेल डेस्क, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। मेलबर्न टेस्ट में शतक लगाकर भारत की वापसी कराने वाले नीतीश रेड्डी को आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन 25 लाख रुपए कैस प्राइज देगा। नीतीश ने अपने करियर की पहली सेंचुरी लगाई। वे अभी भी 105 रन पर नाबाद हैं। एसीए अध्यक्ष केसिनेनी शिवनाथ ने कहा, यह आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन के लिए खुशी का पल है। आंध्र के नीतीश भारत के लिए टेस्ट और टी-20 में अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। सम्मान के रूप में, नीतीश को 25 लाख रुपए की पुरस्कार राशि दी जा रही है। 21 वर्षीय रेड्डी के शतक की मदद से भारत ने तीसरे दिन स्टंप्स तक 9 विकेट खोकर 358 रन बना दिए। पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले रेड्डी ने चौथे टेस्ट में भी शानदार पारी खेली। उनकी पारी को पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारत के टेस्ट इतिहास की महान टेस्ट पारियों में से एक बताया है।

मुश्किल हालात में सेंचुरी लगाई

नीतीश ने मेलबर्न टेस्ट के तीसरे दिन टीम इंडिया को मुश्किल हालातों से बाहर निकाला और इंटरनेशनल करियर का पहला शतक (105* रन) जमा दिया। नीतीश जब बैटिंग करने आए तब टीम के पहली पारी में 6 विकेट गिर चुके थे। नीतीश ने ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर 127 रन की साझेदारी की। नीतीश ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में ही डेब्यू किया था। पर्थ टेस्ट की पहली पारी में नीतीश ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए थे। दूसरी पारी में भी उन्होंने 38 रनों की तेज नाबाद पारी खेली थी। एडिलेड टेस्ट की दोनों पारियों में उन्होंने 42-42 रन बनाए थे। नीतीश के बल्ले से इस सीरीज की 6 पारियों में 284 रन आ गए हैं और वह सीरीज में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी 2024: वनडे क्रिकेट में हार्दिक पांड्या की वापसी रही निराशाजनक

नई दिल्ली,, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज हार्दिक पांड्या ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 को जीतने में अहम योगदान दिया था। उनके ऊपर अब अगले साल होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन करने का जिम्मा है। इस आईसीसी टूर्नामेंट से पहले हार्दिक पांड्या को वनडे क्रिकेट में खुद को साबित करने की जरूरत है। ताकि उन्हें वनडे टीम में वापसी का टिकट मिल सके। हार्दिक पांड्या ने इसके लिए कदम भी आगे बढ़ा दिए हैं। 14 महीने बाद हार्दिक पांड्या वनडे फॉर्मेट में मैच खेलते हुए नजर आए हालांकि इस दौरान वो बल्ले से कोई कमाल नहीं दिखा सके और बुरी तरह से फ्लॉप रहे। कुछ यही हाल उनके भाई क्रुणाल पांड्या का भी रहा।

फ्लॉप रहे पंड्या ब्रदर्स

हार्दिक पांड्या ने हाल में ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। ये टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाता है। वहीं, अब हार्दिक पांड्या विजय हजारे ट्रॉफी में खेल रहे हैं। ये घरेलू टूर्नामेंट वन डे फॉर्मेट में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के जरिए ही हार्दिक पांड्या ने 14 महीने के बाद वनडे क्रिकेट में वापसी की।

हालांकि उनका कमबैक कुछ खास नहीं रहा। बड़ौदा और बंगाल के बीच खेले जा रहे विजय हजारे ट्रॉफी के एक मुकाबले में हार्दिक पांड्या 2 गेंदों में सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। हार्दिक को बंगाल के गेंदबाज प्रदीप्ता प्रामाणिक ने आउट किया।

इस मैच में सिर्फ हार्दिक ही नहीं बल्कि उन्हें बड़े भाई क्रुणाल पंड्या का बल्ला भी खामोश रहा। क्रुणाल इस मैच में सिर्फ तीन रन बनाकर ही आउट हो गए। उन्हें भी आउट प्रदीप्ता प्रामाणिक ने किया। हार्दिक और क्रुणाल के फ्लॉप होने एक बाद बड़ौदा का कोई भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सका और पूरी टीम 49वें ओवर में 228 रनों पर ढेर हो गई।

वनडे वर्ल्ड कप में खेला आखिरी मैच

वनडे क्रिकेट में हार्दिक पंड्या ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच 2023 के वर्ल्डकप में 19 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। इस मैच में वो चोटिल हो गए थे। इसके बाद से ही उन्होंने कोई भी वनडे मैच नहीं खेला है। 14 महीने के बाद उन्होंने उन्होंने घरेलू टूर्नामेंट से वनडे क्रिकेट में वापसी करने की कोशिश की है, लेकिन उसमे भी वो सफल नहीं हुए हैं।

कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार : डीजीपी तेलंगाना में अपराध दर में 9.87 प्रतिशत की वृद्धि

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 2023 की तुलना में, 2024 में तेलंगाना में अपराध दर में काफी वृद्धि हुई है और इस साल कुल 2, 34,158 मामले दर्ज किए गए हैं, जो 9.87 प्रतिशत की वृद्धि है। तेलंगाना के डीजीपी जितेंद्र ने रविवार को वर्ष 2024 के लिए वार्षिक अपराध दर रिपोर्ट 2024 जारी की, जिसमें तेलंगाना में अपराध दर, कानून और व्यवस्था, साइबर अपराध और ड्रग तस्करी जैसे विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर बोलते हुए डीजीपी ने कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति में और सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, एक या दो को छोड़कर सभी क्षेत्रों में कानून व्यवस्था नियंत्रण में है। इस साल तेलंगाना पुलिस ने 85 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है और 41 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है।

साथ ही, ड्रग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रही है। राज्य भर में कुल 1,942 ड्रग मामले दर्ज किए गए हैं और 4,682 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 142.95 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की है। डीजीपी ने कहा कि साइबर अपराधों में भी तेलंगाना में इस साल 43.33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा, 25,184 साइबर अपराध के मामले दर्ज किए गए हैं।

इन अपराधों में साइबर अपराधियों द्वारा लूटी गई 180 करोड़ रुपये की रकम वापस की गई है। पुलिस ने 247 करोड़ रुपये की संपत्ति फ्रीज की है। उन्होंने बताया कि जीरो एफआईआर प्रणाली लागू होने से न्यायिक प्रक्रिया के तहत 1,313 मामले दर्ज किए गए। डीजीपी ने बताया कि इस साल उनके द्वारा 547 एसआई और 12,338 कांस्टेबल नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि लोगों ने डायल 100 सेवा का ईमानदारी से जवाब दिया और 16,92,173 कॉल किए। राज्य में पुलिस आत्महत्याओं सहित कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि वित्तीय कठिनाइयां, व्यक्तिगत मुद्दे और पारिवारिक मुद्दे पुलिस कर्मियों की आत्महत्या के मुख्य कारण हैं। उन्होंने बताया कि काम के दबाव के कारण भी कुछ मामलों में आत्महत्याएं हुई हैं।

अब उन पुलिस कर्मियों के लिए पारिवारिक परामर्श आयोजित करके मुद्दों को हल करने का प्रयास किया जा रहा है, जो आत्महत्या करने के लिए प्रवृत्त हैं। डीजीपी ने कहा कि इस साल तेलंगाना में अपराध दर में वृद्धि के बावजूद कानून व्यवस्था, साइबर अपराध और ड्रग्स पर अधिकारियों की कार्रवाई उल्लेखनीय रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध पुलिस ने नए कानूनों के माध्यम से न्यायिक प्रणाली को और अधिक कुशल बनाया है।

पवन कल्याण ने क्रिकेटर नीतीश की तारीफ की

अमरावती, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तेलुगु क्रिकेटर नीतीश कुमार रेड्डी पर एक दिलचस्प ट्वीट किया है। यह मायने नहीं रखता कि आप भारत के किस हिस्से से आए हैं। यह महत्वपूर्ण है कि आप वह करें जिससे देश को गर्व हो। प्रिय 'नीतीश कुमार रेड्डी', आपने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर और प्रतिष्ठित मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में टेस्ट शतक बनाने वाले भारत के सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बनकर इतिहास रच दिया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के महत्वपूर्ण चौथे टेस्ट मैच में 114 रनों की शानदार पारी खेलकर आपने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। पवन ने अपने ट्वीट में रेड्डी से कई और विश्व स्तरीय रिकॉर्ड बनाने और भारत के झंडे को और ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कहा है। तेलुगु लड़का जो नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने आया। नीतीश कुमार रेड्डी ने शानदार शतक लगाकर बचाव किया है। इस दस्तक के साथ, नीतीश कुमार ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया।

हमारा खून डरता नहीं, बल्कि डर पैदा करता है : एमएलसी कविता

निज़ामाबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी कलवकुंतला कविता ने भाजपा और कांग्रेस पार्टियों पर झूठे मामलों के जरिए उनकी और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव की छवि खराब करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी तरह की धमकी या कानूनी उत्पीड़न बीआरएस पार्टी के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकता। हमारा खून डरता नहीं, बल्कि डर पैदा करता है, एमएलसी कविता ने घोषणा की और कसम खाई कि बीआरएस कार्यकर्ता राजनीतिक साजिशों के खिलाफ आग की चिंगारी की तरह उठ खड़े होंगे। उन्होंने दावा किया कि इन सत्तारूढ़ दलों में उनके पिता के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) का सामना करने का साहस नहीं है, वे मुझे और मेरे भाई को डराने की कोशिश करते हैं। जेल से रिहा होने के बाद रविवार को निजामाबाद की अपनी पहली यात्रा के दौरान कविता का बीआरएस नेताओं और हजारों समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। इंदलवई टोल प्लाजा पर सांसद केआर सुरेश रेड्डी, पूर्व विधायक जीवन रेड्डी और बाजीरेड्डी गोवर्धन समेत प्रमुख नेताओं और जिले के नेताओं ने उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया। कविता के नेतृत्व में सुभाष नगर तक एक विशाल रैली निकाली गई, जहां उन्होंने तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और तेलंगाना की पहचान और संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा पर मनगढ़ंत मामलों के जरिए असंतुष्टों को निशाना बनाने का आरोप लगाया और तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर सत्तावादी शासन का आरोप लगाया। कविता ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा पुलिस शक्ति के दुरूपयोग की आलोचना की और इसे लोगों के अनुकूल शासन के बजाय कांग्रेस के अनुकूल पुलिसिंग कहा। हम वे लोग हैं जिन्होंने तेलंगाना के लिए लड़ाई लड़ी और राज्य का दर्जा हासिल किया। उन्होंने कहा, हम मजबूती से खड़े रहेंगे और लोगों के लिए लड़ेंगे। महिलाओं के लिए स्कूटर, 2,500 रुपये मासिक सहायता और कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत सोना समेत अधूरे वादों पर प्रकाश डालते हुए बीआरएस एमएलसी कविता ने लोगों से कांग्रेस को जनता के विश्वास को तोड़ने के लिए जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। निजामाबाद से पूर्व सांसद कलवकुंतला कविता ने पेंशन बढ़ोतरी और रोजगार गारंटी सहित कल्याण संबंधी चिंताओं को दूर करने में राज्य सरकार की विफलता की आलोचना की। गुरुकुल स्कूलों में लापरवाही के कारण 57 छात्रों की मौत पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कविता ने कांग्रेस पर जीवन और भविष्य को खतरे में डालने का आरोप लगाया। एमएलसी ने सरकार पर बातुकम्मा जैसी तेलंगाना परंपराओं को दरकिनार करने और तेलंगाना तल्ली प्रतीकों को पार्टी के प्रतीकों से बदलने का भी आरोप लगाया।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को याद रखना हमारी जिम्मेदारी : मल्लू रवि

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकर्नूल के सांसद मल्लू रवि ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को याद रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने ने विशेष सभा आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को धन्यवाद देते हुए कहा कि मनमोहन सिंह के प्रति शोक व्यक्त करने के लिए कल विधानसभा की विशेष बैठक आयोजित करना बहुत जरूरी है। उन्होंने एक अलग राज्य तेलंगाना के गठन के लिए काम किया और प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान तेलंगाना के गठन की पृष्ठभूमि में उनकी महानता की चर्चा की। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम मनमोहन सिंह को याद करें जिन्होंने एक आर्थिक मार्गदर्शक के रूप में अपनी बौद्धिक संपदा का उपयोग भविष्य के भारत के लिए ठोस आर्थिक नींव रखने में किया। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा कानून, काम का अधिकार कानून, शिक्षा का अधिकार कानून, सूचना का अधिकार कानून जैसे कई क्रांतिकारी कानून लाने वाले मनमोहन सिंह आज की पीढ़ी के लिए एक आदर्श हैं। मनमोहन सिंह के निधन के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में कई दिनों के शोक की घोषणा की और विधानसभा बैठकें आयोजित कीं।

वायु सेना अकादमी में एनसीसी कैडेटों के लिए प्रशिक्षण शिविर

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वायु सेना अकादमी (एएफए), हैदराबाद ने सिकंदराबाद (वायु विंग) के साथ समन्वय में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) वायु विंग, वरिष्ठ डिवीजन और वरिष्ठ विंग के कैडेटों के लिए 16 से 29 दिसंबर 2024 तक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। शिविर में 18 बालिका कैडेटों सहित पूरे भारत के 16 एनसीसी निदेशालयों के कुल 54 कैडेटों ने भाग लिया। शिविर का समन्वय नंबर-1 तेलंगाना एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, सिकंदराबाद द्वारा किया गया। शिविर प्रशिक्षण के अलावा, कैडेटों को वायु सेना अकादमी में संचालन, रखरखाव और प्रशासन विभागों के तहत विभिन्न कार्यक्षेत्रों के दौरे के माध्यम से भारतीय वायु सेना के जमीनी स्तर के कामकाज से अवगत कराया गया। उन्होंने उन प्रशिक्षुओं से भी बातचीत की जो एनसीसी प्रवेश योजना के माध्यम से भारतीय वायुसेना में शामिल हुए थे। एनसीसी युवाओं के जीवन में प्रारंभिक अवस्था से ही अनुशासन, मूल्यों और नेतृत्व की भावना पैदा करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एनसीसी कैंप प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय सशस्त्र बलों के परिचालन ठिकानों के कामकाज के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं ताकि कैडेटों को राष्ट्र की सेवा में सशस्त्र बलों में सक्रिय रूप से अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

श्री मल्लिकार्जुन स्वामी कल्याण महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरि के सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने श्री मल्लिकार्जुन स्वामी कल्याण महोत्सव कोमुरावेल्ली में भाग लिया। कोरामिसला कोमुरावेल्ली मल्लन्ना (मल्लिकार्जुन स्वामी) का कल्याण महोत्सव सिद्दीपेट जिले के भुवनगिरि संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत कोमुरावेल्ली शहर में भव्य रूप से आयोजित किया गया था।

श्री मल्लिकार्जुनस्वामी केतलम्मा और मेदालादेवी का विवाह मंदिर परिसर के तोताबावी क्षेत्र में एक विशेष कल्याण मंडपम में हुआ। मार्गसीरम महीने के आखिरी रविवार के उपलक्ष्य में, स्वामी का ब्रह्मोत्सव वीरशैवगमशास्त्र के अनुसार आयोजित कल्याणम के साथ शुरू हुआ। स्थानीय सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी, विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी, सीएच मल्लारेड्डी, पूर्व विधायक, जनगामा डीसीसी के अध्यक्ष कोम्मुरी प्रताप रेड्डी, महिला सहाराकार प्रमुख निगम के अध्यक्ष बंदरू शोभारानी, बीसी आयोग के सदस्य बाला लक्ष्मी गार्ला के साथ अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने मल्लन्ना कल्याण में भाग लिया। देवी-देवताओं के कल्याणार्थ दर्शन के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े।

मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए आज विशेष विधानसभा सत्र आयोजित होगा

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्पीकर गड्डाम प्रसाद कुमार और विधायी मामलों के मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने रविवार को तीसरे तेलंगाना राज्य विधानसभा के विशेष सत्र की व्यवस्था की समीक्षा की, जो सोमवार को सुबह 10 बजे शुरू होगा। स्पीकर और मंत्री ने सलाह दी है कि सभी सावधानियां बरती जाएं और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए कि सदस्यों को किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। बाद में, प्रसाद कुमार ने व्यवस्थाओं पर मुख्य सचिव शांति कुमारी और डीजीपी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक टेलीकांफ्रेंस में बात की। स्पीकर ने कहा कि अतीत की तरह, अधिकारियों को सत्र के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने चाहिए। उन्होंने विधायी सचिव नरसिम्हा चार्युलु को सरकारी अधिकारियों के साथ समन्वय करने और आवश्यक व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया ताकि सत्र शांतिपूर्ण माहौल में आयोजित हो सके। एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया जा रहा है, जिनका 26 दिसंबर को निधन हो गया था।

हम संघर्षों की रणभूमि पर शताब्दी समारोह मना रहे हैं : सीपीआई

नलगोंडा, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव और पार्टी विधायक कुनामनेनी संभाशिवा राव ने आज कहा कि नलगोंडा जिला एक ऐसा क्षेत्र है जिसका प्रतिनिधित्व कई कम्युनिस्ट नेताओं ने किया है, जिस भूमि ने विभिन्न आंदोलनों को जन्म दिया और उन्होंने कहा कि वे उसी धरती पर पार्टी का शताब्दी समारोह मना रहे हैं। उन्होंने राज्य भर के भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों, पार्टी समर्थकों और प्रशंसकों से बड़ी संख्या में भाग लेने और शताब्दी समारोह मनाने को कहा, जो सोमवार को दोपहर 2 बजे होगा। उन्होंने कहा कि समारोह साल भर चलने वाले कार्यक्रमों की शुरूआत का प्रतीक होगा। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के लिए आठ घंटे का कार्यदिवस, रोजगार गारंटी अधिनियम, जमीन की जुताई जैसे कई कानूनों के कार्यान्वियन में कम्युनिस्टों की भूमिका महत्वपूर्ण थी। उन्होंने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी वह पार्टी है जिसने गरीबों, मजदूरों और किसानों की भूख को संतुष्ट करने के लिए लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि मंच राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी के स्थापना दिवस को अत्यंत भव्यता और उत्साह के साथ मनाकर कार्यकर्ताओं को और अधिक उत्साह देगा। पार्टी जिला कार्यकारी सदस्य रामलिंगम, गुरुजा रामचंद्रम, बालगुरी नरसिम्हा, अंजैया चारी, वेंकटेश्वरलू, एल श्रवण कुमार, वीरस्वामी, एआईएसएफ जिला अध्यक्ष सचिव अंजी, मुरली और अन्य ने मीडिया सम्मेलन में भाग लिया।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY
(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Notice is hereby given to the general public that **Sri Bongu Prasad** intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **"BLUE INDIA PARTY"** with location of its head office D.No.: 2-8, Bachupalli Village & Mandal, Medchal-Malkajgiri Dist. Telangana - 500090. Under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1) President, Sri Bongu Prasad, 2) General Secretary, Sri Kammeta Bhupal 3) Treasurer, Sri. Vadla Madhava Chary.** Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Build- ing, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad - 500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **"BLUE INDIA PARTY"** as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

Date: 30-12-2024 **President: "Blue India Party"**

पुलिस कर्मियों की आत्महत्या रोकने के लिए कदम उठाए सरकार : हरीश राव

हैदराबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव ने तेलंगाना में पुलिस कर्मियों द्वारा की गई आत्महत्याओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

मुलुगु जिले में एक एसआई, सिद्दीपेट में कांस्टेबल का परिवार, कामारेड्डी में एक सब-इंस्पेक्टर और एक महिला कांस्टेबल ने हाल के दिनों में आत्महत्या कर ली। एक ताजा घटनाक्रम में सिरसिला में एक पुलिस कांस्टेबल के परिवार और मेदक के कुलचरम में हेड कांस्टेबल ने थोड़े समय के अंतराल में आत्महत्या कर ली। रविवार को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पुलिस कर्मियों की आत्महत्याओं पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हरीश राव ने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि पुलिस (जो लोगों की जान बचाने के लिए होती है) लगातार अपनी जान ले रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य सरकार को इस बात की परवाह नहीं है कि पुलिस लगातार आत्महत्या कर रही है? हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना में कानून और व्यवस्था बनाए रखने वाले रक्षकों की जान की रक्षा नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिसकर्मियों की मांगों जैसे कि उनके काम के दबाव को कम करना और उनके लंबित वादों को पूरा करने के प्रति राज्य सरकार का लापरवाह रवैया पुलिस बल पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।

बीआरएस विधायक ने राज्य के डीजीपी से आत्महत्याओं की विभागीय जांच करने की अपील की ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने सलाह दी, राज्य सरकार को पुलिसकर्मियों के बीच आत्महत्या के विचारों को रोकने के लिए मनोवैज्ञानिकों के साथ परामर्श करना चाहिए। हरीश राव ने पुलिसकर्मियों को यह भी सुझाव दिया कि आत्महत्या कोई समाधान नहीं है, चाहे समस्याएं कुछ भी हों।

उन्होंने कहा, आपने पुलिस की नौकरी पाने के लिए बहुत मेहनत की है। अपने परिवार के सदस्यों और माता-पिता के भरोसे को मत तोड़ो। मैं आपको सलाह दे रहा हूं कि आप अपनी कीमती जान न गंवाएं। बीआरएस विधायक ने आगे कहा कि समाज तभी सुरक्षित रहेगा जब पुलिस, जो लोगों की जान बचाने के लिए जिम्मेदार है, आत्मविश्वास के साथ अपना कर्तव्य निभाएगी।

जगतियाल में युवकों ने की पुलिसकर्मी की पिटाई

जगतियाल, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को यहां एक पेट्रोल पंप के कर्मचारियों के साथ हाथापाई के दौरान पांच युवकों के एक गुस्साए समूह ने एक पुलिसकर्मी की पिटाई कर दी।

रिपोर्ट के अनुसार पांच युवकों का किसी मुद्दे पर पेट्रोल पंप के कर्मचारियों से झगड़ा हो गया और पंप कर्मचारियों ने पुलिस को बुला लिया। जब पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों समूहों के बीच-बचाव कर उन्हें शांत करने का प्रयास किया तो एक युवक ने पुलिस कांस्टेबल पर हमला करना शुरू कर दिया। जगतियाल टाउन पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया और बोडुकनी शेखर तथा तुम्मा गंगाराम के खिलाफ उनके कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कर लिया।

यदाद्री मंदिर में कतार में लगे रेलिंग में फंसा लड़के का सिर, सुरक्षाकर्मियों ने निकाला

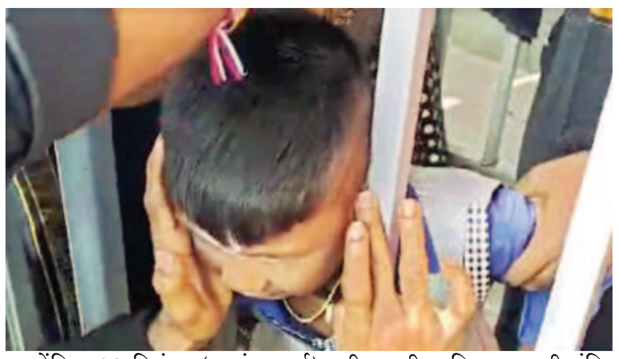

भोंगिर, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में रविवार को उस समय कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब 150 रुपये वाले दर्शन टिकट की कतार में लगे ग्रिल में एक लड़के का सिर फंस गया। बोडुप्पल के रहने वाले सात वर्षीय दयाकर और उसके माता-पिता भगवान के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे और दर्शन के लिए कतार में खड़े हो गए। तभी अचानक बच्चे का सिर गलती से ग्रिल में फंस गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर के कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत इसकी सूचना दी। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों के साथ मिलकर कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक लड़के का सिर ग्रिल से बाहर निकाला। यह पूरी प्रक्रिया 45 मिनट तक चली और भक्तों और माता-पिता ने राहत की सांस ली, क्योंकि लड़के को बिना किसी चोट के बचा लिया गया।

निजामाबाद में इस साल अपराध दर में मामूली वृद्धि

निजामाबाद, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद पुलिस आयुक्तालय में चालू वर्ष के दौरान अपराध दर में मामूली वृद्धि देखी गई। रविवार को यहां वार्षिक अपराध रिपोर्ट पेश करते हुए प्रभारी पुलिस आयुक्त सिंधु शर्मा ने बताया कि इस वर्ष कमिश्नरेट में कुल 1,185 मामले दर्ज हुए, जबकि 2023 में यह संख्या 980 और 2022 में 918 होगी।

उन्होंने बताया कि वर्ष के दौरान कमिश्नरेट सीमा के अंतर्गत विभिन्न पुलिस थानों में कुल 8,745 एफआईआर दर्ज की गईं। उन्होंने बताया कि वर्ष के दौरान गैर इरादतन हत्या, अपहरण, बलात्कार और चोट पहुंचाने की घटनाओं में मामूली वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष के दौरान कमिश्नरेट में हत्या के 42 मामले, बलात्कार के 77 मामले और अपहरण के 57 मामले दर्ज किए गए। इस वर्ष आत्महत्या के मामलों में वृद्धि देखी गई, आयुक्तालय के अंतर्गत विभिन्न पुलिस थानों में 442 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 356 थी।

उन्होंने बताया कि वाहन चोरी के 431 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से केवल 138 का ही पता लगाया जा सका। चेन स्नेचिंग के 37 मामलों में से केवल 7 का ही पता लगाया जा सका। महिलाओं के विरूद्ध अपराध के मामलों पर टिप्पणी करते हुए पुलिस आयुक्त ने बताया कि वर्ष के दौरान आयुक्तालय में दहेज उत्पीड़न के 326 मामले, छेड़छाड़ के 214 मामले तथा पोक्सो अधिनियम के 115 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि वर्ष के दौरान धोखाधड़ी के 722 मामले तथा साइबर अपराध के 376 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि वर्ष के दौरान कमिश्नरेट में सड़क दुर्घटनाओं में 335 लोगों की जान चली गई तथा 758 लोग घायल हुए।

बस और कार आमने-सामने की टक्कर

भोंगिर, 29 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर की ओर जाने वाले घाट रोड पर एक बस और कार में आमने-सामने की टक्कर हो गई। रविवार को छुट्टी होने के कारण मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। हैदराबाद से एक कार मंदिर की ओर जा रही थी, उसी समय टीजीआरटीसी की एक बस घाट रोड पर बस स्टैंड की ओर उतर रही थी। हालांकि, दोनों वाहनों में आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिससे कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मंदिर के अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

मंदिर तक पहुंचने के लिए दो घाट सड़कें हैं। एक का निर्माण विशेष रूप से मंदिर की ओर वाहनों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए किया गया था, जबकि दूसरी का निर्माण मंदिर से पहाड़ी से नीचे और बस स्टैंड की ओर यातायात की सुविधा के लिए किया गया था। वर्तमान में, केवल एक घाट रोड का उपयोग किया जा रहा है और मंदिर की ओर जाने वाले और पहाड़ी से नीचे आने वाले वाहनों को एक ही सड़क का उपयोग करना पड़ता है। छुट्टियों और अन्य अवसरों के दौरान, मंदिर में अभूतपूर्व भीड़ होती है और घाट रोड पर यातायात प्रबंधन मंदिर अधिकारियों के लिए एक चुनौती बन जाता है। भक्तगण मंदिर प्रबंधन से उनकी सुविधा के लिए दूसरे घाट मार्ग पर यातायात चलाने की अपील कर रहे हैं, लेकिन अधिकारियों को बेहतर ज्ञात कारणों से दूसरे घाट मार्ग पर यातायात की अनुमति नहीं दी जा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.